THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 130 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.12-13 2083 सोमवार, 10 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट पायलट का डोप टेस्ट पॉजिटिव

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट के दो पायलटों में से एक का डोप टेस्ट फेल होने का दावा किया जा रहा है। यह फ्लाइट 4 अगस्त को तेज टर्बुलेंस में फंस गई थी और अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। घटना के बाद दोनों पायलटों का पोस्ट-फ्लाइट ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। इनमें से एक पायलट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है।

फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। हवा में टर्बुलेंस के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे 17 लोग घायल हुए थे।

जो खेलेगा वही खिलेगा : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने पदक विजेताओं से खुल कर बात की

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों और भारतीय दल के सदस्यों से मुलाकात कर उनकी सफलता की उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा जो खेलेगा वही खिलेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा उनके प्रदर्शन से भारत गौरवान्वित हुआ है। भारतीय दल के खिलाड़ी भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा कर उत्साहित नजर आए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय एथलीट सीमा कालीरमणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि हर किसी का सपना होता है कि वह ऐसा कुछ करे, जिससे प्रधानमंत्री से मिलने का मौका मिले। यह ऐसा विशेषाधिकार है, जिसे हासिल करने का अवसर केवल कुछ भाग्यशाली लोगों को ही मिलता है।' कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय पैरा-एथलीट सोमन राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री से मिलने का यह अवसर पाकर मैं बेहद खुश हूं। यह देखकर भी मुझे बहुत खुशी होती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पैरालंपिक और पैरा-एथलीटों को कितना समर्थन दे रहे हैं। इससे हमें काफी प्रेरणा मिलती है और बेहतर प्रदर्शन करने का हौसला मिलता है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय वेटलिफ्टर सैखोम मीराबाई चानू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का बहुत समर्थन किया है। इस बार भी हम पदक जीतने वाले खिलाड़ी उनसे मिले। मैं बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि सब कुछ अच्छा रहेगा। वह हमेशा हमारा समर्थन करते हैं, तब भी जब हम कोई पदक नहीं जीत पाते हैं।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतने वाले भारतीय पैरा-एथलीट शुभम जुयाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'यह बहुत शानदार एहसास है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने हमें देश के लिए पदक जीतकर वापस आने के बाद उनसे मिलने के लिए आमंत्रित किया।

>12

वामपंथ उग्रवाद से प्रभावित रहे नौ राज्य के 38 जिलों में नहीं बदलेंगे नियम

गृह मंत्रालय की ताजा सूची जारी

इतने जिलों में जारी रहेंगे सुरक्षा संबंधी उपाय

- पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश में 1-1
- महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना में 2-2
- बिहार और झारखंड में 4-4
- ओडिशा में 9 और छत्तीसगढ़ में 13

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सुरक्षा-संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत देश में वामपंथ उग्रवाद की मौजूदा स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई है। अब नौ प्रदेशों के 38 जिलों को 'विरासत एवं प्रबल' ('लीगेसी एंड थ्रस्ट') श्रेणी में रखा गया है। मतलब, इन जिलों में सुरक्षा उपायों के साथ विकास पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। वामपंथ उग्रवाद को दोबारा पनपने से रोकने के लिए और मौजूदा स्थिति को ज्यादा मजबूत बनाने के मकसद से 'विरासत एवं प्रबल' श्रेणी वाले जिलों में कुछ समय तक सुरक्षा संबंधी उपाय जारी रहेंगे।

वामपंथी उग्रवाद की समस्या का पूर्ण समाधान, इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना 2015' का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसमें सुरक्षा उपायों के साथ-साथ वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में विकास पर गौर करना था। स्थानीय लोगों के अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया गया। उन लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे पहुंचे, इस पर भी गृह मंत्रालय का खास फोकस रहा। गृह मंत्रालय की ताजा समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नीति के परिणामस्वरूप, देश वामपंथ उग्रवाद की समस्या से मुक्त हो चुका है।

मार्च अप्रैल की समीक्षा रिपोर्ट का नतीजा

गृह मंत्रालय ने मार्च/अप्रैल में एलडब्लूई से प्रभावित रहे जिलों की व्यापक समीक्षा की थी। इसमें वामपंथी हिंसा की तीव्रता, सशस्त्र काडरों की उपस्थिति और उनकी हिंसात्मक क्षमता, नक्सलवाद से जुड़े संगठनों की वर्तमान स्थिति तथा 'मुक्त क्षेत्रों' की उपस्थिति जैसे प्रमुख मानकों का समग्र मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के बाद सामने आया कि अब कोई भी जिला वामपंथ उग्रवाद से प्रभावित नहीं है। अपेक्षित विकास से वंचित कुछ जिलों में सुरक्षा एवं विकासात्मक उपायों को बनाए रखना आवश्यक है। एसआरई योजना के तहत 38 वामपंथ उग्रवाद से मुक्त जिलों को दो श्रेणियों में बांटा गया। 'विरासत एवं प्रबल' श्रेणी में 37 जिले और 'चिंताजनक जिला', इस श्रेणी में झारखंड के सिंहभूम जिले को शामिल किया गया।

>12

'विरासत एवं प्रबल' जिलों की सूची

पश्चिम बंगाल: 1 - झारग्राम
आंध्र प्रदेश: 1 - अल्लूरी सीतारामराजू
मध्य प्रदेश: 2 - बालाघाट, मंडला
महाराष्ट्र: 2 - गढ़चिरोली, गोंदिया
तेलंगाना: 2 - भद्रादी-कोठागुडेम, मुलुगु
बिहार: 4 - औरंगाबाद, गया, जमुई और लखीसराय
झारखंड: 4 - पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, छतरा, लातेहार
ओडिशा: 9 - बौध, सुन्दरगढ़ (राऊरकेला पुलिस जिला), कालाहांडी, कोरापुट, मलकानगिरी, नबरंगपुर, नुआपाड़ा, रायगड़ा, कंधमाल
छत्तीसगढ़: 13 - बस्तर, बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर, धमतरी, कबीरधाम, कोंडागांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजानंदगांव, मौहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, गरियाबंद, सुकमा, दांतेवाड़ा।

तमिलनाडु के 21 सांसदों ने परिसीमन का विरोध किया

बैठक में नहीं पहुंचे सांसद; अकाली दल का सरकार को समर्थन

चेन्नई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन को लेकर तमिलनाडु मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शनिवार को राज्य के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों की बैठक बुलाई। इसमें कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीआई(एम), एमडीएमके और आईयूएमएल समेत अलग-अलग दलों के 21 सांसद शामिल हुए।

बैठक के बाद कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि परिसीमन का मुद्दा पार्टी राजनीति से ऊपर है और तमिलनाडु के अधिकार सुरक्षित रहने चाहिए। उनका कहना था कि राज्य की संसद में हिस्सेदारी कम नहीं होनी चाहिए। डीएमके और एआईडीएमके सांसद बैठक में शामिल नहीं हुए।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने परिसीमन और महिला आरक्षण बिल के समर्थन की घोषणा की। पार्टी ने मांग की है कि लोकसभा में दोनों विधेयक पारित किए जाएं और राज्यों की सीटों में समान 50% बढ़ोतरी की जाए।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एसएडी के बदले रुख का स्वागत किया और सभी दलों से निष्पक्ष परिसीमन के लिए साथ आने की अपील की।

कोलकाता में शनिवार को नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि विधेयक पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस मुद्दे पर सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में चर्चा होगी।

जेपीएससी के तीनों सदस्यों का इस्तीफा मंजूर

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड लोक सेवा आयोग से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आयोग के तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के पद से दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। झारखंड लोक भवन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर राज्यपाल ने यह फैसला लिया। राजभवन की ओर से बताया गया कि तीनों सदस्यों ने जेपीएससी में अपने पद से इस्तीफा दिया था। राज्य सरकार की सिफारिश के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इन इस्तीफों को स्वीकार कर लिया। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। छात्र संगठनों की ओर से परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार और कथित अनियमितताओं की जांच समेत कई मांगें उठाई जा रही हैं। अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के इस्तीफे स्वीकार होने के बाद जेपीएससी में इन तीनों सदस्यों के पद खाली हो गए हैं। अब इन पदों पर नियुक्ति को लेकर आगे की प्रक्रिया सरकार और राजभवन के स्तर पर तय की जाएगी।

चार हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की सिफारिश, कौन हैं वो 4 न्यायाधीश?

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चार न्यायाधीशों को अलग-अलग हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने छह अगस्त को हुई बैठक में यह फैसला लिया। जिन हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिश की गई है उनमें पटना, कलकत्ता, बंबई और पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय शामिल हैं।

इन हाईकोर्ट को मिले नए चीफ जस्टिस

दिल्ली हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है।

बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रवींद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी को बंबई उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा को इसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है।

>12

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला

प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी पर फेंकी पानी की बोतलें और जूते

कोलकाता, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को उत्तर 24 परगना के हलीशहर में उनके काफिले पर हमला किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने ममता के काफिले के रोक लिया और उस पर पत्थर बरसाए॥ वह तृणमूल कांग्रेस के दिवंगत कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने जा रही थीं। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी की गाड़ी को घेर लिया और उस पर पानी की बोतलें तथा जूते फेंके। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पुलिस पर हिरासत में मौत का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की।

कथित हिंसा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मेरी गाड़ी पर बहुत बड़े-बड़े पत्थर मारे गए। लोग पुलिस के सामने ही आकर हमला कर रहे थे। हम बहुत किस्मत वाले थे, अगर गाड़ी की खिड़की खुली होती, तो हमारे सिर फूट जाते और हम सबकी जान भी जा सकती थी। यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ है। ममता के काफिले पर हुए हमले को लेकर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस विभाग का 12 बजा दिया है

दरअसल ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद के पति बिरजू केओट के घर पहुंची थीं, उनकी कल संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने पुलिस पर बेरहमी से पीटने और प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। मृतक के परिवार वालों का आरोप है कि शुक्रवार रात पुलिस गिरफ्तार कर ले गई थी। पुलिस लॉकअप में उसे बुरी तरह पीटा गया है। अगले दिन वह पुलिस लॉकअप में अचेत अवस्था में मिले थे।

'यह छात्रों की नहीं, सिस्टम की हार है'

प्रयागराज में छात्रों से संवाद के बाद राहुल केंद्र पर हमलावर

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में एक छात्र से मुलाकात का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छात्र ने उनसे कहा कि उसके पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। राहुल ने बताया कि छात्र ने वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की, परिवार की जमीन तक बेच दी और माता-पिता पर कर्ज हो गया, लेकिन इसके बावजूद उसे सफलता नहीं मिली। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह छात्र की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की हार है, जो उसकी मेहनत का उचित परिणाम देने में विफल रही। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य को लेकर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

राहुल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि छात्र आंदोलनों को लेकर 13 दिन बीत जाने के बावजूद उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को इसका जवाब देना होगा। राहुल ने कहा कि छात्र देश की रोशनी हैं और वह पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े हैं। गौरतलब है कि जुलाई में परीक्षा में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के मुद्दे पर दिल्ली समेत कई जगह छात्रों ने प्रदर्शन किया था।

बीते दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रयागराज में छात्रों से संवाद किया था। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नफरत से नहीं, प्यार और मोहब्बत से सिस्टम को बदलना है। एलईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उद्यमी गौतम अदाणी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए केपी कॉलेज इंटर कॉलेज मैदान पर मौजूद हजारों छात्रों से उन्होंने कहा कि पूरा सिस्टम इन्हीं के हाथ में है और इस सिस्टम ने रोजगार खत्म कर दिया है।

जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टियां रणनीति बदल रहीं

2027 में 7 राज्यों में चुनाव, 22% वोटर जेन-जी; 5% इधर-उधर हुए तो सरकारें बदल सकती हैं

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अगले साल 7 राज्यों- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों में जेन-जी यानी 18 से 29 साल के मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, जुलाई में दिल्ली में हुआ जेन-जी आंदोलन, जिसने युवाओं के राजनीतिक रुझान को लेकर नई बहस छेड़ी। दूसरी, बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के चौंकाने वाले नतीजे, जिनसे युवाओं की चुनावी भूमिका पर चर्चा तेज हुई है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी समीकरण में महिला, पिछड़ा, किसान और दलित जैसे वर्गों के साथ अब जेन-जी भी एक अहम वोटर ग्रुप बनता जा रहा है। इन 7 चुनावी राज्यों में करीब 22% मतदाता 18 से 29 साल की उम्र के हैं। ऐसे में युवा वोट किसी भी पार्टी के चुनावी समीकरण को बदल सकता है।

चुनाव वाले 7 राज्यों में अगर पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़े देखें तो कुल 940 सीटों में 257 सीटें (27%) ऐसी थीं, जहां जीत का अंतर 5% या उससे कम था। उत्तर प्रदेश की 403 में से 131 सीटें ऐसी थीं, जहां जीत का मार्जिन 5% से कम था। गुजरात की 182 में से 27, पंजाब की 117 में से 24, उत्तराखंड की 70 में से 15 और हिमाचल की 68 में से 14 सीटों पर भी वोट मार्जिन 5% से कम था। इस आधार पर कह सकते हैं कि अगर 22% जेन-जी वोटर्स में से 5% भी एकजुट होकर किसी पार्टी के पाले में चले गए तो इन राज्यों में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

यही वजह है कि राजनीतिक दल अब अपनी पूरी रणनीति जेन-जी वोटर्स के इर्द-गिर्द बुनने में लग गए हैं। भाजपा, कांग्रेस और सपा ने इसकी मुहिम शुरू कर दी है।

देश की सियासत में लंबे समय से चले आ रहे जाति और धर्म आधारित चुनावी समीकरणों को युवा वोटर चुनौती दे सकते हैं। इसकी वजह युवाओं का एक नया और मुखर वर्ग बनकर उभरना है।

अगले चुनावों में अभी 6-7 महीने का वक्त है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तब तक यह युवा सेंटिमेंट कितना मजबूत रहता है। अगर यह बरकरार रहा या और बढ़ा, तो राजनीतिक दलों को आने वाले हफ्तों में अपनी रणनीति में पांच बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं।

राजनीतिक पार्टियां बदलाव पर मजबूर: युवाओं पर फोकस्ड राजनीति शुरू होगी: भास्कर एक्सपर्ट के मुताबिक पहले घोषणापत्र में युवाओं के सिर्फ मुद्दे होते थे, पर अब रोजगार व स्किल डेवलपमेंट जैसे विषय सीधे भाषणों में होंगे। दलों को सिर्फ बेरोजगारों को भत्ता देने के बजाय यह समझाना होगा कि वे रोजगार और कौशल विकास कैसे बढ़ाएंगे। जो दल रोजगार, शिक्षा, डिजिटल इकोसिस्टम और स्किल डेवलपमेंट के मुद्दे उठाएगा, युवा उसी के साथ जाएंगे।

जाति-धर्म समीकरण: अगर यही माहौल रहा, तो जेन-जी के मुद्दों के कारण जातिगत और धार्मिक समीकरण काफी हद तक बिखर जाएंगे। युवा भी अब तक जाति-धर्म के आधार पर बंटे हुए थे।

अब बदलाव दिख रहा है। चुनाव में जाति फैक्टर थोड़ा-बहुत तो रहेगा ही, लेकिन उम्मीदवारों के चयन और प्रतिनिधित्व में उसका असर साफ दिखेगा। पार्टियां सेल्फ-मेड युवाओं को अधिक टिकट देंगी, जिससे जेन-जी को चुनावी मैदान में बेहतर प्रतिनिधित्व मिल सके।

महिलाओं जैसा बदलाव: जैसे महिलाओं ने जातिगत समीकरण तोड़कर एनडीए को वोट दिए, युवा भी किसी एक तरफ जा सकते हैं।

मुफ्त योजनाओं से दूरी: युवाओं को मुफ्त की रेवड़ी या लुभावनी योजनाएं नहीं चाहिए, बल्कि वह दलों से ठोस समाधान चाहता है।

व्यावहारिक वादे: राजनीतिक पार्टियां आगामी चुनावों में ऐसे व्यावहारिक वादे करेंगी, जिन्हें धरातल पर उतारा जा सके।

धर्मेंद्र प्रधान बोले- जेन-जी को भटकाने की कोशिश हुई

मेरे लिए पद जरूरी नहीं था, पीएम से चर्चा के बाद इस्तीफा दिया

भुवनेश्वर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार अपने इस्तीफे पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें भटकाने की कोशिश की। मैंने पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद ही पद छोड़ा।'

उन्होंने कहा, 'जेन-जी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के युवाओं के संकल्प और आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं। इसलिए मेरे लिए पद जरूरी नहीं था।' प्रधान ने ये बात शनिवार को भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में कही। यहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम के दौरान बीजू जनता दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के 35 दिन बाद प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था।

प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ' मैं बीजेडी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन और उनकी नारेबाजी से परेशान नहीं हूं। मैं किसान का बेटा हूं। आप मुझे वापस जाने के लिए कहेंगे, तब भी मैं वापस आऊंगा।' 'मैंने ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों का सिर कभी शर्म से नहीं झुकने दिया। जब तक मैं जिंदा हूं, तब तक मुझ पर जताए गए भरोसे को नहीं तोड़ूंगा और ऐसा कोई काम नहीं करूंगा, जिससे ओडिशा के गौरव और स्वाभिमान को ठेस पहुंचे।' जेन जी की जिद के कारण मुझे परेशानी नहीं हुई। नई पीढ़ी का विरोध करने के बजाय उसे समझना जरूरी है। 'भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं। पिछले 10 साल में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए हैं। उनके सपने हैं। वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। इतिहास में युवाओं ने ही बदलाव का नेतृत्व किया और बलिदान दिया है। वे अपने समय के जेन जी थे।' मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और प्रदर्शनकारियों की मांगें मानने के लिए उनकी मंजूरी मांगी।

महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर

पीएम मोदी से मिलेंगे एनसीपी शरद पवार गुट के सभी 8 सांसद

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एनसीपी शरद पवार गुट के सभी 8 सांसद सोमवार, को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। सांसदों की मुलाकात के लिए प्रधानमंत्री से समय मांगा गया है। पार्टी की लोकसभा ग्रुप लीडर सुप्रिया सुले ने इसे आधिकारिक बैठक बताया है। फिलहाल शरद पवार गुट के सांसदों की पीएम मोदी से होने वाली मुलाकात को लेकर तमाम तरह की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। हालांकि इन अटकलों की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि, परिसीमन बिल समेत सरकार के अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है।

पहले से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि एनसीपी शरद पवार गुट परिसीमन बिल का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन कर सकता है। इसके अलावा, भविष्य में एनसीपी शरद पवार गुट के एनडीए के साथ किसी तरह के राजनीतिक समीकरण को लेकर भी चर्चा की अटकलें हैं। हालांकि, सुप्रिया सुले ने इन संभावनाओं की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। उनका कहना है कि बैठक मुख्य रूप से सांसदों के कार्यक्षेत्र और उनके निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए है।

डीलिमिटेशन बिल पर पवार की पार्टी का रुख सूत्रों के हवाले से जानकारी सामने आई है कि डीलिमिटेशन संशोधन विधेयक में देश में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का फैसला होने पर शरद पवार की पार्टी बिल को समर्थन देगी। अमित शाह के साथ हुई सर्वदलीय बैठक में शाह द्वारा इस प्रकार का प्रस्ताव लाने पर चर्चा हुई थी। इस चर्चा में सिर्फ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) पार्टी ने ही नहीं, बल्कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना, कांग्रेस और डीएमके ने भी सहमति जताई है। इससे पहले, उद्धव ठाकरे की शिवसेना-यूबीटी में टूट देखने को मिली थी। अब शरद पवार की एनसीपी-एसपी में टूट की खबरें सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उद्धव ठाकरे की पार्टी के 6 सांसद एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो गए थे। इसके बाद अब शरद पवार की पार्टी के विधायक और सांसद के भी पाला बदलने चर्चाएं भी हो रही हैं।

एनसीपी (शरद पवार) की सांसद और संसद में पार्टी की ग्रुप लीडर सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी के सभी 8 सांसद सोमवार, 10 अगस्त को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। सुले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पहले एनडीए के कुछ सांसदों को ब्रेकफास्ट पर बुलाया था, लेकिन उनकी पार्टी को नहीं बुलाया गया था। अब वे खुद प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं। सुप्रिया सुले के मुताबिक, यह मुलाकात महाराष्ट्र से जुड़े सांसदों के अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों के मुद्दों को लेकर है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात को परिसीमन से जोड़कर देखना ठीक नहीं है।

प्रधानमंत्री एक संवैधानिक पद पर हैं और उस पद का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे दिन के उजाले में प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं, इसलिए इसे लेकर किसी तरह की राजनीतिक अटकलें लगाना उचित नहीं है।

30 किलो हेरोइन बरामद

बाइक पर जा रहे थे दो शख्स, पुलिस ने दबोचा ; सीमा पार से आई थी खेप

फिरोजपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। फिरोजपुर काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) ने बीएसएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 30.200 किलो हेरोइन बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उक्त हेरोइन की खेप पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से भेजी गई है। काउंटर इंटेलीजेंस के अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुखविंदर सिंह निवासी गांव वल्ले शाह उताड़, फाजिल्का और मनप्रीत सिंह निवासी गांव नवा हस्ता, फाजिल्का के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 30.200 किलो हेरोइन व एक बाइक बरामद की। ये लोग बाइक पर सवार होकर किसी को हेरोइन की खेप सप्लाई करने जा रहे थे। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस इस मॉड्यूल के सीमा पार बैठे तस्करों से संबंधों का पता लगाने में जुटी है।

साथ ही नेटवर्क में शामिल अन्य आरोपियों और सहयोगियों की पहचान की जा रही है। एआईजी काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर गुरसेवक सिंह ने बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर सीआई टीम ने बीएसएफ फाजिल्का के साथ मिलकर फाजिल्का के हिंदूमलकोट रोड पर गांव सतीरवाला के नजदीक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान बाइक पर जा रहे दोनों संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उनके कब्जे से 30.200 किलो हेरोइन बरामद हुई। थाना एसएसओसी फाजिल्का में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में और खेप मिलने के अलावा आरोपियों के पकड़े जाने की संभावना है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठिया ढेर

बीएसएफ जवानों ने की कार्रवाई, कंटीली तार को कर रहा था पार

अमृतसर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अमृतसर के दाऊके गांव के पास बीएसएफ जवानों ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को गोली मारकर ढेर कर दिया। घटना थाना घरिंडा के अधीन सीमा चौकी के पास की है। मृतक के पास से तंबाकू का पैकेट मिला है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे।

इसी दौरान जवानों को कंटीली तार के पास झाड़ियों में कुछ हलचल दिखाई दी। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए संदिग्ध व्यक्ति को झाड़ियों से बाहर आने के लिए कहा। कुछ देर बाद वह बाहर आया और कंटीली तार पार करने की कोशिश करने लगा।

जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी और आगे न बढ़ने के लिए कहा। इसके बावजूद जब वह तार की ओर बढ़ता रहा तो जवानों ने स्थिति को देखते हुए फायरिंग की। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना घरिंडा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नासिक में हल्के भूकंप के झटके; कई घरों में आई दरारें

नासिक, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इससे जिले के कुछ इलाकों में घरों की दीवारों में दरारें आ गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, शनिवार रात 10 बजे नासिक में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद रविवार सुबह 5:33 बजे 3.3 तीव्रता का झटका महसूस किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, भूकंपीय गतिविधि महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास हटगढ़ पर्वत श्रृंखला के नजदीक भानवाड़ इलाके में जमीन से 5 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज की गई। जिले के नासिक शहर, सुरगाणा, कलवण, देवला, चांदवड़, पेठ, दिंडोरी और निफाड़ तालुका के कुछ इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे लोगों में डर फैल गया और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

सोपोर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार

जमात-ए-इस्लामी के 26 ठिकानों पर रेड, यूएपीए के तहत एक्शन

जम्मू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंक के सफाए के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, वहीं आतंकियों के मददगारों पर भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस बीच उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर और आसपास के इलाकों में पुलिस ने रविवार (9 अगस्त) को सोपोर में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जमात) से जुड़े संदिग्ध नेटवर्क की जांच के तहत पुलिस ने करीब 26 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की मदद से सोपोर के कई इलाकों में एक साथ तलाशी ली। अभियान का उद्देश्य प्रतिबंधित संगठन से जुड़े लोगों और उसके कथित नेटवर्क के बारे में अहम सबूत

जुटाना है। पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमों ने रविवार सुबह सोपोर के सादिक कॉलोनी, बोमई, गोरीपोरा, तरजू, शुटलू रोहामा और रफियाबाद के बेहरामपोरा समेत कई इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर के कुछ अन्य इलाकों में भी तलाशी जारी है। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने संदिग्ध परिसरों और संबंधित स्थानों की जांच की। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई पहले से चल रही जांच का हिस्सा है और इसका मकसद जमात-ए-इस्लामी से जुड़े कथित नेटवर्क और उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाना है। सोपोर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब ने भी तलाशी अभियान की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यूएपीए के तहत दर्ज मामले की जांच के सिलसिले में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से किसी गिरफ्तारी या बरामदगी को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों के मुताबिक, अभियान पूरा होने के बाद तलाशी के दौरान मिली सामग्री और अन्य कार्रवाई की जानकारी साझा की जा सकती है। फिलहाल सुरक्षा बलों की टीमें कई स्थानों पर जांच में जुटी हैं। पूरे अभियान के दौरान इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 25 मई में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जैश-ए-आई से जुड़े आतंकी वित्तपोषण की जांच के सिलसिले में कश्मीर घाटी में कई जगहों पर छापेमारी की थी। उस समय कई शिक्षण संस्थानों और प्रतिबंधित संगठन के एक पूर्व प्रमुख के आवास की तलाशी ली गई थी।

जम्मू के गंग्याल में डिप्टी सीएम के काफिले से टकराई गाड़ी, बिहार के युवक की गई जान

जम्मू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के बाहरी इलाके गंग्याल में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बिहार निवासी युवक की जान चली गई। बताया जा रहा है कि युवक को टक्कर मारने वाली गाड़ी जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी के काफिले का हिस्सा थी। मिली जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार की है जब काफिले की गाड़ी डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी को उनके गंतव्य पर छोड़कर वापस जम्मू लौट रही थी। उसी दौरान गंग्याल के पास सड़क पार कर रहा भरत नामक युवक गाड़ी की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद गाड़ी के चालक और मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

नाबालिगों और युवाओं का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, फोन से मिले 600 वीडियो

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की पुलिस ने एक 22 साल के युवक को नाबालिगों और युवाओं का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी 2022 से ही पीड़ितों को सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल और उनका शोषण कर रहा था। पुलिस अधीक्षक अश्विनी सानप ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से 600 से ज्यादा अश्लील वीडियो बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि डिवाइस में मिले वीडियो से पीड़ितों की पहचान करने के बाद पुलिस ने उनके बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नाबालिगों को पैसे का लालच देकर उनके खिलाफ अपराध कर रहा था। आरोपी ने अपनी पहचान 22 वर्षीय चेतन प्रकाश कोली के तौर पर बताई। वह रायसिंहपुरा का रहने वाला है। जब उसका मोबाइल फोन चेक किया गया तो उसमें कई अश्लील वीडियो और तस्वीरें मिलीं।

जयराम रमेश ने एनजीटी से ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट की रिव्यू रिपोर्ट सार्वजनिक करने को कहा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) से अपील की कि वह ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट के लिए दी गई पर्यावरण मंज़ूरी की समीक्षा करने वाली हाई-पावर्ड कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करे। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को पर्यावरण के लिहाज़ से विनाशकारी बताया। रमेश ने कहा कि 8 जुलाई, 2025 को सीलबंद लिफ़ाफ़े में एनजीटी को सौंपी गई रिपोर्ट को जारी किया जाना चाहिए और दावा किया कि इसमें गंभीर कमियां पाई जाएंगी। उनकी यह टिप्पणी लोकसभा में 'ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स बिल, 2026' पर चर्चा से पहले आई है। इस बिल का मकसद एनजीटी समेत 16 ट्रिब्यूनल के कामकाज में बड़े बदलाव करना है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि यह बिल मद्रास बार एसोसिएशन मामले में सुप्रीम कोर्ट के 19 नवंबर, 2025 के फ़ैसले में दिए गए निर्देशों को लागू करने की कोशिश करता है। कोर्ट ने 'ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021' के अहम प्रावधानों को रद्द कर दिया था और एक स्वतंत्र 'नेशनल ट्रिब्यूनल कमीशन' बनाने की बात कही थी। रमेश ने कहा कि वह 2021 के कानून के ख़िलाफ़ कानूनी चुनौती में शामिल हुए थे और तर्क दिया था कि ट्रिब्यूनल की आज़ादी खतरे में है।

उन्होंने 'फाइनेंस एक्ट, 2017' के प्रावधानों को चुनौती देने का भी ज़िक्र किया। उनका आरोप था कि 'मनी बिल' में संशोधन करके ट्रिब्यूनल को कमज़ोर किया गया था। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर आलोचना और अदालती फ़ैसलों को नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि एनजीटी को खास तौर पर निशाना बनाया गया क्योंकि उसकी आज़ादी सरकार के लिए सुविधाजनक नहीं थी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में 2021 के कानून का बचाव करने के बाद, सरकार अब ऐसे सुधार लाने के लिए मजबूर हो रही है

ट्रक से टकराई वोल्वो बस, अनियंत्रित होकर दोनों वाहन पुल से आ गिरे नीचे, 40 यात्री घायल, 10 की हालत गंभीर

अनंतपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। एक प्राइवेट वोल्वो बस ट्रक (आइशर) से टकरा गई। बस नियंत्रिण खोने के बाद पोगुरु पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में करीब 40 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के दौरान बस और ट्रक पुल से नीचे आ गिरे। दोनों वाहनों के परखच्छे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को इलाज के लिए पमिडी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए अनंतपुर सरकारी अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में बस चालक बुरी तरह फंस गया था। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस ने जेसीबी की मदद ली। काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि उसके पैर में गंभीर चोट आई है।

जिस एयरपोर्ट पर विमान हादसे में गई थी अजीत पवार की जान, वहां अब 100 करोड़ खर्च करेगी सरकार

बारामती, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर विमान हादसे में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत हो गई थी। उस हादसे के 6 महीने बाद महाराष्ट्र सरकार ने 100 करोड़ रुपये में एयरपोर्ट का नवीनीकरण करने की योजना बनाई है। सरकार के प्रस्ताव को 2 हफ्ते पहले महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी (एमएडीसी) ने मंजूरी दे दी थी, जो प्रदेश में छोटे एयरपोर्ट को मैनेज करने वाली सरकारी एजेंसी है।

इसके बाद पिछले अतिरिक्त मुख्य सचिव (विमानन) संजय सेठी ने भी इसे मंजूरी दे दी और अब राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की मंजूरी का इंतजार है। बता दें कि अजीत पवार और 4 अन्य लोगों की 28 जनवरी को उस समय मौत हो गई थी, जब मुंबई से उन्हें बारामती ले जा रहा चार्टर्ड विमान सुबह 8:45 बजे बारामती एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने लेयरजेट-45 विमान को उतारने का प्रयास किया था, लेकिन वह नाकाम रहा। यह एयरपोर्ट पवार परिवार ने 90 के दशक में बनवाया था।

उस समय के मुख्यमंत्री शरद पवार ने बारामती में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एयरपोर्ट बनवाया। शरद पवार ने बारामती को एक ग्रामीण पिछड़े इलाके से औद्योगिक और शैक्षिक केंद्र में बदला, लेकिन बारामती एयरपोर्ट की उपेक्षा होती रही। बारामती एयरपोर्ट की 1600 मीटर एवं 30 मीटर छोटी हवाई पट्टी का इस्तेमाल अब तक पवार परिवार, सरकारी अधिकारियों और व्यापारियों के द्वारा ही किया जाता था।

लेकिन एयरपोर्ट के चारों ओर बाड़ नहीं है तो जानवर और आवारा कुत्ते एयरपोर्ट में घुस आते हैं। यहां 2 प्राइवेट एयर ट्रेनिंग स्कूल हैं, जो पायलटों को इसी एयरपोर्ट पर प्रशिक्षण देते हैं। इस एयरपोर्ट पर कोई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) कर्मचारी नहीं हैं। ऐसे में एयर ट्रेनिंग के लिए स्कूलों स्टूडेंट्स ही एटीसी यूनिट में काम करते हैं।

मेरा भी अंतिम समय आएगा पर अभी मरने वाली नहीं , पूर्व सीएम उमा भारती का बड़ा बयान

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने मौत के संबंध में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा-सबका अंतिम समय आता है, मेरा भी आएगा पर मैं अभी मरने वाली नहीं। मीडिया में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के स्वास्थ्य में खराबी की अटकलें लगाई जा रहीं हैं। उन्होंने गंभीर बीमारी के तमाम कयासों को सिरे से खारिज कर दिया। हालांकि पूर्व सीएम उमा भारती ने उनकी समाधि बनाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जब भी मौत हो, लेकिन मेरी समाधि वृंदावन में ही बनेगी। पूर्व सीएम उमा भारती ने खराब स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया की रिपोर्ट का शनिवार को बाकायदा खंडन किया। उन्होंने कहा, दो दिन पहले मेरे दांत में दर्द हुआ, जिसके बाद वे वृंदावन के रामकृष्ण अस्पताल गई थीं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट में गंभीर बीमारी की खबरें फैलीं। उमा भारती ने स्पष्ट किया कि दांत का मामूली इलाज हुआ। इसके बाद मैं अस्पताल से लौट गई थी। उमा भारती श्रावण मास में वृंदावन में समय बिताने आईं हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन का अंतिम समय वृंदावन में ही बिताऊंगी एवं मेरी समाधि भी यहीं बनेगी। लेकिन फिलहाल वे स्वस्थ हैं।

बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती ने उनके स्वास्थ्य को लेकर परेशान मीडिया एवं शुभचिंतक के लिए अपने एक्स हेंडल पर दो घटनाओं का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि जब मैं 15 जून को हरिद्वार से दिल्ली आ रही थी तो प्रचंड गर्मी थी। गाड़ी में एसी होते हुए भी मैं खिड़की खुली रखती हूं जिससे तेज गर्मी से कमजोरी लगने लगी। तब मैंने एक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रूकवाई और पीछे चल रही एंबुलेंस से चिकित्सक दल को बुलाया। बीपी बहुत कम मिला तब उन्होंने पास से कॉफी बनवाकर पिलवाई एवं जिला प्रशासन को खबर भी कर दी। बीपी ठीक होते ही आधे घंटे बाद मैं दिल्ली के लिए रवाना हो गई थी। वृंदावन की घटना का भी उमा भारती ने उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मैं 18 जून से श्री वृंदावन धाम में हूं।

पानीपत जंक्शन पर टला बड़ा हादसा, चंडीगढ़-दिल्ली ट्रेन के इंजन में शॉर्ट सर्किट से निकला धुआं; 1.5 घंटे खड़ी रही ट्रेन

पानीपत, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चंडीगढ़ से दिल्ली की ओर नई कोच लेकर जा रही ट्रेन के इंजन में रविवार सुबह 8 बजे अचानक शार्ट सर्किट होने से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलता देख लोको पायलट ने तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और इंजन की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इंजन में सर्किट के कारण धुआं निकला था। स्थिति गंभीर नहीं होने की पुष्टि के बाद रेलवे अधिकारियों और यात्रियों ने राहत की सांस ली। रेलवे की तकनीकी टीम ने इंजन की जांच की तो इंजन में तकनीकी खराबी होने से फेल हो गया। इंजन में खराबी आने के कारण नई कोच लेकर जा रही ट्रेन करीब डेढ़ घंटे से जंक्शन के प्लेटफार्म एक पर खड़ी रही। ट्रेन के खड़े रहने से जंक्शन पर रेल परिचालन प्रभावित हुआ। इस दौरान दूसरी ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर दो और तीन पर लिया गया, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो और ट्रेनों का संचालन जारी रखा जा सके। स्टेशन अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया तकनीकी खराबी होने से दिक्कत आई है, दूसरा इंजन आ रहा है उसके बाद गाड़ी को रवाना किया जाएगा।

राहुल गांधी को नहीं मिला जेन जी का साथ

छात्रों की गूंज पर शशि थरूर के बयान का बीजेपी ने लिया फायदा, राम कदम का तंज

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर भाजपा नेताओं ने निशाना साधा है। मुंबई में भाजपा नेता राम कदम ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि थरूर कांग्रेस के विद्वान और अनुभवी नेता हैं और अगर वह राहुल गांधी के प्रयासों पर सवाल उठा रहे हैं, तो इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि शशि थरूर को अक्सर एक विद्वान नेता के रूप में देखा जाता है और उनकी बुद्धिमत्ता पर कोई सवाल नहीं है। अगर थरूर यह मानते हैं कि राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर दिखावा करने की कोशिश की, लेकिन वास्तविक समस्याओं तक नहीं पहुंच पाए, तो यह कांग्रेस के भीतर भी चर्चा का विषय होना चाहिए। राम कदम ने कहा कि किसी भी वास्तविक मुद्दे को उठाने के लिए पारदर्शिता और सच्चाई जरूरी है। जनता यह आसानी से समझ लेती है कि कौन दिल से मुद्दा उठा रहा है और कौन केवल राजनीतिक दिखावा कर रहा है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा था कि राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध-प्रदर्शन जितना 'जेन जी' का समर्थन नहीं मिला। उनके इस बयान पर विवाद शुरू हो गया तो उन्होंने सफाई दी।

शशि थरूर ने अफसोस जताया कि मीडिया इसे मेरी अपनी पार्टी या उसके नेतृत्व पर हमले के तौर पर पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद यह बताना था कि राजनीतिक पार्टियों को अपने दरवाजे खोलने चाहिए और अगली पीढ़ी के लिए राजनीति को आकार देने की शक्ति हासिल करने के रास्ते बनाने चाहिए। महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम में कहा था कि सभी विपक्षी पार्टियों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि उन्होंने उन लोगों के लिए अपनी पार्टियों में आने का रास्ता नहीं बनाया जो पिछले महीने जंतर-मंतर पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र में दूध महंगा 2 रुपये प्रति लीटर बढ़े दाम

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गाय और भैंस दोनों के दूध की कीमत 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी गई है। नई कीमतें 11 अगस्त 2026 से लागू होंगी। यह फैसला दुग्ध उत्पादक और प्रसंस्करण कल्याण संघ की ओर से लिया गया है। दुग्ध उत्पादक और प्रसंस्करण कल्याण संघ के अनुसार, पिछले कुछ समय में डीजल के दाम 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं, जिससे दूध के परिवहन का खर्च काफी बढ़ गया है। इसके अलावा, पैकेजिंग के खर्च में भी करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही किसानों से खरीदा जाने वाला दूध भी महंगा हो गया है। इसको देखते हुए दूध की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा, दही-पनी जैस डेयर उत्पादों के दाम 10 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

इससे फैसले के बाद अब राज्य में गाय के दूध की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 62 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, भैंस के दूध की कीमत 76 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 78 रुपये प्रति लीटर हो गई है। रक्षा बंधन और अन्य त्योहारों से पहले दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का आम परिवारों पर सीधा असर पड़ेगा। संघ का कहना है कि अगर वह यह फैसला नहीं लेता तो डेयरी उद्योग और दुग्ध उत्पादकों को काफी नुकसान झेलना पड़ता। इसी नुकसान की भरपाई के लिए यह फैसला लिया गया है।

सुविचार: अगर जीवन में सुखी रहना चाहते हो तो कम बोलो, सुनो ज्यादा।

'आदिवासियों के अनमोल योगदान का सम्मान करें'

तेलंगाना के गवर्नर और मुख्यमंत्री ने आदिवासी लोगों को उनके दिवस पर बधाई दी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर आदिवासियों को बधाई दी। गवर्नर ने सभी आदिवासी भाई-बहनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और सदियों पुरानी समझ हमारी विरासत का अनमोल खजाना है। उन्होंने कहा, पीढ़ियों से वे जंगलों, पानी, जैव विविधता और प्रकृति के संरक्षक रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी धरती को बचाए हुए हैं। उन्होंने सभी से उनके अधिकारों, सम्मान, पहचान और जीवन शैली का सम्मान करने और साथ ही समान अवसर और समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आइए हम उनके अनमोल योगदान का सम्मान करें और उनकी विरासत को बचाने तथा सभी के लिए एक टिकाऊ

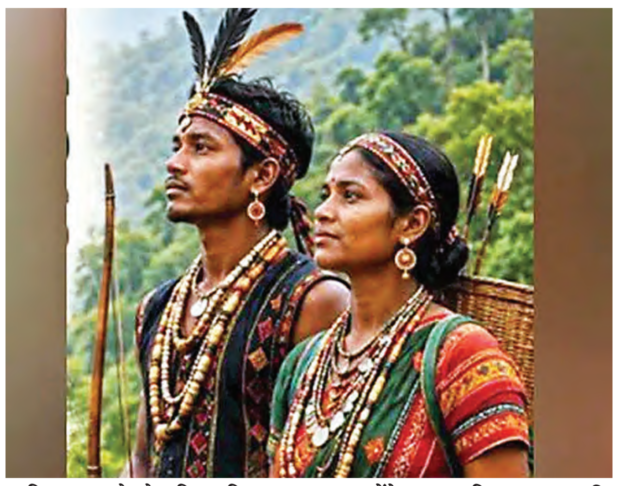

भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करें।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे प्रकृति को ईश्वर और जंगल को अपनी माँ मानते हैं तथा पीढ़ियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, विश्व सभ्यता की जड़, प्रकृति से अटूट रूप से जुड़ी जीवन शैली - यही आदिवासी लोगों की संस्कृति है। आदिवासी समुदायों का ज्ञान, संस्कृति, परंपराएं, सामूहिक जीवन शैली और सांस्कृतिक संरक्षण - जिन्होंने पीढ़ियों से प्रकृति के संरक्षण को अपने अस्तित्व का आधार बनाया है - पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश का काम करते हैं। आइए हम सब मिलकर उनके अधिकारों, उनके अस्तित्व और उनकी संस्कृति का सम्मान करें तथा उनके कल्याण, विकास और आत्म-सम्मान को सुनिश्चित करें।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने कहा कि आदिवासी लोग, जो विविध संस्कृतियों और परंपराओं के प्रतीक हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, आदिवासी — जो जंगलों, पेड़ों, बांबियों और जानवरों से प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं — वे कुमराम भीम के साहस की मिसाल हैं। कुमराम भीम वही योद्धा थे जिन्होंने 'जल, जंगल, ज़मीन' का नारा बुलंद किया था।

पूर्व मंत्री ने बताया कि अनुसूचित जनजातियों (एसटी) की तरक्की के लिए केसीआर सरकार ने विधानसभा में एसटी आरक्षण को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव पास किया और फिर इसके आदेश जारी किए। सरकार ने आदिवासी बस्तियों और रिहायशी इलाकों को ग्राम पंचायतों का दर्जा दिया।

उन्होंने 'X' पर पोस्ट किया, बीआरएस सरकार ने हैदराबाद के बंजारा हिल्स के बीचों-बीच आदिवासियों के आत्म-सम्मान के प्रतीक के तौर पर 'कुमराम भीम आदिवासी भवन' बनवाया। आसिफाबाद जिले का नाम कुमराम भीम के नाम पर रखने के अलावा, सरकार ने जोडेघाट में एक सुंदर स्मारक पार्क भी बनाया।

उन्होंने आगे कहा, बस्तियों और रिहायशी इलाकों में साफ़ पीने का पानी पहुंचाना, एसटी गुरुकुलों और कॉलेजों की संख्या बढ़ाना, अंबेडकर ओवरसीज स्कॉलरशिप देना और सीएमएसटीईआई योजना के तहत आदिवासी बच्चों को उद्योगपति बनने के लिए ट्रेनिंग देना -केसीआर के कार्यकाल में ऐसे कई कार्यक्रम चलाए गए।

धोखेबाज़ों ने 19 महीनों में बुज़ुर्गों से 102 करोड़ ठगे : सीपी वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने बुज़ुर्गों से अलग-अलग तरह के साइबर स्कैम से सावधान रहने की अपील की और कहा कि साइबर क्रिमिनल्स ने राज्य में पिछले 19 महीनों में सीनियर सिटिज़न्स से 102 करोड़ ठगे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर क्रिमिनल्स उनके डर और भोलेपन का फ़ायदा उठाकर उनकी ज़िंदगी भर की बचत चुरा लेते हैं।

उन्होंने साफ़ किया कि ऐसा कोई कानूनी प्रोविज़न नहीं है। देश में डिजिटल अरेस्ट के लिए और कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी या रेगुलेटरी बॉडी फ़ोन या वीडियो कॉल पर धमकी देकर पैसे नहीं मांगेगी। उन्होंने वाटशप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर चलने वाले आकर्षक पार्ट-टाइम जॉब ऑफ़र या ज़्यादा रिटर्न का वादा करने वाली ऑनलाइन ट्रेडिंग स्कीम पर भरोसा न करने की सलाह दी। उन्होंने इन्वेस्ट करने से पहले यह वेरिफ़ाई करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया कि कोई इन्वेस्टमेंट प्लेटफ़ॉर्म सेबी के साथ रजिस्टर्ड है या नहीं और प्रॉफ़िट निकालने के लिए एक्स्ट्रा टैक्स या फ़ीस देने के ख़िलाफ़ चेतावनी दी।

उन्होंने लोगों को यह भी सलाह दी कि वे किसी के साथ बैंक डिटेल्स, ओटीपी, आधार नंबर या पैन नंबर शेयर न करें। यह जानकर खुशी हुई कि बुज़ुर्गों में साइबर क्राइम के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। वे फ्रॉड का शिकार होने से बचने के लिए बैंकर्स से अपने बैंक ट्रांज़ैक्शन पर लिमिट लगाने के लिए एक्टिवली कह रहे हैं। हाल ही में, एक रिटायर्ड राज्य

डीजीपी ने बैंकर्स से उनके चेक से कैश निकालने की लिमिट ज़्यादा से ज़्यादा 5,000 तक रखने की रिक्वेस्ट की। यह एक तारीफ़ के काबिल कदम है। साइबर क्राइम को लेकर सभी को इसी तरह सावधान रहने की ज़रूरत है। अगर सीनियर सिटिज़न अचानक बड़ी रकम कैश निकालने की कोशिश करते हैं तो बैंक कर्मचारियों को तुरंत अलर्ट हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें इतने बड़े ट्रांज़ैक्शन का कारण पूछना चाहिए और तुरंत कस्टमर के बच्चों या परिवार वालों को बताना चाहिए। अगर कोई शक हो कि यह साइबर क्रिमिनल्स की चाल हो सकती है, तो ट्रांज़ैक्शन तुरंत रोक देना चाहिए। बैंक स्टाफ़ की इस तरह की सूझबूझ और सावधानी से बुज़ुर्गों को साइबर क्राइम गैंग का शिकार होने से बचाया जा सकता है।

उन्होंने सलाह दी कि अगर किसी को धमकी या शक वाले कॉल आते हैं, तो उन्हें घबराना नहीं चाहिए, बल्कि तुरंत नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए या www.cyber-crime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि फ्रॉड होने के तुरंत बाद 'गोल्डन आवर' के दौरान शिकायत दर्ज करने से सुरक्षा काफ़ी बढ़ जाती है।

पूर्व विधायक गोरला सिद्दैया का निधन

सिद्दिपेट, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चेरियाल के पूर्व विधायक गोरला सिद्दैया (95) का रविवार को हैदराबाद स्थित उनके घर पर उम्र से जुड़ी बीमारी के कारण निधन हो गया। सिद्दैया का जन्म और पालन-पोषण धूलमिट्टा मंडल के बैरनपल्ली में हुआ था। यह गांव तेलंगाना सशस्त्र विद्रोह के दौरान रज़ाकारों का मुकाबला करने के लिए जाना जाता था, जिसमें लगभग 100 ग्रामीण मारे गए थे। सिद्दैया ने 1978 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और निम्मा राजी रेड्डी को 7,056 वोटों के अंतर से हराया। सिद्दैया को 18,547 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी राजी रेड्डी को 11,491 वोट मिले।

1983 के विधानसभा चुनावों में, सिद्दैया राजी रेड्डी से 7,819 वोटों से हार गए। सिद्दैया की पत्नी शांथम्मा का तीन साल पहले निधन हो गया था। तब से, वह अपने बेटे भास्कर के साथ रह रहे थे, जो हैदराबाद में वकील के तौर पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। सिद्दैया 17 साल के थे जब 27 अगस्त 1948 को निज़ाम की निजी सेना, रज़ाकारों ने गांव पर हमला किया था।

सिद्दैया का अंतिम संस्कार

हैदराबाद में किया जाएगा। चेरियाल निर्वाचन क्षेत्र को 2009 में खत्म कर दिया गया था और पड़ोसी जनगांव निर्वाचन क्षेत्र में मिला दिया गया था। निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी कोम्मूरी प्रताप रेड्डी सहित कई कांग्रेस नेताओं ने सिद्दैया को श्रद्धांजलि दी।

ज़िंदगी की जंग हार गयी डॉ. कनिके प्रियंका

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजमुंदरी में मास्टर्स (एमडी) कर रहीं 28 साल की डॉक्टर कनिके प्रियंका, जो एक दिल दहला देने वाली घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं - एक ऐसी घटना जिसने दोनों तेलुगु राज्यों में हलचल मचा दी थी - ने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। डॉ. प्रियंका का दुखद निधन ज़िंदगी के लिए एक हफ़्ते तक चली लड़ाई का दिल तोड़ने वाला अंत है, जिससे उनका परिवार, दोस्त और मेडिकल जगत शोक और नुकसान की भावना से भर गया है। उन्होंने रविवार को दोपहर करीब 3.25 बजे सिकंदराबाद के किम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। राजमुंदरी में नशे में धुत युवकों द्वारा चलाई जा रही कार की ज़बरदस्त टक्कर लगने के लगभग एक हफ़्ते बाद उनकी मौत हुई। जोगुलंबा गडवाल ज़िले के आइज़ा मंडल के एकलासपुरम की रहने वाली डॉ. प्रियंका, राजमुंदरी के जीएसएल मेडिकल कॉलेज में एमडी (डर्मेटोलॉजी) के दूसरे साल की पढ़ाई कर रही थीं।

देवी के आशीर्वाद से तेलंगाना समृद्ध होः मंत्री सीताक्का

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की मंत्री सीताक्का ने रविवार को बोनालू त्योहार के मौके पर अंबरपेट महांकाली मंदिर का दौरा किया। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए और विशेष पूजा की। मंदिर प्रशासन और भक्तों ने मंत्री के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया।

इस मौके पर उन्होंने उम्मीद जताई कि देवी के आशीर्वाद से तेलंगाना राज्य समृद्ध और शांतिपूर्ण बना रहेगा। मंत्री सीताक्का ने कहा कि उन्होंने देवी से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सभी क्षेत्रों में विकास करे और लोग खुशी-खुशी और सुरक्षित रूप से रहें। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग बोनालू त्योहार को भक्ति, उत्साह और खुशी के साथ मनाएंगे।

मंत्री सीताक्का के साथ, राज्य सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव और एमएलसी बालमुरी वेंकट ने भी अंबरपेट महांकाली मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा की।

बाढ़ का पानी कम होने पर जुराला बांध के गेट बंद किए गए

जोगुलम्बा गडवाल, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों में बड़ी मात्रा में पानी आगे छोड़ने के बाद, बाढ़ का पानी कम होने पर रविवार को जुराला प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बांध के गेट बंद कर दिए। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में बारिश कम होने के कारण अल्मट्टी और नारायणपुर बांधों से पानी का बहाव कम हो गया है।

अभी जुराला में पानी का बहाव 80,000 क्यूसेक है, जबकि 39,608 क्यूसेक पानी आगे छोड़ा जा रहा है। आगे छोड़े जा रहे पानी से सभी छह यूनिट में बिजली का उत्पादन जारी है। प्रोजेक्ट अधिकारियों ने घोषणा की है कि पानी का बहाव कम होने के कारण किसानों को पानी नहीं छोड़ा जाएगा। यह प्रोजेक्ट अपनी बाईं और दाईं नहरों के माध्यम से लगभग 1.03 लाख एकड़ ज़मीन को पानी देता है। अधिकारियों का यह भी कहना है कि अगर खेती के कामों के लिए पानी छोड़ा गया, तो इससे अगले सीज़न में पीने के पानी की सप्लाई पर असर पड़ेगा। प्रोजेक्ट में पानी का अधिकतम स्तर 318.51 मीटर है, जबकि अभी का स्तर 317.51 मीटर है। प्रोजेक्ट की कुल भंडारण क्षमता 9.65 टीएमसी है और अभी इसमें 7.66 टीएमसी पानी है।

बाढ़ का पानी कम होने पर अधिकारियों ने गेट बंद कर दिए, लेकिन बिजली का उत्पादन जारी है। जुराला से पानी छोड़ने में कमी आने से श्रीशैलम प्रोजेक्ट में भी पानी का बहाव कम होने की उम्मीद है।

हम पुलिस डिपार्टमेंट में सुधार ला रहे हैं : डीजीपी सीवी आनंद

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के डीजीपी सीवी आनंद ने रविवार को कहा कि पुलिस डिपार्टमेंट में बड़े सुधार लाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में माओवाद और नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो गया है, लेकिन कर्रेगुट्टा पहाड़ियों जैसे इलाकों में कुछ माओवादियों की मौजूदगी पर भी ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि कोर कैडर ने सरेंडर कर दिया है और भरोसा दिलाया कि जिन लोगों ने सरेंडर किया है, उनके रिहैबिलिटेशन के लिए कदम उठाए जाएंगे।

डीजीपी ने वारंगल जिले का दौरा किया और कई प्रोग्राम में हिस्सा लिया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए, डीजीपी ने ऐलान किया कि वह सोमवार को मुलुगु में सरेंडर करने वाले माओवादियों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि माओवादियों के परिवारों को सपोर्ट करने की कोशिश की जा रही है। यह याद करते हुए कि उनके करियर की शुरुआत वारंगल से हुई थी, उन्होंने

कहा कि आज के हालात पहले से बहुत अलग हैं। उन्होंने बंदूकधारियों की संख्या कम करने के मुद्दे पर हो रहे राजनीतिकरण पर बात की और बताया कि माओवादी खतरे में कमी के कारण दूसरे राज्यों की तरह ही राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कम कर दी गई है।

डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा समिति की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा कवर पूरी तरह से वापस लेने के बजाय कम किया गया है। उन्होंने राज्य के सामने अभी सबसे बड़ी चुनौती के तौर पर ड्रग्स के गलत इस्तेमाल की पहचान की और घोषणा की कि इससे निपटने के लिए नई रणनीतियां लागू की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात के हिसाब से पुलिस विंग में बदलाव किए जा रहे हैं, जिसमें ग्रेहाउंड्स और कुछ दूसरे डिवीजनों को फिर से बनाना शामिल है। यह घोषणा की गई कि पूरे डिपार्टमेंट में सुधार किया जा रहा है।

तीन तरह के कैंसर की कभी भी बायोप्सी नहीं करानी चाहिए

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हालांकि कैंसर की जांच के लिए टिश्यू बायोप्सी को सबसे अच्छा तरीका माना जाता है, लेकिन मेडिकल एक्सपर्ट्स चेतावनी देते हैं कि कुछ ट्यूमर में सुई चुभाने से अनजाने में कैंसर की कोशिकाएं फैल सकती हैं, जिससे एक जगह सीमित कैंसर एडवांस्ड स्टेज (गंभीर अवस्था) में बदल सकता है।

जाने-माने हेल्थ कम्युनिकेटर और इंटरनल मेडिसिन स्पेशलिस्ट, डॉ. प्रियम बोरदोलोई ने हाल ही में सोशल मीडिया पर तीन तरह के कैंसर के बारे में बताया जिनकी पुष्टि कभी भी बायोप्सी से नहीं की जानी चाहिए।

बायोप्सी लगभग सभी तरह के कैंसर की पुष्टि करने का पारंपरिक तरीका है। बायोप्सी में, कैंसर वाले हिस्से का एक छोटा टुकड़ा लिया जाता है और फिर लैब में कैंसर कोशिकाओं की जांच की जाती है। लेकिन, डॉ. प्रियम के अनुसार, कुछ दुर्लभ मामलों में, ट्यूमर में सुई चुभाना सबसे बुरा कदम हो सकता है, क्योंकि इससे कैंसर फट सकता है और शरीर के बाकी हिस्सों में फैल सकता है।

डॉ. प्रियम ने बताया कि टेस्टिकुलर कैंसर की बायोप्सी नहीं करानी चाहिए। ऐसे कैंसर में सुई चुभाने के जोखिम पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, सुई शरीर के तरल पदार्थ (फ्लूइड) के बहाव के तरीके को बदल देती है। एक जगह सीमित रहने के बजाय, कैंसर कोशिकाएं जांघ के पास के नए लिम्फ नोड्स में जा सकती हैं। इसलिए, शुरू में ही सर्जरी करके पूरा अंडकोष निकाल देना चाहिए।

डॉ. प्रियम ने कहा कि दूसरा ट्यूमर जिसकी कभी भी बायोप्सी नहीं करानी चाहिए, वह है विल्म्स ट्यूमर (बच्चों में किडनी का कैंसर)। इस ट्यूमर की बाहरी परत बहुत नाज़ुक होती है। इसमें सुई चुभाने से इसके पानी के गुब्बारे की तरह फटने का खतरा रहता है, जिससे कैंसर कोशिकाएं पेट के अंदर फैल सकती हैं। इससे शुरुआती और ठीक होने योग्य ट्यूमर एक गंभीर ट्यूमर में बदल जाता है, जिसके लिए भारी रेडिएशन की ज़रूरत पड़ती है।

ओवेरियन कैंसर की भी कभी बायोप्सी नहीं करानी चाहिए। डॉ. प्रियम ने कहा, अगर ओवरी में किसी संदिग्ध सिस्ट (गांठ) में सुई चुभाई जाती है, तो वह फट सकती है और कैंसर वाला तरल पदार्थ पेट के अंदर फैल सकता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 17000096M, NK, Atkari Prashant Vijay, R/o, Dist: Pune, Maharashtra changed my Father's name from Atkari Vijay Mugut to Vijay Mugut Atkari, vide Affidavit No. 995043 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672488L, NK, Bazle Ahmad, R/o, Dist: Birbhum, West Bengal, changed my Mother's name from Soifvra Bibi to Saifura Bibi, vide Affidavit No. 985045 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Soumya, W/o, No. 14684182P, CFN, Sarath Mohan KM, R/o, Dist: Alappuzha, Kerala, changed my name from Soumya to Soumya Madhusoodanan, vide Affidavit dt. 07.08.2026, before First Class Judicial Magistrate at Chengannur, Kerala.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लापता महिला की हत्या

सथुपल्ली में जले हुए अवशेष मिले

खम्मम, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के सथुपल्ली मंडल में एक लापता बुज़ुर्ग महिला जली हुई हालत में मिली। सूत्रों के अनुसार, तुम्मुरु गाँव की रहने वाली मृतक वेदुल्ला वेंकटा नरसम्मा (60) तीन दिन पहले लापता हो गई थी। परिवार द्वारा सथुपल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद, पुलिस ने लापता व्यक्ति का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

जांच के दौरान, पुलिस को महिला के दामाद गुंडाला तिरुपति राव पर शक हुआ; उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई। उसने कथित तौर पर नरसम्मा की हत्या करने की बात कबूल कर ली। उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, पुलिस ने 'क्लूज़ टीम' के साथ मिलकर नारायणपुरम गाँव के बाहरी इलाके में उसके शव की तलाश की।

शनिवार को उन्हें गाँव के बाहरी इलाके में एक डंपिंग साइट पर शव के जलने के निशान मिले। चूँकि शव पूरी तरह से जल चुका था, इसलिए उन्होंने राख से हड्डियों के टुकड़े इकट्ठा किए।

केटीआर ने ओल्ड सिटी के मंदिरों में पूजा-अर्चना की

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ हैदराबाद की ओल्ड सिटी का दौरा किया। बोनालू त्योहार के मौके पर, उन्होंने कई मंदिरों का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। उन्होंने नामपल्ली में श्री एडु गुल्ला पोचम्मा मंदिर जाकर पूजा की। इसी तरह, उन्होंने चारमीनार देवी मंदिर का दौरा किया और विशेष अनुष्ठान किए। उन्होंने लाल दरवाजा सिम्हावाहिनी महाकाली मंदिर के भी दर्शन किए और अपनी मन्नतें पूरी कीं। इससे पहले, पारंपरिक बोनालू भेंट और डप्पू ड्रम की थाप के साथ केटीआर का स्वागत किया गया।

इस मौके पर केटीआर ने तेलंगाना के लोगों को बोनालू त्योहार की बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि देवी का आशीर्वाद सभी पर बना रहेगा और हैदराबाद में कारोबार फले-फूलेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने देवी की कृपा से अच्छी बारिश और सभी किसानों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने ओल्ड सिटी में बंगारू मैसम्मा मंदिर, चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर और नामपल्ली में श्री एडु गुल्ला पोचम्मा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की।

केसीआर ने नल्लाबेली का दौरा कर स्वर्गीय सुदर्शन रेड्डी के परिवार को 2.25 करोड की मदद दी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के प्रेसिडेंट और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव रविवार को वारंगल ज़िले के नल्लाबेली में दिवंगत पूर्व एमएलए पेड्डी सुदर्शन रेड्डी के 'दशदीना कर्म' (दसवें दिन का रिवाज) में शामिल हुए।

मृतक नेता की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर, बीआरएस चीफ ने दुखी परिवार वालों को हिम्मत दी और उन्हें अपनी पर्सनल और पार्टी की तरफ से सपोर्ट का भरोसा दिलाया।

इस दौरे के दौरान केसीआर ने परिवार को 2.25 करोड़ का फाइनेंशियल मदद का चेक दिया। इसमें से, सुदर्शन रेड्डी के दोनों बच्चों को 1-1 करोड़ दिए गए, जबकि 25 लाख दिवंगत नेता की मां अमृतम्मा की भलाई के लिए बनाए गए बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए अलग रखे गए। अपना वादा दोहराते हुए, केसीआर ने कहा कि पार्टी बच्चों की पढ़ाई पर करीब से नज़र रखेगी।

बैठक

स्व. श्रीमती जमनीबाई भायल
धर्मपत्नी: श्री ताराराmजी भायल (मरुधर में धनला)
स्वर्गवास: 22 जुलाई 2026
बैठक, आज सोमवार दि.10 अगस्त 2026, प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक श्री आईमाताजी बडेर, जीडिमेटला पर होगी
: शोकाकुल : ताराराम (पति),
कालुराम-लीलादेवी, ओखाराम-विमलादेवी (पुत्र-पुत्रवधु),
भंवरीदेवी-गणेशरामजी (पुत्री-जंवाई), प्रवीण, यश, कियांश, नचिकेत (पौत्र),
रिंकु, लक्षा, चित्रा, कीर्ति, दिप्ती, प्रज्ञा, वेंदाशी (पौत्रीयां),
डिम्पल, मीनाक्षी, दीपाली (दोहितियां) एवं समस्त भायल परिवार
चारभुजा ट्रेडर्स * जमनी डोर्स * जय डेकोर
आईडीए, बोलारम, हैदराबाद
9247261051, 9849044688, 8121830112
P.Solankey

गंडक उफान पर, गोपालगंज के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा; लोग घरों में कैद

गोपालगंज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब बिहार के गोपालगंज जिले में साफ दिखाई दे रहा है। गंडक नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से नदी उफान पर है। तटीय और निचले इलाकों में तेजी से पानी फैलने के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। दर्जनों गांव जलमग्न हो चुके हैं, जिससे दियारा क्षेत्र का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। गंडक के बढ़ते जलस्तर से सबसे अधिक प्रभावित सदर और मांझा प्रखंड हैं। सदर प्रखंड के रामनगर, मेहंदिया, जगिरी टोला, खाप मकसूदपुर, कमल चौधरी टोला, रामपुर टेंगराही और राजवाही गांव चारों ओर से पानी से घिर गए हैं।

वहीं, मांझा प्रखंड के नेमुईया गांव में भी बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है। बाढ़ का असर सरकारी बुनियादी ढांचे पर भी पड़ा है। आधा दर्जन से अधिक गांवों के प्राथमिक विद्यालय, प्लस-टू स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र जलमग्न हो गए हैं। कई स्थानों पर सड़कें डूब जाने से करीब दो दर्जन गांवों का प्रखंड और जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है।

मायावती का मोहन भागवत को जवाब

आरक्षण में छेड़छाड़ के मुद्दे पर राजनीति बंद करनी चाहिए

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। बसपा चीफ मायावती ने कहा कि देश के बहुजन समाज, खासकर एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक मुक्ति और आत्म-सम्मान से जुड़ा बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि सदियों से जातिगत भेदभाव, शोषण और अत्याचार का सामना करने वाले एससी और एसटी समाज के लिए आरक्षण बेहद जरूरी है।

उन्होंने आरक्षण में क्रीमी लेयर की बात को अनुचित बताते हुए कहा कि यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी संविधान के पवित्र उद्देश्यों के भी खिलाफ है। बसपा प्रमुख ने आरएसएस से भी अपील की कि वह बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान का पूरा सम्मान करे। उन्होंने कहा कि आरएसएस को आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति बंद करनी चाहिए और आरक्षण में किसी भी तरह की छेड़छाड़ की वकालत से भी बचना चाहिए। मायावती ने कहा कि देश में समतामूलक समाज व्यवस्था की स्थापना संविधान का दायित्व और उद्देश्य है।

उन्होंने आरएसएस से इस संवैधानिक उद्देश्य की पूर्ति में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यही वक्त की जरूरत और समय की मांग है। मायावती ने आरएसएस प्रमुख के उस बयान पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरक्षण का राजनीतिकरण किया गया है, जिससे समाज में कड़वाहट पैदा हुई है और आरक्षण के लाभार्थियों को स्वेच्छा से इसका लाभ छोड़ देना चाहिए। मायावती ने इसे जातिवादी सोच करार देते हुए कहा कि इससे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति तो हो सकती है, लेकिन संवैधानिक उद्देश्यों की अवहेलना होती है।

उन्होंने कहा कि आरक्षण सदियों से जातिवादी व्यवस्था के शिकार करोड़ों शोषित, पीड़ित, उपेक्षित और तिरस्कृत लोगों को समानता और समता का संवैधानिक अधिकार देने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आरक्षण को केवल आर्थिक उन्नति के नजरिए से नहीं देखा जा सकता, क्योंकि जातिवाद का दंश जीवन के हर स्तर पर लोगों को प्रभावित करता है और यह स्थिति आज भी जारी है। मायावती ने कहा कि केंद्र में रही सभी सरकारें देश की जमीनी सामाजिक वास्तविकता से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि अगर वर्तमान केंद्र सरकार उचित तर्कों के साथ प्रभावी और समुचित कानूनी पैरवी करके एससी और एसटी समाज को क्रीमी लेयर के दायरे से बाहर रखने के पक्ष में अदालत को संतुष्ट कर पाती है, तो यह पूरी तरह उचित और संवैधानिक कदम होगा।

उन्होंने सरकारों के कानूनी रवैये पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अक्सर सरकारों की लचर पैरवी और अच्छे कानूनी प्रयासों के अभाव में अदालतें सामाजिक परिवर्तन जैसे मामलों में अपेक्षित न्याय नहीं कर पाती हैं।

मशीन में कार्ड फंसाकर खाते से निकाल लेते थे रुपये मुजफ्फरपुर में एटीएम फ्रॉड गिरोह का मास्टरमाइंड अरेस्ट

मुजफ्फरपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एटीएम से मदद के बहाने ग्राहकों को ठगी का शिकार बनाने वाले अंतर जिला गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। अहियापुर थाना पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड सन्नी बाबा उर्फ ऋषव को गिरफ्तार किया है। उसके पास से अलग-अलग बैंकों के 74 एटीएम कार्ड और पांच ब्लैक कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, ब्लैक कार्ड का इस्तेमाल क्लोन कार्ड तैयार करने में किया जाता था। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से औराई थाना क्षेत्र के बसुआ गांव का रहने वाला है और अहियापुर इलाके में रहकर एटीएम फ्रॉड की वारदातों को अंजाम दे रहा था।

पुलिस का दावा है कि इस गिरोह में करीब 10 से 15 शातिर युवक शामिल हैं। गिरोह ने मुजफ्फरपुर समेत आसपास के जिलों में 100 से अधिक ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है। विभिन्न थानों में गिरोह के खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज होने की बात सामने आई है।

बीएसपी नेता शशिकांत तिवारी पर जानलेवा हमला नकाबपोश बदमाशों ने कार में की तोड़फोड़

अमेठी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी में बहुजन समाज पार्टी नेता शशिकांत तिवारी पर जानलेवा हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने उन पर हमला किया, इस दौरान उनकी कार में जमकर तोड़फोड़ की।इस दौरान नेता कार में ही मौजूद थे।

इस हमले में वो बाल-बाल बच गए।घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक बदमाशों ने लाठी-डंडे और पत्थर से शशिकांत तिवारी की कार पर हमला किया। बीएसपी नेता ने गौरीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। बीएसपी नेता ने शशिकांत तिवारी ने विधायक राकेश प्रताप सिंह पर हमला कराने का आरोप लगाया है। राकेश प्रताप सिंह गौरीगंज से विधायक हैं। गौरीगंज थाने में दी तहरीर में बीएसपी नेता शशिकांत तिवारी ने कहा है कि गौरीगंज थाना क्षेत्र के जामो मोड़ पर 3 अज्ञात युवक मोटरसाइकिल से आए और उन पर जानलेवा हमला किया और उनके वाहन में तोड़फोड़ की। शशिकांत तिवारी ने बताया कि जब उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली तो हमलावर मौके से फरार हो गए। देर रात ही शशिकांत तिवारी ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

बीएसपी नेता जनपद अमेठी के गौरीगंज कस्बे के वाड नंबर 22 के रहने वाले हैं। शशिकांत का आरोप है कि गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने पिछले दिनों ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिसका उन्होंने सोशल मीडिया पर विधायक को जवाब दिया था। उन्होंने फेसबुक लाइव पर ब्राह्मणों के अपमान करने की बात कही थी।

पुलिस एनकाउंटर में 50 हजार का इनामी ढेर, बच्ची से दुष्कर्म के बाद की थी हत्या

बुलंदशहर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। गुलावठी थाना पुलिस की बुलंदशहर-हापुड़ मार्ग पर छपरावत के पास बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इसमें बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या करने वाला 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश पुलिस की गोली लगने से ढेर हो गया, जबकि इसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। मारे गए बदमाश के पास से बाइक, पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। मारे गए बदमाश के खिलाफ चार जनपदों में सात अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गुलावठी थाना पुलिस और स्वाट टीम छपरावत गांव के पास चेकिंग कर रही थी। तभी एक बाइक आती दिखाई दी, जिस पर दो लोग सवार थे। पुलिस ने चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया तो बाइक सवारों ने पुलिस टीमों पर फायरिंग कर दी। बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में स्वाट टीम में शामिल दारोगा

'जब बोलने नहीं देते तो बुलाते क्यों हो?'

आगरा में मंच पर मौका नहीं मिलने पर भड़के बीजेपी विधायक छोटेलाल वर्मा

आगरा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के मीठपुरा गांव में भाजपा की ओर से आयोजित रविदास जयंती कार्यक्रम में तनाव का माहौल बन गया। दरअसल मंच से बोलने का मौका नहीं मिलने पर क्षेत्रीय विधायक छोटेलाल वर्मा नाराज हो गए और कार्यक्रम के बीच में ही उठकर चले गए। बीजेपी विधायक ने मंडल अध्यक्ष को जमकर खरी-खोटी सुनाई। विधायक की नाराजगी का 38 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ओर से संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में फतेहाबाद क्षेत्र के मीठपुरा गांव में मंडल अध्यक्ष योगेश चौहान के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में फतेहाबाद विधायक छोटेलाल वर्मा को भी आमंत्रित किया गया था।

इस दौरान दो पूर्व विधायक भी मौजूद रहे। विधायक छोटेलाल वर्मा को मंच से संबोधन के लिए नहीं बुलाया गया। इससे वह नाराज हो

गए। कुछ देर बाद विधायक ने मंडल अध्यक्ष से अपनी नाराजगी जताई। वायरल वीडियो में विधायक कहते नजर आ रहे हैं 'जब बोलने नहीं देते तो बुलाते क्यों हो।'

इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि 'गांव में विधायक को नहीं बोलने दोगे क्या?' विधायक की नाराजगी देखकर कार्यक्रम में मौजूद लोग भी असहज हो गए। कुछ लोगों ने उन्हें समझाने और शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद विधायक कार्यक्रम से निकल गए। वीडियो में विधायक कार्यक्रम से जाते समय मंडल अध्यक्ष योगेश चौहान से नाराजगी जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान कार्यक्रम में मौजूद किसी कार्यकर्ता ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। करीब 38 सेकंड का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रविदास जयंती कार्यक्रम के बीच सामने आए इस घटनाक्रम की क्षेत्र में चर्चा है। मामले में विधायक छोटेलाल वर्मा का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

नोटों का बंडल, हाथ में हथियार गजब है स्वीटी का प्यार, टिंडर की पल्लवी बेवफा निकली

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। डेटिंग ऐप पर लोगों से अलग-अलग तरीके से ठगी करने के मामले दिन-प्रतिदिन सामने आ रहे हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का है, जहां एक पल्लवी नाम की लड़की ने टिंडर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर पुरुषों को ठगी का शिकार बनाया। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब हाई कोर्ट के एक वकील ने शिकायत की। इसके बाद प्रयागराज में जबरन वसूली के इस कथित नेटवर्क का पता चला है। इस मामले में एक महिला पर आरोप है कि वह डेटिंग ऐप टिंडर के ज़रिए पुरुषों से दोस्ती करती थी और फिर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर उनसे पैसे मांगती थी।

आरोप है कि पल्लवी सिंह राजपूत नाम की इस महिला ने डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए पुरुषों को अपना शिकार बनाया। शिकायत और कथित पीड़ितों के दावों के मुताबिक, बातचीत दोस्ती से शुरू होकर करीबी रिश्तों में बदल जाती थी और मुलाकातों के दौरान पुरुषों की तस्वीरें या वीडियो बना लिए जाते थे। इसके बाद, कथित तौर पर उन तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पीड़ितों से 6 करोड़ रुपये से ज़्यादा की वसूली की गई।

सीएम योगी ने तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ बोले- ऊर्जा का प्रतीक हमारा युवा

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम मंत्री और संगठन के पदाधिकारी हाथों में तिरंगा लेकर निकले। इसमें तमाम जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संगठन, समाजसेवी संस्थाओं के साथ ही बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक भी शामिल हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि यह मौका बहुत खास है, क्योंकि कुछ ही दिनों में, 15 अगस्त को हम अपने देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आपको अपने घरों पर तिरंगा फहराने का अधिकार दिया है। ताकि, झंडे के प्रति सम्मान और 'हर घर तिरंगा' के मंत्र को बढ़ावा मिले। झंडा संहिता में बदलाव किए गए ताकि आप इसे अपने घरों पर लगा सकें। उन्होंने कहा कि पहले, कांग्रेस के शासन में घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ता था। कोर्ट तक जाना पड़ता था। लेकिन, मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह आजादी दी। अब आप हमारे गर्व, सम्मान और गौरव के प्रतीक तिरंगे को अपने घरों पर फहरा सकते हैं। यात्रा में शामिल सभी लोग हाथों में तिरंगा लेकर मां भारती का जयघोष तथा अमर बलिदानियों को नमन करते हुए तिरंगा यात्रा पर आगे बढ़ें। सीएम आवास से शुरू होने वाली यह यात्रा हजरतगंज स्थित लोकभवन तक जाएगी। 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मंडलों में 10, 11 एवं 12 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकलेगी।

चुनावी तैयारियों के बीच भाजपा ने प्रदेशवासियों में देशभक्ति का भाव जगाने के लिए 'हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा' अभियान आज से शुरू किया। 13 अगस्त को जिला मुख्यालयों के साथ ही प्रदेश में विभिन्न स्थानों से तिरंगा यात्राएं निकालकर भाजपा राष्ट्र प्रेम का संचार करेगी। 14 अगस्त को विभाजन-विभीषिका स्मृति दिवस, मौन जुलूस एवं संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान, व्यापारिक संस्थान एवं कार्यालयों पर राष्ट्रध्वज फहराने के लिए व्यापक जनसम्पर्क एवं जनजागरण किया जाएगा।

डेटिंग ऐप पर दोस्ती, फिर ब्लैकमेल का आरोप, प्रयागराज में कथित हनीट्रैप रैकेट की जांच शुरू

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए कथित हनीट्रैप वसूली रैकेट का मामला सामने आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक वकील की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक महिला अलग-अलग फर्जी प्रोफाइल और नामों का इस्तेमाल कर पुरुषों से संपर्क करती थी। इनमें 'स्वीटी तिवारी' जैसे नाम भी बताए गए हैं। पुलिस फिलहाल शिकायत में दर्ज तथ्यों, डिजिटल खातों और कथित लेनदेन की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी महिला पहले डेटिंग ऐप या सोशल मीडिया पर दोस्ती करती थी और बातचीत बढ़ने के बाद मुलाकात तय करती थी।

आरोप है कि मुलाकातों के दौरान निजी तस्वीरें और आपत्तिजनक वीडियो गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए जाते थे। इसके बाद पीड़ितों को वही सामग्री भेजकर रकम मांगी जाती थी। शिकायत में कहा गया है कि बदनामी और कानूनी कार्रवाई के भय का उपयोग कर लोगों पर दबाव बनाया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि रकम देने से इनकार करने वालों को बलात्कार और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी जाती थी।

21 किलो गांजा लेकर घूम रहे थे अनस, दिलशाद और असलम

गाजियाबाद पुलिस ने घेरा तो चलीं गोलियां, पकड़े गए तीनों

गाजियाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद के विजय नगर इलाके में पुलिस और गांजा तस्करों के बीच मुठभेड़ का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी पर सवार तीन संदिग्धों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने के दौरान कच्चे रास्ते पर उनकी स्कूटी फिसल गई और तीनों नीचे गिर गए। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ गांजा तस्कर इंदिरापुरम की तरफ से हिंडन बैराज की ओर जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही एस.डब्ल्यू.ए.टी., सर्विलांस और विजय नगर पुलिस की टीमों ने इलाके में चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस ने एक बिना नंबर वाली स्कूटी पर तीन संदिग्ध युवकों को आते देखा। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी स्कूटी की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी स्कूटी लेकर पुश्ता रोड की तरफ भाग रहे थे। रास्ता कच्चा होने के कारण अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसल गई। इसके बाद स्कूटी सवार तीनों आरोपी सड़क पर गिर गए। पुलिस टीम ने उन्हें घेरने की कोशिश की। आरोप है कि इसी दौरान जमीन पर गिरने के बावजूद आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग शुरू कर दी।

इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अनस पहले से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है और पुलिस रिकॉर्ड में हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ 18 से ज्यादा मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। वहीं दिलशाद और असलम के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस गांजा तस्करी के नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। बरामद गांजे की सप्लाई और आरोपियों के संपर्कों को लेकर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

आशा मत छोड़िए, हमारा साथ दीजिए'

अखिलेश का आशा वर्कर्स को संदेश, 2027 में लाएंगे महिलाओं के सम्मान वाली सरकार'

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आशा वर्कर्स की मांगों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आज के भाजपा शासनकाल में आशा वर्कर्स उपेक्षा और परेशानी का सामना कर रही हैं। अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि सरकार उनकी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा को लेकर पीछे क्यों हट रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब भाजपा के प्रचार और दूसरे खर्चों के लिए सरकार के पास पैसा है, तो आशा वर्कर्स के लिए आर्थिक सुरक्षा और सम्मान की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसके पीछे वजह यह है कि आशा वर्कर्स शोषित, वंचित और निर्धन पृष्ठभूमि से आती हैं या वे पीडीए में शामिल आधी आबादी यानी महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी सम्मान के साथ जीने का अधिकार है और उनकी मांगों के समर्थन में समाजवादी पार्टी पूरी निष्ठा के साथ खड़ी है।

अखिलेश यादव की ओर से शेयर किए गए वीडियो में एक आशा वर्कर अपनी परेशानियां बताती नजर आती हैं। वीडियो में वह कहती हैं कि वह खुद आशा वर्कर हैं, लेकिन आज की सरकार से उन्हें कोई आशा नहीं है। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स को न तो सही मान-सम्मान मिलता है और न ही कर्मचारी का दर्जा दिया गया है। आंगनबाड़ी में काम करने के बाद भी उनके सामने अपने घर-आंगन की परेशानियां बनी हुई हैं। वीडियो में वह कहती हैं कि 'सहाय का ही सहाय कोई नहीं है।' वीडियो में आशा वर्कर महिलाओं से अपील करती हैं कि वे उम्मीद न छोड़ें और उनका साथ दें। वह कहती हैं कि आने वाले समय में ऐसी सरकार लाने की कोशिश की जाएगी, जो महिलाओं के लिए 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' लाएगी। वीडियो में महिलाओं को पैसे, मोबाइल फोन और लैपटॉप देने की बात भी कही गई है। वीडियो में आगे कहा गया है कि 2027 में ऐसी सरकार बनाई जाएगी जो महिलाओं के हित में काम करेगी। आशा वर्कर महिलाओं से एकजुट होने और अपने भविष्य का फैसला खुद करने की अपील करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी के बहकावे में नहीं आना है, सभी को समझाना है और एकजुट होकर 2027 में अपनी सरकार बनानी है। वीडियो में इसे 'पीडीए सरकार' लाने की अपील के तौर पर पेश किया गया है।

बिहार में सीनियर ऑफिसर-मिनिस्टर करेंगे छात्रों से बात

पढ़ाई होगी स्मार्ट, सीएम सम्राट के 4 घोषणाओं से बदलेगा एजुकेशन सिस्टम

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षा व्यवस्था को पहले से और भी दुरुस्त किया जाएगा। राज्य में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में जरूरी फैसले लिए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स के जरिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने 4 घोषणाएं की। सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को हर विद्यालय तक पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है, ताकि प्रत्येक विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाया जा सके और छात्रों के सीखने के स्तर में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो।'

इस तरह से यह पहली घोषणा बिहार के स्कूलों, छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहद खास मानी जा रही है। एक्स पर सीएम ने लिखा, 'बिहार में परीक्षाओं को सुचारु, पारदर्शी, निष्पक्ष और आधुनिक बनाने के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा सुधार समिति का गठन किया गया है। समिति बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं

के साथ-साथ कक्षा-आधारित मूल्यांकन में तकनीक और एआई के उपयोग के माध्यम से छात्रों के ज्ञान, समझ और विश्लेषण क्षमता के बेहतर आकलन के लिए सुझाव देगी।' सीएम सम्राट चौधरी इससे पहले भी कई बार स्मार्ट और हाईटेक पढ़ाई का जिक्र कर चुके हैं। ऐसे में आज उन्होंने घोषणा भी कर दी है। तीसरी घोषणा को लेकर मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'शिक्षा सुधार के लिए विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और छात्रों के साथ संवाद कर उनके सुझाव एवं समस्याएं सुनी जाएंगी'। इस फैसले से यह माना जा रहा है कि छात्रों या शिक्षकों को अपनी शिकायत के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

बातचीत के दौरान वे अपनी समस्याएं रख सकते हैं, जिसका जल्द ही समाधान भी कर दिया जाएगा। सीएम सम्राट चौधरी ने लिखा, 'छात्रों के कल्याण से जुड़े कार्यों के बेहतर समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों में निदेशालय का गठन किया जाएगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए बिहार सरकार प्रतिबद्ध है।' इस तरह से राज्य के एजुकेशन सिस्टम को पहले से ज्यादा गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए ये सभी 4 घोषणाएं बेहद खास मानी जा रहीं हैं।

चीन की हरकत पर भड़का अमेरिका

फिलीपींस को दिया साथ का वादा

वॉशिंगटन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने स्कारबोरो रीफ पर चीन के राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व स्थापित करने के कदम को सिरे से खारिज कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन के इस कदम से पारंपरिक मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों में फिलीपींस के मछुआरों की पहुंच मुश्किल हो सकती है। अमेरिका ने साफ किया कि वह अपने सहयोगी फिलीपींस के साथ खड़ा है और स्वतंत्र एवं खुले इंडो-पैसिफिक का समर्थन करता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि अमेरिका स्कारबोरो रीफ पर चीन के कथित अस्थिर करने वाले राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व को लागू करने और फिलीपींस के मछुआरों को उनके पारंपरिक मछली पकड़ने के क्षेत्रों तक पहुंचने से रोकने के प्रयासों को खारिज करता है। अमेरिका के मुताबिक, चीन का यह कदम 2016 के मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले के भी विपरीत है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चीन पर अपने पड़ोसियों की कीमत पर दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय और समुद्री दावों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया।

अमेरिकी बयान में कहा गया कि चीन दक्षिण चीन सागर में अपने क्षेत्रीय और समुद्री दावों को आगे बढ़ाने के लिए दबाव समर्थित, संदिग्ध पर्यावरणीय और कानूनी तर्कों का इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका ने कहा कि यह चीन की ओर से अपने पड़ोसियों की कीमत पर क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने की एकतरफा कोशिश का एक और उदाहरण है। वॉशिंगटन ने एक बार फिर फिलीपींस के साथ खड़े रहने और स्वतंत्र एवं खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमेरिका का यह बयान चीन की ओर से स्कारबोरो शोआल के लिए नए प्रबंधन उपायों की घोषणा के बाद आया है।

फिलीपींस और अंतरराष्ट्रीय कानूनी दस्तावेजों में इसे स्कारबोरो शोआल के नाम से जाना जाता है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, चीन ने 1 अगस्त को इन नए नियमों की घोषणा की। इसमें 16 अनुच्छेद शामिल हैं और इनका उद्देश्य हाल ही में स्थापित किए गए 'राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व' के प्रबंधन को व्यवस्थित करना है।

चीन की स्टेट काउंसिल ने सितंबर 2025 में स्कारबोरो शोआल पर राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व स्थापित करने को मंजूरी दी थी। नए प्रबंधन उपाय चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय, राष्ट्रीय वानिकी एवं घासभूमि प्रशासन, चाइना कोस्ट गार्ड और हैनान प्रांत की पीपुल्स सरकार ने संयुक्त रूप से जारी किए हैं। चीनी मीडिया के अनुसार, इन नियमों का उद्देश्य चारों एजेंसियों के बीच समन्वय, सूचना साझा करने और निगरानी को मजबूत करना है।

'सत्ता की लालसा में बौखलाये कांग्रेसी'

रेखा आर्या ने नेता प्रतिपक्ष की शैली पर उठाए सवाल

देहरादून, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के सार्वजनिक आचरण, भाषा शैली, सभ्यता और संस्कारों पर सवाल खड़े करते हुए उनके व्यवहार को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक और गरिमामयी पद पर बैठे व्यक्ति से संयम और मर्यादा की अपेक्षा की जाती है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष ने जिस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

कैबिनेट मंत्री आर्या ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना किसी साक्ष्य के जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पुलिस प्रशासन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। वहीं कटाक्ष किया कि जनता देख रही है। आरोप लगाया कि सत्ता पाने की लालसा में बौखलाए कांग्रेस नेताओं की तरह नेता प्रतिपक्ष ने भी अपनी संवैधानिक पद की गरिमा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। जनता ने उनकी और कांग्रेस की इसी नकारात्मक सोच और भाषा शैली के कारण उन्हें नकारा है।

उनके द्वारा एसएसपी कार्यालय जैसे संवेदनशील और कानून-व्यवस्था के केंद्र में जाकर अराजकता फैलाना, गाली-गलौज करना और तोड़-फोड़ पर उतारू होना कतई स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेताओं का कार्यालय में जबरन घुसकर अमर्यादित व्यवहार करना और गुंडागर्दी करना उनके राजनीतिक व व्यक्तिगत संस्कारों को दर्शाता है।

आदिवासी समाज अनमोल विरासत का संवाहक है – उपायुक्त कंचन सिंह

सिमडेगा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व आदिवासी दिवस 2026 के अवसर पर उपायुक्त कंचन सिंह ने सिमडेगा जिला वासियों, विशेषकर आदिवासी समाज के सभी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज देश की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा और प्रकृति संरक्षण की अनमोल विरासत का संवाहक है।

उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की संवेदनशीलता और जीवनशैली हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समुदायों के अधिकारों, सम्मान, समान अवसर और समावेशी विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण दिवस है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का संकल्प है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में आदिवासी समाज को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी को आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ समावेशी और समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने जिला वासियों से अपील की कि वे आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं।

टोरंटो में भारतीय मूल की हिमांशी खुराना की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

टोरंटोः कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को करीब सात महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अब्दुल गफूरी के रूप में हुई है, जिसे कनाडा की पुलिस 30 साल की हिमांशी खुराना की हत्या के आरोप में ढूंढ रही थी। खुराना दिसंबर 2025 में एक घर के अंदर मृत पाई गई थी। पुलिस के अनुसार, खुराना और गफूरी इंटीमेट पार्टनर रिलेशनशिप में थे। खुराना स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से लापता हो गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने तलाश शुरू की।

20 दिसंबर को, वह सुबह करीब 6:30 बजे मृत पाई गई। इसके बाद पुलिस ने पूरी जांच शुरू की और गफूरी की तस्वीरें और वीडियो जारी किए गए। घटना के सात महीने बाद 7 अगस्त को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उस पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का चार्ज लगाया गया। टोरंटो पुलिस सर्विस ने एक बयान में कहा, टोरंटो पुलिस फ्यूजिटिव स्क्वाड और होमिसाइड एंड मिसिंग पर्सन्स यूनिट के सदस्यों ने आरोपी की कनाडा वापसी में मदद के लिए नेशनल और इंटरनेशनल पुलिसिंग पार्टनर्स से संपर्क किया।

मलप्पुरम अवैध विस्फोटक मामले में एनआईए ने मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया

मलप्पुरम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने केरल के मलप्पुरम में अवैध विस्फोटकों की एक बड़ी खेप जब्त होने के मामले में एक और आरोपी हैरिस टीए को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या दस हो गई है। आरोपी हैरिस को मलप्पुरम जिले के मंजेरी से गिरफ्तार किया गया। यह आरोपी मुख्य साजिशकर्ता है और मामले में जब्त किए गए विस्फोटकों को अवैध रूप से हासिल करने में शामिल था। एनआईए की ओर से एक बयान में कहा गया कि यह मामला 7 फरवरी, 2026 को मलप्पुरम में चेम्माड-थलाप्पारा रोड पर स्थित 'फरहा होलो ब्रिक्स कंपनी' के परिसर में खड़े एक ट्रक से 89,600 विस्फोटक स्टिक और 10,500 शॉक ट्यूब जब्त किए जाने से जुड़ा है।

ट्रक को केरल पुलिस ने रोका था और खेप से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास विस्फोटकों के परिवहन या उन्हें रखने के लिए कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद एनआईए ने जांच अपने हाथ में ले ली। जांच के दौरानएजेंसी ने तीन राज्यों में 19 जगहों पर तलाशी ली, जिससे आपत्तिजनक सामग्री मिली और साजिश में शामिल अन्य लोगों की पहचान की गई। हैरिस की यह गिरफ्तारी एनआईए की ओर से 7 अगस्त को कर्नाटक के विजयपुरा से तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद हुई है।

आरोपियों की पहचान मंतागौड बिरदार, बापागौड भीरमाया चौधरी और प्रकाश गौडा बिरदार के तौर पर हुई है। ये तीनों कर्नाटक के विजयपुरा जिले के रहने वाले हैं और इन्हें विजयपुरा से ही गिरफ्तार किया गया। एनआईए ने पाया है कि आरोपी, विस्फोटक के लाइसेंस-प्राप्त डीलर और इस्तेमाल करने वाले होने के बावजूद जब्त किए गए विस्फोटकों को लागू कानूनी नियमों का उल्लंघन करके बेच रहे थे।

इस मामले में अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बड़ी साजिश और विस्फोटकों की अवैध खरीद और आवाजाही की जांच जारी है।

फर्जी सीबीआई अफसर बन कारोबारी से 1.67 करोड़ ठगे रांची से दो गिरफ्तार

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के एक मामले में मुंबई साइबर पुलिस ने रांची से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरियातू के कुसुम विहार निवासी जगेश्वर महतो (43 वर्ष) और पुंदाग क्षेत्र के जाबिर हुसैन (47 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों को स्थानीय पुलिस की मदद से पकड़ा गया और ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई ले जाया गया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ठगी की रकम का एक हिस्सा रांची के जगेश्वर महतो और जाबिर हुसैन के खातों में पहुंचा था। इसी आधार पर दोनों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस अब सूरज नामक एक अन्य आरोपी समेत पूरे नेटवर्क की तलाश में जुटी है। करोड़ों रुपये के डिजिटल अरेस्ट घोटाले में रांची से गिरफ्तारी का यह पहला मामला माना जा रहा है। मामला मुंबई के 55 वर्षीय आईटी कंसल्टेंट रुशांग महेंद्र वोरा से जुड़ा है, जिन्हें अप्रैल 2026 में डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 1.67 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर केजरीवाल का संदेश

आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए लड़ रही है आप

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दुनियाभर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना, उनकी संस्कृति, भाषा और परंपराओं का सम्मान करने के लिए हर वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। रविवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई दी। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, विश्व आदिवासी दिवस की पूरे आदिवासी समाज को बहुत-बहुत बधाई। देश में आदिवासी समाज के साथ ही सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है। दूसरी पार्टियों द्वारा आपके जल, जंगल और जमीन पर डाका डाला गया।

केवल आम आदमी पार्टी ही आपके अधिकारों के लिए लड़ रही है। आज चैतर वसावा जेल में हैं, क्योंकि वे आपकी आवाज उठा रहे थे। उनके जल्द बाहर आने के लिए प्रार्थना करें। सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर अरविंद केजरीवाल ने कहा, पिछले 75 वर्षों में आदिवासी समाज के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है। 75 वर्षों की देश की तरक्की हुई और बाकी सभी समाज के लोगों की तरक्की हुई, लेकिन आदिवासी समाज पीछे रह गया। आदिवासी समाज को जानबूझकर पीछे रखा गया। आदिवासी समाज के संसाधनों पर डाका डाला गया। केजरीवाल ने कहा, जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज का पैदाइशी अधिकार है, लेकिन समाज से छीन कर बड़ी-बड़ी कंपनियों को दे दिया गया, क्योंकि बाकी पार्टियों के नेता भ्रष्टाचारी थे।

आम आदमी पार्टी आपके (आदिवासी समाज) अधिकारों के लिए लड़ रही है। इसके लिए कितनी बार हमारे नेता जेल गए। आज चैतर वसावा जेल में हैं, क्योंकि वे आपकी आवाज उठा रहे थे। उनके जल्द बाहर आने के लिए प्रार्थना करें। आम आदमी पार्टी के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया गया, आज पूरे देश में आदिवासी समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई पूरी ईमानदारी से सिर्फ आम आदमी पार्टी लड़ रही है।

'शिफ्ट होने से हमलों से नहीं रहेंगे सुरक्षित

कश्मीर के बाहर भी करेंगे पीछा', घाटी में कश्मीरी पंडितों को मिली धमकी

जम्मू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टेरर ग्रुप यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) ने कश्मीरी पंडित सरकारी कर्मचारियों को एक नया धमकी भरा नोट जारी किया है। इस थ्रेट नोट में 6 सरकारी कर्मचारियों के नाम और फोन नंबर हैं। इस थ्रेट नोट के सामने आने के बाद सिक्योरिटी एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। इस ग्रुप के बारे में कहा जा रहा है कि यह ग्रुप लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा एक शैडो फ्रंट ग्रुप है। इस ग्रुप ने धमकी दी है कि अगर टेररिस्ट सपोर्टर और लड़कों की प्रॉपर्टी अटैच या सीज की गई तो वे सिक्योरिटी कर्मचारियों और एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेंगे।

थ्रेट नोट में यह भी कहा गया है कि ग्रुप सरकारी डिपार्टमेंट, खासकर रेवेन्यू डिपार्टमेंट पर नजर रख रहा है, जहां सरकारी पैकेज के तहत काम करने वाले कश्मीरी पंडित पोस्टेड हैं। संगठन ने कश्मीरी पंडितों को आगे चेतावनी दी कि घाटी से जम्मू में शिफ्ट होने से वे हमलों से सुरक्षित नहीं रहेंगे, और कश्मीर के बाहर भी उनका पीछा करने की धमकी दी। थ्रेट नोट में कहा गया, 'जैसा कि पहले चेतावनी दी गई थी, आपकी पुलिस फोर्स में 90 प्रतिशत से अधिक स्थानीय निवासी हैं, जो इसी समुदाय के बीच रहते हैं। जश्न मनाते हैं और उनके साथ घुलते-मिलते हैं। इसलिए उन्हें कहीं भी और कभी भी निशाना बनाना आसान है। धमकी भरे पत्र में ये भी कहा गया, अगर इन प्रवासी पंडितों को लगता है कि वे हमारी पहुंच से बाहर हैं, तो वे गलतफहमी में हैं। हमारे पास उनके बारे में पूरी जानकारी है, जिसमें उनके परिवार के सदस्यों और उनके ठिकानों की जानकारी भी शामिल है। इस बार वे जम्मू में भी नहीं छिप पाएंगे, क्योंकि जरूरत पड़ने पर हम वहां भी उनका पीछा करेंगे। 'वर्क फ्रॉम होम' का बहाना अब नहीं चलेगा। सूत्रों के मुताबिक, ऐसी पर्सनल जानकारी देने का मकसद कर्मचारियों को एक्सपोज करना और टारगेटेड हमलों के लिए उनकी पहचान करना है। धमकियों में जिन लोगों के नाम हैं, वो सरकारी कर्मचारी और कश्मीरी पंडित हैं। कश्मीरी पंडितों के ये धमकी भरा पक्ष यूनाइटेड लेबरेशन काउंसिल (यूएलसी) की ओर से दी गई है।

'हमने मौत और तकलीफ़ देखी'

जिहादियों की कैद से छह महीने बाद दर्जनों नाइजीरियाई लोग आज़ाद हुए

इलोरिन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिहादियों की कैद से छुड़ाए गए 163 नाइजीरियाई लोगों में से कुछ ने उस तकलीफ़ और डर के बारे में बताया जिसमें वे छह महीने तक रहे। आज़ाद हुए इन लोगों में ज़्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। ये उन 300 से ज़्यादा अगवा लोगों में शामिल थे जिन्हें इस हफ़्ते नाइजीरियाई सेना ने छुड़ाया। सुरक्षा बलों ने उन्हें क्वारा राज्य की राजधानी इलोरिन में अधिकारियों को सौंप दिया ताकि उनकी मेडिकल जांच और इलाज हो सके। वे अपने परिवारों से मिलने के लिए घर लौटने का इंतज़ार कर रहे थे। मैरी इशाया ने उन दिनों को याद किया जब उन्हें खाना नहीं मिला और उन्हें दूसरों के साथ मिलकर उन बंधकों को दफ़नाने के लिए कहा गया जिनकी कैद के दौरान मौत हो गई थी।

44 साल की मैरी, जिन्होंने पहले कभी किसी लाश को हाथ नहीं लगाया था या किसी को दफ़नाया नहीं था, ने कहाः हमारे साथ जो हुआ, उसे बयां करने के लिए मेरे पास सही शब्द नहीं हैं। हमने मौत और तकलीफ़ देखी। इन नाइजीरियाई लोगों को 3 फ़रवरी को अगवा किया गया था, जब जिहादी उग्रवादियों ने वोरो गाँव पर हमला किया और 160 से ज़्यादा लोगों की हत्या कर दी। अस्पताल में, जहाँ उनका इलाज चल रहा था, आज़ाद हुए लोग कमज़ोर और बीमार लग रहे थे। कई लोग ज़मीन पर लेटे हुए थे और मुश्किल से खड़े हो पा रहे थे, जबकि कुछ लोग घायल थे और इस मुश्किल दौर के कारण मानसिक रूप से परेशान थे।

कुछ महिलाओं को बताया गया कि फ़रवरी में हुए हमले में उनके पति भी मारे गए थे। कुछ लोगों ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उन्होंने घर लौटने की उम्मीद छोड़ दी थी। दूसरों ने बताया कि लोग बीमार पड़ रहे थे, बारिश में भीग रहे थे, और जब भी नाइजीरियाई सेना के हेलीकॉप्टर जंगल में उनके ठिकाने के ऊपर से गुज़रते थे, तो उन्हें छिपने के लिए कहा जाता था। आज़ाद हुई महिलाओं में शामिल नर्स अमीरा सालियू ने बताया कि उन्होंने जंगल में लगभग 10 गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी में मदद की।

झारखंड सरकार और छात्रों में तीसरे राउंड की बातचीत

तीन घंटे से चल रही मीटिंग; आंदोलन के समर्थन में एक दिन के अनशन पर विधायक जयराम

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन आज 16वें दिन भी जारी है। सरकार और छात्रों के बीच तीसरे राउंड की बातचीत हो रही है। करीब तीन घंटे से स्टेट गेस्ट हाउस में मीटिंग चल रही है। लोकसभा का चुनाव लड़ चुके देवेंद्रनाथ महतो और छात्र गुट दोनों ग्रुप से बातचीत हो रही है। 6 लोगों की टीम सरकार से बात कर रही है।अब तक हुई शुक्रवार और शनिवार की दो राउंड की बातचीत बेनतीजा रही है। 2 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत रविवार सुबह 3 बजे बिगड़ गई।

डॉक्टरों की देखरेख में स्लाइन के जरिए उनका इलाज किया रहा है। जेएलकेएम विधायक जयराम महतो छात्रों के समर्थन में आज रविवार को एक दिन का उपवास कर रहे हैं। एक दिन के अनशन पर बैठे विधायक जयराम महतो ने कहा, 'विधानसभा सदस्य होने के नाते मुझे लगता है कि मेरी भागीदारी और ये भूख हड़ताल कम से कम 1% अतिरिक्त दबाव तो बना ही सकती है। इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए।'

हाईकोर्ट के जज पर कालाजादू कर रहे थे बिलासपुर के चार बदमाश

एक श्मशानघाट से मछली, नींबू, सिंदूर के साथ गिरफ्तार

बिलासपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने काला जादू के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं, उसके तीन अन्य साथियों की तलाश जारी है। ये चारों युवक हाईकोर्ट के जज पर कालाजादू करने के कोशिश कर रहे थे, ताकि जज उनके तीन साथियों को जमानत दे दें। काला जादू करने वाले आरोपियों के साथी चाकूबाजी के मामले में जेल में बंद हैं। गांव के लोगों ने कालाजादू कर रहे लोगों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान तीन आरोपी भाग गए, लेकिन एक को गांव के लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए व्यक्ति का रिश्तेदार बिलासपुर जिले में जेल में बंद है।

इसी रिश्तेदार की जमानत कराने के लिए आरोपी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की फोटो रख तंत्र मंत्र कर रहे थे। पुलिस ने कालाजादू के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है तथा तीन अन्य फरार हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के सीपत थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवरी गांव के श्मशान घाट में शुक्रवार आधी रात को चार लोगों को तंत्र मंत्र करते देखा गया था।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने जब गांव के श्मशानघाट में, संदिग्ध गतिविधियां देखीं तब उन्हें संदेह हुआ। ग्रामीण जब समूह बनाकर मौके पर पहुंचे तब चारों वहां से भागने लगे, जिनमें से एक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। बिलासपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति की पहचान ऋषिकेश कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से पूजा सामग्री, मछली, नींबू, सिंदूर व मुख्य न्यायाधीश तथा दो अन्य के फोटो बरामद किये। सिंह ने बताया कि पकड़े गए युवक ऋषिकेश कुमार से प्रारंभिक पूछताछ में यह जानकारी मिली कि उसका रिश्तेदार प्रियांशु बोले और कुछ अन्य युवक चाकूबाजी के आपराधिक मामले में जेल में बंद हैं, जिनमें से एक की जमानत हो चुकी है और अन्य आरोपियों की जमानत के लिए उच्च न्यायालय में अर्जी लगी हुई है।

'बॉस' बनकर व्हाट्सएप पर ठगी, कंपनी के सीनियर कर्मचारी से ठगों ने 1.98 करोड़ करा लिए ट्रांसफर

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 'बॉस स्कैम' का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें साइबर ठगों ने कंपनी के डायरेक्टर की फोटो और नाम का इस्तेमाल कर एक कर्मचारी को व्हाट्सएप के जरिए झांसे में लिया। ठगों ने खुद को कंपनी का वरिष्ठ अधिकारी बताकर कर्मचारी से तत्काल एक बैंक खाते में 1.98 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। शिकायतकर्ता, जो एक निजी कंपनी में जनरल मैनेजर हैं। उसे नए मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप संदेश मिला। संदेश में कंपनी के डायरेक्टर की प्रोफाइल फोटो और नाम का इस्तेमाल किया गया था।

जरूरी भुगतान बताकर कर्मचारी को तुरंत 1.98 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। कर्मचारी ने संदेश को असली समझकर बताए गए बैंक खाते में रकम भेज दी। कुछ देर बाद जब कर्मचारी ने कंपनी के डायरेक्टर के वास्तविक मोबाइल नंबर पर भुगतान की जानकारी दी, तब पता चला कि उनके नाम और फोटो का दुरुपयोग कर साइबर ठगी की गई है। इसके बाद पीड़ित ने तुरंत मुंबई पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर पुलिस थाना, दक्षिण विभाग से संपर्क किया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ट्रांजैक्शन को ट्रैक किया और 1,83,03,492 रुपये, यानी कुल ठगी गई राशि का करीब 92 प्रतिशत सुरक्षित बचा लिया।

अरुणाचल के नए नक्शे में चीन के कब्जे वाले 3 इलाके भी शामिल

1962 के युद्ध से जुड़ा माजा भी

ईटानगर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में के नए नक्शे में चीन के कब्जे वाली 3 जगहें शामिल की गई हैं। इसमें वह इलाका भी शामिल है जहां 1962 की लड़ाई में पीएलए ने भारतीय सेना की पोस्ट पर कब्जा कर लिया था। नए नक्शे में लोंगजू, बिसा और माजा समेत तीन प्रमुख इलाके शामिल हैं। मैपिंग में तवांग का संवेदनशील थाग ला क्षेत्र भी शामिल किया गया है। इन इलाकों में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की गतिविधियों और निर्माण कार्यों को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। मैपिंग में शामिल लोंगजू रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्र है। चीन ने 1959 में इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। वहीं, माजा का महत्व 1962 के भारत-चीन युद्ध से जुड़ा है। युद्ध से पहले यहां भारतीय सेना की एक फॉरवर्ड पोस्ट, माजा कैंप, मौजूद थी। युद्ध के दौरान भारतीय सेना को यह पोस्ट खाली करनी पड़ी थी। ताजा जानकारी के मुताबिक, पीएलए ने माजा के पहाड़ी इलाके में कई निर्माण किए हैं। बिसा में भी चीनी सेना की गतिविधियां सामने आती रही हैं। इस इलाके से होकर एक चीनी सड़क गुजरती है जो विवादित सीमा पर दो स्थानों को जोड़ती है।

सूत्रों के मुताबिक, माजा और बिसा दोनों रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। यहां दुर्गम भूगोल और जमीन पर स्पष्ट सीमा-चिह्नों की कमी के कारण पेट्रोलिंग और निगरानी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा को लेकर मैकमोहन लाइन महत्वपूर्ण है। 1914 में तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच खींची गई इस सीमा रेखा को भारत अपनी उत्तर-पूर्वी सीमा मानता है, जबकि चीन इसे स्वीकार नहीं करता। भारत की हालिया मैपिंग में कुल 27 स्थान शामिल किए गए हैं। इनमें केवल विवादित जमीन ही नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र, दर्रे, एक झील और एक स्मारक भी शामिल हैं। हालांकि, रणनीतिक दृष्टि से माजा, लोंगजू, यांगत्से और थाग ला जैसे इलाके खास महत्व रखते हैं। इन क्षेत्रों में अलग-अलग सीमा दावों, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सैन्य मौजूदगी के कारण कई बार तनाव की स्थिति बनी है।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 10 अगस्त - 2026

पूंजीवाद का नया हथियार जेन जी

रघु ठाकुर

इस समय दुनिया में, विशेरुकर अमेरिका, यूरोप, चीन और रूस को छोड़कर जेन जी की चर्चा ज्यादा है। खाड़ी देश और विशेषकर एशिया के कई देशों में जेन जी के आंदोलन के नाम से सरकारें बदलीं है। जब मिस्र में जैस्मीन रिवॉल्यूशन के नाम से आंदोलन शुरू हुआ और सैन्य हस्तक्षेप के बाद सत्ता परिवर्तन के साथ समाप्त हुआ था। बदलाव के नाम पर केवल इतना ही हुआ कि रूस समर्थक सत्ताधीश हटकर अमेरिका समर्थक सरकार आ गई। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में भी जो आंदोलन हुए उससे भी सरकारें तो बदली है पर कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ, सिवाय इसके कि चीन समर्थक या चीन से मित्रता रखने वाली सरकार बदली परंतु व्यवस्था जस की तस है। नेपाल में मार्क्सवादी सरकार को हटाकर जेन जी की पीढ़ी से बालेन शाह सत्ता में आए और आने के बाद उन्होंने सबसे पहले कॉलेज और विश्वविद्यालय में जहां से जेन जी का उदय हुआ और आंदोलन शुरू हुआ था उनके ऊपर ही बेन लगा दिया। छात्र संघों के चुनाव खत्म कर दिए। यानी कोई नया नेतृत्व पैदा ना हो सके और अब स्थिति यह है कि अब बालेन शाह के खिलाफ जेन जी के नौजवान आंदोलन कर रहे हैं, यहां तक की तीन नौजवान आत्मदाह कर चुके हैं। बांग्लादेश में भी युवकों का आंदोलन शुरू हुआ था जो मुक्ति वाहिनी के परिवारजनों को शेख हसीना सरकार के द्वारा आरक्षण वृद्धि के खिलाफ था। बाद में हिंसक और आंदोलन से प्रधानमंत्री हसीना को बचाने के लिए सेना अध्यक्ष ने उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी और आज वहां वीएनपी की सरकार है। श्रीलंका में भी इसी तर्ज पर आंदोलन के बाद सरकार बदली और अब नई पीढ़ी का प्रतिनिधि राष्ट्रपति है। परंतु सिवाय वैश्विक रिश्तों से बदलाव के अलावा कुछ ज्यादा नहीं बदला।

पिछले मई माह में भारत में नीट परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। यद्यपि सरकार ने 21 जून को पुनरू परीक्षा कराई। जिसमें कोई पेपर लीक नहीं हुआ। परंतु निराशा में लगभग 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। यद्यपि मैं आत्महत्या को कतई उचित नहीं मानता। आत्महत्या निराशा के साथ-साथ मानवीय कमजोरी भी है परंतु जिन बच्चों ने इस निराशा में आत्महत्या की उनके मन की पीड़ा उनके परिवारजनों की पीड़ा की कल्पना भी कठिन है। एक बच्ची कुमारी प्रियंका का आत्महत्या के पूर्व लिखा पत्र बहुत ही मार्मिक है। उसने अपने पिता को लिखा कि मैं एक वर्रुा से नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी पेपर लीक होने की वजह से परीक्षा की नई तिथि आई पर अब मैं दोबारा परीक्षा में बैठने का साहस नहीं कर सकती। साल भर नौजवान छात्र घरों से बाहर रहते हैं और तैयारी में लाखों रुपये खर्च होते हैं। वे दिन रात पढ़ते हैं? पर जब पेपर लीक होकर परीक्षाएं बढ़ती हैं तो उन्हें अपना सारा भविरुय अंधकार में लगता है।

मोदी ने या उनकी सरकार ने बच्चों और परिवारजनों के लिए दो शब्द भी सांत्वना के नहीं कहे। यहां तक कि हम लोगों के द्वारा उनसे सार्वजनिक मांग करने के बाद भी अपने मन की बात में इन बच्चों को सांत्वना नहीं दी उल्टे गणेश चतुर्थी व स्थापना के अवसर पर मिटटी के गणेश जी ना बनाने की अपील की, जबकि गणेश स्थापना के लिए अभी तीन माह का समय था। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अतिक्रूरता और घमंड था कि देश में नेरेटिव की चर्चा वही तय करते हैं। यद्यपि 21 जून को परीक्षाएं निर्विघ्न हो गई। एक सप्ताह बाद परिणाम भी आ गये लगभग 12 लाख बच्चे नीट में पास हो गए और लगभग साढ़े ग्यारह हजार बच्चों का चयन चिकित्सा शिक्षा में भी हो गया। परंतु जो घाव 23 लाख नीट के परीक्षार्थियों और उनके परिवारजनों के मन में लग चुका था उसकी जड़ समाप्त नहीं हो सकी। भले ही 23 लाख से घटकर पुनरू हुई परीक्षा में 22 लाख बच्चे बैठे, परंतु उनके मन में यह टीस थी कि अगर पहले परीक्षा ठीक हो जाती तो शायद वह भी पास हो जाते। इस घटनाक्रम के लगभग दो माह बाद अमेरिका में रह रहे और काम कर रहे कुछ नौजवानों के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत शर्मा की एक गैर जरूरी टिप्पणी जिसमें उन्होंने इन नौजवानों की तुलना काकरोच से की थी, के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी बनी और सोशल मीडिया के नए माध्यमों व्हाटसएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एआई और चौट जीपीटी तथा इस प्रकार के नए टूल्स के माध्यम से इस नई पीढ़ी जिसे श्जेन जी कहा जाता है कि यानी जो बच्चे 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए और जो सोशल मीडिया के नए माध्यमों के अभ्यस्त हैं पर सीजेपी का समाचार पहुंचा। कुछ समय बाद यह भी खबर आई की सीजेपी के फॉलोअर्स 2 करोड़ हो चुके हैं। और यह भी कि पिछले 20 वर्रुाें में ही भाजपा के फॉलोअर्स इससे कम हैं। इन खबरों से भी नई पीढ़ी के मन में और उत्साह जगा हालांकि 2 करोड़ फॉलोअर्स वाले सीजेपी के मुखिया श्री अभिजीत दिपके जब (अचानक या भेजे गये) हिन्दुस्तान आये तो उनकी पहली सभा जो जंतर मंतर में हुई थी उसमें बमुश्किल से 300 से 400 से भी कम की संख्या में लोग थे। 6 जुलाई से उन्होंने पुनरू जंतर मंतर पर धरना शुरू किया जिसके बाद में स्विटजरलैंड से आकर श्री सोनम वांगचुक शामिल हुए और उन्होंने अनशन शुरू कर दिया। 11 जुलाई को मेरे एक मित्र अमरदीप चौरसिया वहां गए थे, वे उस आंदोलन में भक्ति भाव से समर्पित थे, ने 12 जुलाई को मुझे बताया कि 11 जुलाई को जंतर मंतर पर लगभग 200 से 250 लोग थे और 12 जुलाई को क्योंकि इतवार है इसलिये उनकी संख्या बढ़कर 400 से 500 हो सकती है। यानी देश के छात्रों और नौजवानों की तकनीकी भागीदारी अवश्य थी परंतु सक्रिय भागीदारी नहीं थी। आरंभ में सीजेपी के तत्कालीन मार्गदर्शक व प्रवक्ता योगेन्द्र यादव ने मंच से कहा था कि राजनीतिक दलों के लोग ना आएं और यदि आएं तो झंडा डंडा छोड़कर। और कुछ ही दिनों के बाद सीजेपी ने संसदीय राजनीतिक दलों का कालीन बिछाकर स्वागत किया और यहां तक कि श्री वांगचुक और अन्य लोगों ने भी यह अपील की कि यदि राजनीतिक दल संसद में इसे उठाने को तैयार हों तो वह अपना अनशन तोड़ देंगे।

परंतु किसी राजनीतिक दल ने औपचारिक ढंग से अनशन तोड़ने की अपील नहीं की। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक सार्वजनिक बयान देकर कहा कि हम इसे संसद में उठायेंगे परंतु वांगचुक से कोई अपील नहीं की। 19 जुलाई को उन्हें ले जाकर अस्पताल में भर्ती करने के बाद और 20 जुलाई को संसद मार्ग पर लाठी चार्ज और हिंसा के बाद, सभी संसदीय विरोधी दलों ने आँसू बहाना शुरू कर दिया। याने पहले तुम पिटो फिर हम आँसू बहाएंगे और अपना वोट बैंक बढ़ाएंगे। सभी सूचनाओं के अनुसार 20 जुलाई के मार्च में भी लगभग 8 से 10 हजार लोग थे जिसमें वामपंथी संगठन यानी एआईएसए, एएसएफआई तथा भीम आर्मी के नौजवान, अन्य राजनीतिक दलों के, आम आदमी पार्टी के कुछ नौजवान, जेएनयू के छात्र तथा सोशल मीडिया पर बने एक आक्रामक माहौल से प्रभावित छात्र नौजवान भी वहां पहुंचे थे।

2010 में अन्ना हजारे के अभियान के समय कारपोरेट ने इलेक्ट्रानिक मीडिया को लगभग खरीद लिया था। जिस पर महीनों केवल अन्ना हजारे ही आते थे।

परीक्षा की पवित्रता पर प्रहार

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई की करीब 20 हजार पन्नों की चार्जशीट ने परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा पर बेहद गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली की फास्ट-ट्रैक अदालत में दाखिल चार्जशीट में 13 आरोपियों और 360 गवाहों का उल्लेख है। जांच में यह आरोप सामने आया है कि एनटीए से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने गोपनीय प्रश्नपत्रों तक अपनी पहुंच का कथित दुरुपयोग किया और प्रश्नों को आगे पहुंचाने में भूमिका निभाई। रसायन विज्ञान से जुड़े पीवी कुलकर्णी, जीव विज्ञान से जुड़ी मनीषा गुरुनाथ मंधारे और भौतिक विज्ञान विशेषज्ञ मनीषा संजय हवलदार के नाम जांच में सामने आए हैं। सीबीआई के अनुसार हवलदार के पास भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्रों तक पहुंच थी और उनके द्वारा साझा किए गए प्रश्न वास्तविक परीक्षा में आए प्रश्नों से मेल खाते पाए गए। चिंताजनक पहलू यह है कि जिस परीक्षा में देशभर से 22 लाख से अधिक विद्यार्थी अपने भविष्य की उम्मीद लेकर बैठे थे, उसकी गोपनीयता ही कथित तौर पर भीतर से कमजोर कर दी गई। परीक्षा रद्द करनी पड़ी और बाद में दोबारा परीक्षा कराई गई। इसका सीधा असर उन विद्यार्थियों पर पड़ा जिन्होंने महीनों नहीं, वर्षों तक तैयारी की थी। पेपर लीक उस विश्वास पर हमला है जिसके आधार पर विद्यार्थी मानता है कि परीक्षा में उसकी मेहनत, प्रतिभा और योग्यता का मूल्यांकन होगा। यदि किसी को परीक्षा से पहले प्रश्न मिल जाएं और दूसरा विद्यार्थी दिन-रात पढ़ने के बावजूद उसी परीक्षा में बैठे, तो दोनों को समान अवसर देने की बात ही खोखली हो जाती है। जांच में परीक्षा के प्रश्न तैयार करने और उनके अनुवाद जैसे संवेदनशील कामों में विशेषज्ञों की भूमिका भी सामने आई है। इससे एक बुनियादी सवाल उठता है क्या प्रश्नपत्र तैयार करने, अनुवाद करने और उसकी गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारियां पर्याप्त रूप से अलग और सुरक्षित थीं? यदि एक ही व्यक्ति को प्रश्नों के कई चरणों तक पहुंच मिल सकती है, तो व्यवस्था में सुधार की जरूरत स्पष्ट है। डिजिटल माध्यमों और व्हाट्सऐप समूहों से जुड़ी जांच की कड़ियां भी बताती हैं कि आधुनिक तकनीक अपराधियों के लिए माध्यम बन सकती है तो वही तकनीक जांच एजेंसियों के लिए सबूत जुटाने का प्रभावी हथियार भी बन सकती है। सीबीआई ने 'फीफा वर्ल्ड कप' नाम वाले व्हाट्सऐप समूह और अन्य डिजिटल सुरागों के जरिए कथित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में सफलता हासिल की। इस मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी हो चुका है। अब असली कसौटी यह होगी कि जांच के बाद अदालत में दोष सिद्ध होते हैं या नहीं और परीक्षा प्रणाली में ऐसे बदलाव किए जाते हैं या नहीं, जिनसे भविष्य में किसी को प्रश्नपत्र तक अवैध पहुंच न मिल सके। अब जरूरत केवल दोषियों को पकड़ने की नहीं, व्यवस्था की उन कमजोर कड़ियों को हमेशा के लिए तोड़ने की है जिनसे पेपर लीक संभव हुआ। विशेषज्ञों की नियुक्ति, गोपनीय कामों में प्रवेश-निकास, दस्तावेजों की निगरानी, डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदारियों के विभाजन हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। नीट केवल एक परीक्षा नहीं है। यह लाखों युवाओं के डॉक्टर बनने के सपने और उनके परिवारों की वर्षों की उम्मीद का रास्ता है। इसलिए इस मामले में न्याय सिर्फ आरोपियों को सजा दिलाने से पूरा नहीं होगा। न्याय तब होगा जब अगली पीढ़ी का कोई विद्यार्थी यह डर लेकर परीक्षा देने न बैठे कि उसकी मेहनत से ज्यादा किसी पेपर माफिया की पहुंच ताकतवर है। यही इस पूरे प्रकरण से मिलने वाला सबसे बड़ा सबक होना चाहिए।

हैलो फ्रेंड से आईआईटी तक युवाओं में अपनी पैठ बना रही सरकार

संजय सक्सेना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर अपनी पार्टी के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए युवाओं की बीजेपी और उनकी सरकार के प्रति नाराजगी के संकट को अपनी वाकपटुता से काफी हद तक टाल दिया है। विपक्ष युवाओं की पीठ पर चढ़कर मोदी सरकार को घेरने का जो सपना पाले हुए था, वह लगभग टूट चुका है। हाल ही में नीट पेपर लीक के बाद देश की राजनीति में युवाओं की भूमिका, उनकी मोदी सरकार से नाराजगी और उससे निपटने के लिए सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच चली आ रही रणनीतिक खींचतान ने एक नया मोड़ ले लिया है।

नीट पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं के बाद उपजे असंतोष को जिस प्रकार से राजनीतिक गलियारों में भुनाने और थामने के प्रयास किए गए, वे भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य को गहराई से समझने का अवसर देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई, जब काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने देश के युवाओं को साथ लेकर जंतर-मंतर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। हालांकि, यह प्रदर्शन कुछ विवादों के घेरे में भी रहा, लेकिन इसके बावजूद इसे काफी सफल माना गया। इसकी मुख्य वजह यह थी कि सीजेपी ने मोदी सरकार के सामने जो मांगें रखी थीं, उन्हें अंततः देर से ही सही, लेकिन सरकार को पूरा करना ही पड़ा। इस सफलता ने अचानक से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में युवाओं को ला खड़ा किया, और यहीं से राजनीतिक विश्लेषकों तथा पंडितों के बीच एक नए नैरेटिव की शुरुआत हुई।

राजनीतिक पंडितों और जानकारों ने यह नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया कि आज की जेन जी यानी देश का युवा वर्ग मोदी सरकार से बुरी तरह नाराज चल रहा है। इस वर्ग का मोहभंग होना किसी भी सत्ताधारी दल के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता था। इस बात का अहसास होते ही विपक्षी दलों ने इस मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी दलों के नेता तुरंत मैदान में उतर आए और युवाओं को सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे। विपक्षी नेताओं ने इस दौरान पैलेट गन और एके-47 जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों का हवाला देते हुए युवाओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया, ताकि सरकार के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जा सके। विपक्ष को यह लगने लगा था कि युवाओं की यह नाराजगी आगामी चुनावों में उनके लिए संजीवनी का काम करेगी और बीजेपी के किले को भेदने में मददगार साबित होगी।

लेकिन, भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस पूरे घटनाक्रम की नब्ज को तुरंत पहचान लिया और डैमेज कंट्रोल में एक पल की भी देरी नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद मोर्चा संभाला और सबसे पहले एक अनूठे अंदाज में वीडियो जारी कर देश के युवाओं को 'हैलो फ्रेंड' कहकर संबोधित किया।

इस आधुनिक और युवा-अनुकूल संवाद शैली ने तुरंत ही सोशल मीडिया और युवाओं के बीच एक सकारात्मक संदेश भेजा। इसके बाद प्रधानमंत्री के चार और वीडियो सिलसिलेवार तरीके से सामने आए, जिनमें उनकी संवेदनशीलता और युवाओं के प्रति चिंता साफ झलकी। पेपर लीक जैसी समस्याओं का हमेशा के लिए समाधान निकालने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन सहित उन्होंने कई कड़े और निर्णायक फैसले लिए। सिर्फ वर्चुअल माध्यमों तक ही सीमित न रहते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद आईआईटी दिल्ली का दौरा किया और सीधे तौर पर वहां के युवाओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने युवाओं की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी तत्व को बख्शेगी नहीं। कुल मिलाकर, सरकार की इस त्वरित और बहुआयामी रणनीति ने यह साबित कर दिया कि बीजेपी ने युवाओं की नाराजगी से होने वाले संभावित राजनीतिक नुकसान को समय रहते सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया है। इस डैमेज कंट्रोल अभियान में केवल सरकार ही सक्रिय नहीं रही, बल्कि प्रधानमंत्री और बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत भी पूरी ताकत के साथ मैदान में कूद पड़े।

आरएसएस प्रमुख की सक्रियता और वैचारिक स्तर पर युवाओं से जुड़ने के प्रयासों ने इस अभियान को एक मजबूत वैचारिक संबल प्रदान किया। संघ के अनुषांगिक संगठनों ने भी परिसरों और युवाओं के बीच जाकर संवाद स्थापित किया, जिससे विपक्ष द्वारा गढ़ा गया वह नैरेटिव धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा, जिसमें युवाओं को सरकार के खिलाफ पूरी तरह खड़ा हुआ दिखाया जा रहा था।

दूसरी ओर, इस पूरी कवायद के बाद विपक्ष पूरी तरह से खाली हाथ खड़ा नजर आने लगा है। जिन मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की योजना बना रहा था, सरकार ने उन पर त्वरित कार्रवाई करके विपक्ष के हाथ से एजेंडा ही छीन लिया। नीट पेपर लीक के मामले में उठाए गए सख्त कदमों और नीतिगत सुधारों ने यह दिखा दिया कि सरकार केवल आश्वासन देने में नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देने में विश्वास रखती है।

नतीजतन, विपक्ष के पास अब सरकार की आलोचना करने के लिए वह धारदार हथियार नहीं बचा, जो शुरुआती दिनों में नजर आ रहा था। कुल मिलाकर, इस राजनीतिक घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आधुनिक राजनीति में जनता की नब्ज पहचानना और समय पर उचित कदम उठाना कितना जरूरी है। जहां एक तरफ सत्ता पक्ष ने अपनी संवाद कुशलता और निर्णायक क्षमता का परिचय देकर स्थिति को संभाल लिया, वहीं विपक्ष एक बार फिर रणनीतिक रूप से पिछड़ता हुआ दिखाई दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल विरोध की राजनीति करने से बड़े राजनीतिक बदलाव हासिल नहीं किए जा सकते।

मक्का की डील से बदलेगा पश्चिम एशिया या फिर यह सिर्फ कागजी गठबंधन साबित होगा?

अजय कुमार

मक्का में सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुआ संयुक्त रक्षा समझौता सिर्फ तीन देशों की सैन्य साझेदारी नहीं है। यह उस पश्चिम एशिया की बदलती तस्वीर का संकेत है, जहां पुराने सुरक्षा समीकरण तेजी से टूट रहे हैं और नए शक्ति-केंद्र आकार ले रहे हैं। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यही है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमला माना जाएगा। कागज पर यह व्यवस्था बेहद मजबूत दिखती है, लेकिन असली सवाल यह है कि युद्ध की घड़ी आने पर क्या रियाद, अंकारा और इस्लामाबाद एक-दूसरे के लिए अपने सैनिक और अपनी अर्थव्यवस्था जोखिम में डालेंगे? इसी सवाल में इस समझौते की असली कहानी छिपी है। इसे तुरंत 'इस्लामिक नाटो' कहना जल्दबाजी होगी। नाटो की ताकत केवल इस बात में नहीं है कि एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है, बल्कि उसके पीछे दशकों से विकसित संयुक्त कमान, सैन्य योजना, खुफिया ढांचा, अंतर-संचालन और साझा रक्षा प्रतिबद्धताएं हैं। मक्का समझौते में फिलहाल ऐसी संस्थागत गहराई दिखाई नहीं देती। इसलिए इसे नाटो की प्रतिकृति कहने के बजाय तीन देशों के बीच सामरिक प्रतिरोध बढ़ाने की कोशिश कहना ज्यादा सही होगा। फिर भी इसे हल्का समझना भी बड़ी भूल होगी। तीनों देशों की ताकतें अलग-अलग हैं और यही इस गठबंधन की सबसे बड़ी उपयोगिता है। तुर्किए के पास तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और बड़ा सैन्य ढांचा है। सऊदी अरब के पास विशाल वित्तीय संसाधन और ऊर्जा संपदा है। पाकिस्तान के पास दशकों का सैन्य अनुभव, बड़ी स्थायी सेना और परमाणु क्षमता है। 2025 में तुर्किए का सैन्य खर्च करीब 30 अरब डॉलर, पाकिस्तान का 11.9 अरब डॉलर और सऊदी अरब का 83.2 अरब डॉलर रहा। उसी साल भारत का सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर था। यानी तीनों देशों की सैन्य क्षमताएं जोड़ने पर तस्वीर गंभीर जरूर बनती है, लेकिन इसे एकीकृत सैन्य शक्ति समझ लेना अभी गलत होगा। सबसे दिलचस्प पक्ष सऊदी अरब है। रियाद वर्षों तक अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया के लगातार बदलते समीकरणों ने सऊदी नेतृत्व को यह समझा दिया है कि केवल अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। ईरान के साथ तनाव, यमन में हूती खतरा, लाल सागर की अस्थिरता और तेल प्रतिष्ठानों पर संभावित हमले ने सऊदी सुरक्षा सोच को बदल दिया है। इसलिए पाकिस्तान और तुर्किए के साथ सुरक्षा सहयोग रियाद के लिए वैकल्पिक सुरक्षा परत तैयार करने का प्रयास भी है। लेकिन यहीं पहला विरोधाभास सामने आता है। सऊदी अरब का सबसे बड़ा हित युद्ध जीतना नहीं, स्थिरता बनाए रखना है। उसका पूरा आर्थिक परिवर्तन कार्यक्रम तेल से आगे निकलकर पर्यटन, निवेश, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर टिका है। लंबी क्षेत्रीय जंग उसके इस एजेंडे को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए अगर कभी पाकिस्तान या तुर्किए ऐसा संघर्ष शुरू करते हैं जिसमें सऊदी हित सीधे शामिल नहीं हैं, तो क्या रियाद वास्तव में सैन्य हस्तक्षेप करेगा? समझौते की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी। तुर्किए का मामला और जटिल है। अंकारा की विदेश नीति किसी एक खेमे में पूरी तरह बंधी हुई नहीं रही है। वह नाटो का सदस्य है, लेकिन रूस के साथ भी उसके रिश्ते हैं। सीरिया, लीबिया, कॉकस और पूर्वी भूमध्यसागर में उसके अपने रणनीतिक हित हैं। तुर्किए सऊदी अरब के साथ संबंध सुधार चुका है, लेकिन दोनों देशों की क्षेत्रीय प्राथमिकताएं हमेशा एक जैसी नहीं रहीं। इसलिए अंकारा किसी ऐसे युद्ध में अपने सैनिक झोंकने से पहले दस बार सोचेगा जिसमें उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित दांव पर न हों। पाकिस्तान के लिए यह समझौता शायद सबसे अधिक रणनीतिक महत्व रखता है।

इस्लामाबाद लंबे समय से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करता रहा है और तुर्किए के साथ भी सैन्य सहयोग बढ़ा है। लेकिन पाकिस्तान की सुरक्षा प्राथमिकता पश्चिम एशिया नहीं, भारत और अफगानिस्तान से जुड़े खतरे हैं। उसकी अर्थव्यवस्था भी लंबे समय से दबाव में है। इसलिए पाकिस्तान को इस गठबंधन से राजनीतिक और सामरिक समर्थन मिल सकता है, लेकिन वह एक साथ कई मोर्चों पर बड़ी सैन्य प्रतिबद्धता निभा पाएगा या नहीं, यह बड़ा प्रश्न है।सबसे संवेदनशील मुद्दा पाकिस्तान की परमाणु क्षमता है। पाकिस्तान दुनिया का एकमात्र मुस्लिम-बहुल परमाणु हथियार संपन्न देश है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी परमाणु क्षमता किसी सहयोगी के लिए सुरक्षा छतरी बन जाएगी। परमाणु हथियार राष्ट्रीय अस्तित्व और प्रतिरोध की अंतिम क्षमता होते हैं। उन्हें किसी बहुपक्षीय सैन्य समझौते के तहत साझा करना बेहद अलग स्तर की प्रतिबद्धता होगी। इसलिए मक्का समझौते को परमाणु गठबंधन मानना अभी तथ्यों से आगे निकल जाना होगा।ईरान की प्रतिक्रिया इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग से जुड़े इब्राहिम रजाई ने इसे सऊदी सुरक्षा की गारंटी न देने वाला 'कागजी समझौता' बताया है।

भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था का कठोर सच

आरके जैन

समय ने ऐसी करवट ली है कि अब सबसे बड़ा डर बीमारी नहीं, बल्कि उसके उपचार का भारी बोझ बन चुका है। रोग का असर केवल शरीर तक सीमित रहता है, लेकिन दवाओं और इलाज का खर्च पूरे परिवार की आर्थिक शक्ति को भीतर तक चकनाचूर कर देता है। अस्पतालों की चौखट पर अब सिर्फ स्वास्थ्य की लड़ाई नहीं लड़ी जाती; वहाँ यह भी तय होता है कि किसकी आर्थिक क्षमता जीवन को बचा पाएगी और किसका जीवन पैसों की कमी के सामने हार मान लेगा। यही वह बिंदु है, जहाँ स्वास्थ्य व्यवस्था का वास्तविक स्वरूप निर्वस्त्र होकर सामने खड़ा दिखाई देता है।

भारतीय स्वास्थ्य परिदृश्य आज ऐसे दो संकटों का सामना कर रहा है, जिनकी प्रकृति भले अलग हो, पर दोनों एक ही नैतिक चुनौती को उजागर करते हैं। एक तरफ कैंसर है, जो अब न उम्र की सीमाओं में बँधा है, न किसी क्षेत्र या वर्ग तक सीमित। इसकी बढ़ती रफ्तार किसी मौन महामारी जैसी प्रतीत होती है। महानगरों से दूरस्थ गाँवों तक, युवाओं से बुजुर्गों तक, इसकी पकड़ निरंतर गहरी होती जा रही है। दूसरी तरफ दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जो सुर्खियाँ नहीं बनतीं, लेकिन असंख्य परिवारों को वर्षों तक आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संघर्ष में जकड़े रखती हैं। रोग दोनों अलग हैं, किंतु उनकी सबसे बड़ी त्रासदी एक ही है-जीवनरक्षक दवाएँ आज भी सामान्य नागरिक की पहुँच से बहुत दूर हैं।

सरकारी नीतियों की सबसे बड़ी कसौटी संकट के समय सामने आती है, और यहीं उनका सबसे गहरा विरोधाभास भी उजागर होता है। हमारे निर्णय अक्सर बीमारी की गंभीरता नहीं, बल्कि मरीजों की संख्या देखकर लिए जाते हैं। कैंसर के बढ़ते मामलों ने कुछ जीवनरक्षक दवाओं को निःशुल्क या रियायती दर पर उपलब्ध कराने की राह अवश्य खोली है, लेकिन यह व्यवस्था अब भी सीमित है। दूसरी ओर, दुर्लभ बीमारियों में मरीज कम होने के कारण सहायता भी सीमित कर दी जाती है। मानो कम लोगों की पीड़ा का मूल्य भी कम हो, जबकि मृत्यु कभी बहुमत और अल्पमत में भेद नहीं करती। इलाज की परीक्षा अस्पताल से बाहर शुरू होती है, जब दवाओं का खर्च वर्षों तक परिवार का पीछा नहीं छोड़ता। कैंसर का उपचार ऑपरेशन या कीमोथेरेपी तक सीमित नहीं रहता। बीमारी का पता देर से चलता है, उपचार लंबा खिंचता है और नई पीढ़ी की प्रभावी दवाएँ इतनी महँगी होती हैं कि मध्यम वर्ग कुछ महीनों में आर्थिक रूप से बिखर जाता है। दुर्लभ बीमारियों में संकट कठोर होता है। सरकारी नीति के तहत प्रति मरीज 50 लाख तक सहायता मिलती है। शुरुआती राहत मिलती है, लेकिन कई बीमारियों में सालाना खर्च अधिक और दवा की जरूरत लगातार रहती है। उपचार टूटते ही मरीज फिर संकट में खड़ा हो जाता है।योजनाओं की प्रभावशीलता वहीं समाप्त होती है जहाँ उपचार का खर्च असाधारण हो जाता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएँ सामान्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में उपयोगी हैं, पर अत्यधिक महँगी व लंबी अवधि की जीवनरक्षक दवाओं का खर्च नहीं उठा पातीं। दुर्लभ बीमारियों की सहायता योजनाएँ (प्रति मरीज 50 लाख तक) भी उपचार की पूरी अवधि कवर नहीं कर पातीं। कैंसर में नई प्रभावी दवाएँ निःशुल्क उपलब्धता से बाहर हैं। परिणाम-विज्ञान ने इलाज खोज लिया, व्यवस्था उसे लोगों तक नहीं पहुँचा सकी।

स्वास्थ्य नीति की अगली दिशा राहत नहीं, बल्कि अधिकार पर आधारित हो। अब उपचार की अवधारणा को अनुदान से अधिकार की ओर ले जाना होगा। पहली आवश्यकता है कि कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो। सहायता एकमुश्त अनुदान तक सीमित न रहे। बीमारी जितनी अवधि तक उपचार चाहती है, उतनी अवधि तक दवा उपलब्ध कराना व्यवस्था का दायित्व हो। निःशुल्क या अत्यंत रियायती दवा सरकारी कृपा नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार बने। समाधान की अगली कड़ी दवाओं की खरीद और उत्पादन व्यवस्था में बदलाव से जुड़ी है।

हम कथा बांचने जा रहे हैं..

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर के बाद पार्क में बैठे थे कि आकाशवाणी से सेवानिवृत्त हमारा साथी नीलकंठ जो अपने कंठ से लगातार झरती निर्झरिणी सी बातों के लिए मशहूर है, आज एक कथा सुनाने की बात कहते हुये लाखों रुपये दक्षिणा लेने वाले प्रवचनकर्ताओं को मात देते हुये मुफ्त में शुरू हो गए। सच कहें तो बिना बनाए सबके गुरु हो गए ।

कहने बैठे हैं हम उनकी कथा जो अपने लिए है व्यथा। कैसे कैसे पापड़ बेलने पड़े तब जाकर औंधे मुंह के बल पड़े। फैंसी ड्रेस यानी छद्म वेश भूषा में बचपन में काफी पुरस्कार जीते अब वास्तविक जीवन में भी उसे ही अपनाते हैं। कई तरह की पगड़ियां पहने दिखाते हैं और जनता को टोपी पहनाते हैं। यह जग जाहिर है कि वे ऐसे कामों में माहिर हैं, शातिर हैं। हर छोटी बड़ी जगह पर हाजिर हैं।

अब तो प्यार से वे फेंकू उस्ताद कहलाते हैं। उनके फेंकने से लपेट लपेट के लोग थक जाते हैं और चुप होकर श्रोता बन जाते हैं। उससे पहले दिमाग को घर पे रख आते हैं। भजन के प्रिय हैं। कोई जब कसीदा काढ़ता है। इनकी प्रशंसा में गला फाड़ता है। वे तन्मय हो स्मित सहित सुनते हैं। अपने अदृश्य गुण गुनते हैं। भजन सुन सुन लोग सिर धुनते हैं।

झूठा कहीं का यह बचपन में उनके लगातार झूठ बोलते रहने से साथियों द्वारा दिया गया नाम है। अब उसी नाम से काम चलाते हैं सच से समुचित दूरी बनाए रखते हैं और झूठे फलों का स्वाद चखते हैं। पहले की तुलना में असत्य का प्रतिशत बढ़ा है, आखिर सिर पर अहंकार जो चढ़ा है। सत्य से असत्य और वास्तविका से आभास बड़ा है। तभी अपना तम्बू हवा और आंधी में भी अड़ा है। कितने भी काम सही न हो फिर भी अंगद के पाँव सा आसन खड़ा है। उनकी गर्ल फ्रेंड उन्हें बंडलबाज कहती थी। ऊंचा दुकान दिखाते थे और वहीं के फीके पकवान चखाते थे और अपनी बातों से लोगों को पकाते थे। बोल बोलकर कानों को थकाते थे।

भक्त हमारे हम भक्तन के इनका घोषवाक्य है। प्रणाम, साष्टांग, नमस्कार इनकी प्रिय भंगिमाएं हैं। अगर ये भंगिमाएं किसी नारी द्वारा बनाई गई हों तो बस सोने पे सुहागा कौआ कान लेकर भागा। भारतीय कब जागा। कहां है रे कागा?

चमचे और चाटुकार इनके अपने हैं जो तारीफ और मस्काई में दिखाते हैं अभूतपूर्व सपने। वे हो जाते हैं जब शुरू इनको बनाके छोड़ते हैं महा गुरु। भले ही इन्हें अड़ोस पड़ोस के लोग नापसंद करें लेकिन दूर के ढोल सुहावने की तर्ज पर ये गुर्राते हैं चमचे और चाटुकार जब इन्हें चने के झाड़ पर चढ़ाते हैं। हमेशा डर को भगाने की प्रक्रिया करते हैं। हर तीसरे वाक्य में विपक्षियों का दम धरते हैं। खुद को निडर कहलाने का दंभ भरते हैं। सच तो यह है कि वे मन ही मन बहुत डरते हैं।

अभिनय से अनोखा मेल है। नौटंकी अपना पसंदीदा खेल है। अब देखते नहीं बल्कि उसमें शामिल होकर खेलते हैं लोग मजबूरन झेलते हैं।

उन्हें समीक्षा से, सवालों से, समस्याओं से नफरत है, बस अपनी अकेली अलबेली आवाज से मुहब्बत है।

उनका नया नारा है हर बात पर ट्वीट लगती है हमको स्वीट। चाहे कोई बात हो या उपलब्धि हो या हादसा। उन्हें कहते हैं सारे बनावटी बादशाह।

जहां खतरा हो विवाद हो और तो और अपना न हो वहा जाना त्याग दो दूर दूर भाग लो। बनावटी साहसी बनो बेवजह फट्टे सा तनो। बैसाखियों के सहारे चलो। चलते चलो।

सावन महीना : घर में शिवलिंग है तो सुबह और शाम करनी चाहिए पूजा

ताजे बिल्व पत्र न हों, तो पुराने बिल्व पत्रों को दोबारा चढ़ा सकते हैं

घर में शिवलिंग की सुबह और शाम नियमित पूजा करनी चाहिए। अगर विधिवत पूजा नहीं कर पाते हैं, तो शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और दीपक जलाएं। पूजा स्थान की साफ-सफाई बनाए रखें। समय-समय पर पूजा स्थल पर गंगाजल या गौमूत्र का छिड़काव कर शुद्धता बनाए रखने की परंपरा है। भगवान शिव को बिल्व पत्र बहुत प्रिय माने जाते हैं। इसलिए रोज शिवलिंग पर बिल्व पत्र अर्पित करना चाहिए। अगर किसी कारण से ताजे बिल्व पत्र उपलब्ध न हों, तो पुराने बिल्व पत्रों को साफ पानी से धोकर दोबारा चढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा शिवलिंग पर जल अर्पित करें, धूप-दीप जलाएं, मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं।

घर के लिए कैसा शिवलिंग शुभ माना जाता है?

कई लोग घर के मंदिर में शिवलिंग स्थापित करना चाहते हैं, लेकिन शिवलिंग के आकार को लेकर सावधानी रखना जरूरी है। मान्यताओं के अनुसार, घर में छोटे आकार का शिवलिंग रखना शुभ होता है। बड़े आकार के शिवलिंग की स्थापना आमतौर पर बड़े मंदिरों में की जाती है, जहां नियमित रूप से विशेष पूजा-पाठ और व्यवस्थाएं होती हैं। घर में हमारे अंगूठे के पहले भाग के बराबर आकार का शिवलिंग रख सकते हैं।

क्या खंडित शिवलिंग की पूजा की जा सकती है?

शिवलिंग को भगवान शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। इसलिए मान्यता है कि अगर शिवलिंग खंडित भी हो जाए, तब भी उसकी पूजा की जा सकती है। हालांकि, भगवान शिव की प्रतिमा यदि टूट जाए, तो उसे पूजा स्थान से हटाने की परंपरा है। खंडित प्रतिमा की पूजा नहीं करनी चाहिए।

घर में किन धातुओं का शिवलिंग रखना शुभ माना जाता है?

घर में शिवलिंग रखने के लिए धातु का चुनाव भी महत्वपूर्ण माना जाता है। लोहे, एल्यूमीनियम और स्टील से बने शिवलिंग घर में रखने से बचना चाहिए। सोना, चांदी, पीतल, पारद, स्फटिक और पत्थर से बने शिवलिंग को शुभ माना जाता है। सोने और चांदी के शिवलिंग काफी महंगे होते हैं, इसलिए अधिकतर लोग पत्थर यानी पार्थिव शिवलिंग की स्थापना करते हैं।

स्वामी विवेकानंद की सीख

जब हमारी नीयत अच्छी होती है तो हम ईमानदारी से कर्म करते हैं

स्वामी विवेकानंद विश्वास, मेहनत और आध्यात्मिक सोच को बहुत महत्व देते थे। वे अक्सर अपने विद्यार्थियों और लोगों को एक घटना सुनाया करते थे, जो उनके विद्यार्थी जीवन की थी। उस समय वे नरेंद्र के नाम से जाने जाते थे।

नरेंद्र को संस्कृत पढ़ाने वाले उनके गुरु जी बहुत गरीब थे। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उनका विश्वास ईश्वर पर अटूट था। वे हमेशा अपने विद्यार्थियों से कहते थे कि भगवान बहुत दयालु हैं और वह अपने भक्तों का ध्यान जरूर रखते हैं। गुरु जी की यह बात विद्यार्थियों के मन में गहराई से बस गई थी, क्योंकि वे इसे केवल कहते नहीं थे, बल्कि पूरे विश्वास के साथ जीते भी थे।

एक दिन गुरु जी कक्षा में पढ़ा रहे थे। तभी एक व्यक्ति वहां आया और उसने उन्हें एक मनी ऑॅर्डर दिया। साथ ही एक पत्र भी सौंपा। गुरु जी ने जब पत्र पढ़ा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

कक्षा खत्म होने के बाद नरेंद्र तुरंत गुरु जी के पास पहुंचे और चिंता से पूछा, "गुरु जी, क्या बात है? सब ठीक तो है?"

गुरु जी ने बताया कि उनके परिवार के छोटे-छोटे बच्चे कई दिनों से भूखे थे। गरीबी के कारण वे उनके भोजन की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे। तभी एक सज्जन व्यक्ति ने उन्हें पैसे भेजे थे। पत्र में लिखा था कि वह उन्हें जानते हैं और उनके सपने में भगवान शिव आए थे। शिव जी ने उन्हें प्रेरणा दी कि वे गुरु जी की सहायता करें, इसलिए उन्होंने यह धन भेजा है। नरेंद्र ने भावुक होकर कहा, "गुरु जी, अगर आप इतनी परेशानी में थे तो हमें बता देते। हम सभी मिलकर आपकी सहायता करते।"

गुरु जी मुस्कुराए और बोले, "जब ऊपर बैठा परमात्मा मेरी चिंता कर रहा है, तो मैं नीचे वालों से क्यों मांगूं?"

यह बात नरेंद्र के मन में हमेशा के लिए बस गई। उन्होंने समझ लिया कि सच्चा विश्वास व्यक्ति को अंदर से मजबूत बनाता है। जब नरेंद्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद बने, तब उन्होंने यह घटना कई लोगों को सुनाई और बताया कि जीवन में ईश्वर पर विश्वास रखना चाहिए।

इस कहानी की सीख यह है कि व्यक्ति को अपने कर्तव्यों और मेहनत से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। प्रयास करना हमारा काम है, लेकिन विश्वास रखना भी उतना ही जरूरी है। जब हमारी नीयत अच्छी होती है और हम ईमानदारी से कर्म करते हैं, तो सहायता किसी न किसी रूप में हमारे जीवन में जरूर आती है। जीवन में सुख-शांति पाने के लिए ध्यान रखें ये बातें जीवन को बेहतर तरीके से जीने के लिए केवल सफलता हासिल करना ही जरूरी नहीं है, बल्कि मन को शांत, संतुलित और सकारात्मक रखना भी जरूरी है। अपने समय, विचारों, भावनाओं और जिम्मेदारियों को सही दिशा देने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों को जीवन में अपनाया जा सकता है।

पहली बात- अपने लक्ष्य स्पष्ट रखें। जिस व्यक्ति को यह पता होता है कि उसे जीवन में क्या हासिल करना है, वह कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ता रहता है। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर उन्हें पूरा करने की आदत आत्मविश्वास बढ़ाती है।

दूसरी बात – समय का सम्मान करें। समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। जो व्यक्ति समय का सही उपयोग करता है, वह कम साधनों में भी बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है। आलस और टालमटोल की आदत को छोड़कर हर दिन को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए।

तीसरी बात – मेहनत के साथ विश्वास बनाए रखें। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आती हैं जब रास्ते कठिन लगने लगते हैं। ऐसे समय में निराश होने की बजाय अपने प्रयासों पर भरोसा रखना चाहिए और ईश्वर पर आस्था बनाए रखनी चाहिए। विश्वास मन को शक्ति देता है और कठिन समय में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

चौथी बात – सकारात्मक सोच रखें। हमारे विचार हमारे व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। नकारात्मक सोच समस्याओं को बड़ा बना देती है, जबकि सकारात्मक सोच समाधान खोजने में मदद करती है।

पांचवीं बात – अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करें। जीवन में आने वाली चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करना चाहिए। गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है।

छठी बात – दूसरों के प्रति दयालु और सहयोगी बनें। अच्छे व्यवहार और मदद की भावना से रिश्ते मजबूत होते हैं और जीवन में संतोष बढ़ता है।

स्वामी विवेकानंद का संदेश यही है कि व्यक्ति को पूरी निष्ठा से कर्म करना चाहिए और परमात्मा पर विश्वास रखना चाहिए।

ईश्वर पर भरोसा करने का अर्थ यह नहीं कि हम प्रयास करना छोड़ दें, बल्कि इसका अर्थ है कि पूरी मेहनत करने के बाद परिणाम को सकारात्मक भावना से स्वीकार करें। अच्छा जीवन वही है जिसमें मेहनत, विश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच का संतुलन हो।

बुध ने बदली राशि: 22 अगस्त तक बुध रहेगा कर्क राशि में

वृषभ, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि के लोगों को मिल सकता है लाभ

बुध ने 5 अगस्त की शाम मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश कर लिया है। अब यह ग्रह 22 अगस्त तक इसी राशि में रहेगा, इसके बाद सिंह राशि में प्रवेश करेगा। बुध को बुद्धि, तर्क, वाणी, व्यापार और संवाद का कारक ग्रह माना जाता है। इस राशि परिवर्तन का असर सभी 12 राशियों पर होगा, बुध का लोगों की सोच, निर्णय क्षमता, बातचीत और करियर पर सीधा असर होगा।

जानिए किन राशि के लिए बुध अच्छी स्थिति में है, किन लोगों को बुध के कारण परेशानियां हो सकती हैं और बुध को दोष दूर करने के लिए कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

इन राशियों के लिए शुभ रहेगा बुध

बुध का कर्क राशि में प्रवेश वृषभ, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर और मीन राशि के लोगों के लिए शुभ फल देने वाला रहेगा। वृषभ राशि वालों के साहस और संचार कौशल में बढ़ोतरी होगी। मिथुन राशि वालों को धन लाभ और वाणी में आकर्षण मिलेगा। कर्क राशि के लोगों का व्यक्तित्व निखरेगा और नए अवसर मिल सकते हैं। कन्या राशि वालों के लिए आय के नए स्रोत बनने और निवेश से लाभ मिलने के योग हैं। तुला राशि वालों को करियर में सफलता, पदोन्नति और नए व्यापारिक अवसर मिल सकते हैं। वृश्चिक राशि वालों को भाग्य का साथ मिलेगा और रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। मकर राशि वालों को वैवाहिक जीवन और व्यापारिक साझेदारी में लाभ होगा। वहीं मीन राशि के

विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा, प्रेम संबंध में तालमेल रहेगा और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

इन राशियों को रहना होगा सतर्क

मेष, सिंह, धनु और कुंभ राशि के लोगों को इस दौरान विशेष सावधानी बरतनी होगी। मेष राशि वालों को परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में जल्दबाजी से बचना चाहिए। सिंह राशि के लोगों के खर्च बढ़ सकते हैं और स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। धनु राशि वालों को आर्थिक लेन-देन, सेहत और उधार देने से बचना चाहिए। वहीं कुंभ राशि के लोगों को कार्यस्थल पर विवादों से बचने, खर्चों पर नियंत्रण रखने और स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की सलाह है।

दूसरों का दर्द समझने वाला ही होता है सबसे बड़ा विद्वान

आचार्य नागार्जुन का प्रेरक प्रसंग

आयुर्वेद के प्रसिद्ध आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला में कार्य करने के लिए एक सहायक की आवश्यकता थी। उन्होंने नौकरी के इच्छुक कई उम्मीदवारों को बुलावा भेजा और उन सबकी परीक्षा लेकर उन्होंने दो उम्मीदवारों को चुना। दोनों ही उम्मीदवार बुद्धिमान व मेहनती लग रहे थे। दोनों में से किसे चुना जाए यह एक गंभीर प्रश्न था। बहुत सोच-विचार कर आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन का समय देते हुए घर से रसायन तैयार करके लाने के लिए कहा। दो दिन बाद दोनों युवक आचार्य के पास पहुंचे।

आचार्य ने उन्हें देखते ही रसायन के विषय में पूछा तो पहले युवक ने कहा, ''गुरुजी, आपके कहे अनुसार मैंने घर पर रसायन तैयार कर लिया। हालांकि घर में कई तरह की बाधाएं आईं। मेरी मां तेज बुखार से पीड़ित थीं। पिता को भीषण पेट दर्द शुरू हो गया। संयोग कहिए कि बाहर खेलते हुए कल ही छोटे भाई के पैर की हड्डी टूट गई, फिर भी मैंने किसी बात की परवाह नहीं की। पूरी एकाग्रता से अपने काम में लगा रहा और आखिरकार यह रसायन तैयार कर ही लिया।''पहले शिष्य की बात सुनने के बाद आचार्य ने मायूसी से सिर झुकाए दूसरे युवक की ओर देखा तो वह नम्रता से बोला, ''आचार्य जी, माफी चाहता हूं। मैं अपना काम नहीं कर सका, क्योंकि मेरे पड़ोस में रहने वाली एक वृद्ध महिला बहुत बीमार थी। उसकी सेवा करने वाला कोई नहीं था। सो मैं उसकी सेवा में लगा रहा।''

इतना सुनते ही आचार्य खुश हो गए। वह युवक को शाबाशी देते हुए बोले, ''तुम्हीं सही उम्मीदवार हो। रसायन जीवन की रक्षा के लिए होता है और इसे वही बना सकता है जो दूसरों के दुख-दर्द पहचानने की क्षमता रखता हो।''

रिश्तेदारी को मैत्री में बदलना कृष्ण और अर्जुन से सीखें

दोस्त कभी ज्यादा होते ही नहीं हैं। जो थोड़े-बहुत होते भी हैं, वे दो प्रकार के हैं- अंतरंग और बहिरंग। मित्रता में समानता, संयम, संस्कृति बहुत जरूरी हैं। अगर आपको मित्र बनाने में रुचि है और मित्रता के मामले में अकेलापन महसूस हो रहा हो तो यह प्रयोग करिए।

अपने रिश्तों में से मित्रता निकालिए। तब जो भी मित्र मिलेंगे, कम से कम देखे-परखे होंगे। यह प्रयोग अर्जुन और कृष्ण ने किया था। यह दोनों साले-बहनोई थे और इन्होंने इस रिश्तेदारी को मित्रता में बदला। इनकी दोस्ती इतनी प्यारी थी कि कई अवसरों पर अर्जुन ने कृष्ण को गुरु ही कह दिया।

और ठीक भी बात है, मित्र कब गुरु की भूमिका में आ जाए, कह नहीं सकते। सच्चा मित्र होता भी वही है, जो अवसर आने पर शिष्य भी बन जाए और अपने आप को गुरु भी बना ले। मित्र ताश के पत्ते की तरह नहीं होते कि बाजी फेंको या उठाओ। मित्र तो एक ग्रंथ के पन्नों की तरह होते हैं। ग्रंथ बंद कर लो तो भी काम के और खोल के पृष्ठ में से कोई अच्छा विचार निकालो तो भी उपयोगी।

'टॉक्सिक' का ट्रेलर आया सामने

यश के लुक को देखकर यूजर्स ने की रणबीर की 'एनिमल' से तुलना

यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। खासकर यश के कुछ बोल्ड सीन और उनका गैंगस्टर लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है।

रणबीर कपूर से होने लगी तुलना

ट्रेलर देखने के बाद कई लोग यश के लुक और सीन की तुलना रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से करने लगे हैं। 'एनिमल' साल 2023 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। सोशल मीडिया पर फैंस के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कुछ लोगों को यश का अंदाज काफी पसंद आया, तो वहीं कई यूजर्स का कहना है कि उनका लुक और स्टाइल रणबीर कपूर से मिलता-जुलता है।

क्या बोले यूजर्स?

एक यूजर ने दोनों फिल्मों के सीन की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'यश ने रणबीर को कॉपी करने में पीएचडी कर ली है।'

वहीं दूसरे ने कहा, 'यह सीन देखकर मुझे 'एनिमल' की याद आ गई।'

कुछ लोगों ने तो 'टॉक्सिक' को सीधे तौर पर 'एनिमल' की कॉपी तक बता दिया।

हालांकि, कई फैंस ऐसे भी हैं जो यश का सपोर्ट कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, 'यश दिखाएंगे कि असली 'एनिमल' कैसा होता है।'

वहीं कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ बोल्ड सीन दिखाने से फिल्म 'एनिमल' जैसी नहीं बन सकती।

फिल्म 'टॉक्सिक' की स्टारकास्ट

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'?

ट्रेलर रिलीज होने के बाद अब फैंस जल्द ही फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

50 के हुए महेश बाबू, पत्नी और प्रियंका ने शेयर की बेहतरीन तस्वीर; राजामौली ने दिया खास तोहफा

साउथ के बेहतरीन अभिनेता महेश बाबू 9 अगस्त को अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके इस खास जन्मदिन पर फैंस के लिए एक सरप्राइज भी था। एसएस राजामौली ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की टीम के साथ मिलकर, महेश के किरदार 'रुद्र' की नई झलकियां दिखाकर इस मौके को खास बनाया है। इस मौके पर कई सेलेब्स ने महेश बाबू को जन्मदिन की बधाई दी है।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में महेश बाबू के साथ तस्वीर शेयर करते हुए एक कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा 'जन्मदिन की बधाई महेश बाबू। वाराणसी के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर पर निकली हूं।'

नम्रता शिरोडकर

वहीं अभिनेत्री और महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर परिवार के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा 'जन्मदिन की बधाई महेश बाबू। हर दिन को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया। आने वाला साल प्यार, अच्छी सेहत और ढेर सारी खुशियों से भरा हो। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं।'

चिरंजीवी

वहीं साउथ के दिग्गज कलाकार चिरंजीवी ने भी महेश बाबू को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'महेश बाबू आपको जन्मदिन की बधाई। पिछले कुछ वर्षों में, मुझे आपको भारतीय सिनेमा के सबसे मशहूर स्टार्स में से एक बनते हुए देखने से खुशी मिली है। भगवान आपका भला करे।'

एसएस राजामौली

वहीं साउथ के फिल्ममेकर एसएस

राजामौली ने महेश बाबू के जन्मदिन पर उनकी अपकमिंग फिल्म का उनका लुक जारी किया है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा 'सिर्फ उग्र होना ही उसका एकमात्र रूप नहीं है...वाराणसी में रुद्र।'

महेश बाबू का वर्कफ्रंट

महेश बाबू जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में महेश बाबू एक आर्कियोलॉजिस्ट का रोल निभा रहे हैं, जिन्हें एक खास मिशन के लिए चुना जाता है।

उनके साथ प्रियंका चोपड़ा का किरदार मंदाकिनी भी होगा, जो एक हिस्टोरियन और बेहतरीन शूटर है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन के रोल में नजर आएंगे। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नम्रता शिरोडकर

चिरंजीवी

रेड कार्पेट पर निकिता रावल के साथ हुआ चौंकाने वाला वाकया, फीमेल फैन ने किया जबरन किस; हैरान हुईं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस निकिता रावल के साथ हाल ही में रेड कार्पेट पर एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने सभी को हैरान कर दिया। दरअसल, एक फीमेल फैन सेल्फी लेने के बहाने उनके पास आई और फिर कुछ ऐसा कर गई, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

फैन ने किया जबरदस्ती किस

8 अगस्त को निकिता रावल एक इवेंट के रेड कार्पेट पर पोज दे रही थीं। तभी एक फैन उनके पास आई और उनसे सेल्फी की रिक्वेस्ट की। एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए फोटो के लिए हामी भर दी। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले फैन ने निकिता के गाल पर किस किया। इसके बाद उसने अचानक उन्हें अपनी तरफ खींचा और उनके होंठों पर किस कर दिया। यह देखकर निकिता एकदम चौंक गईं और खुद को पीछे हटाने की कोशिश करने लगीं।

असहज नजर आईं एक्ट्रेस

इतना ही नहीं, फैन बार-बार उन्हें पकड़कर किस करने की कोशिश करती रही। निकिता साफ तौर पर असहज नजर आईं और इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती दिखीं। आखिर में फैन ने उनके गाल पर एक और किस किया और वहां से चली गई।

निकिता रावल के बारे में

निकिता रावल ने बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में काम किया है।

उनका जन्म और पालन-पोषण मुंबई में हुआ है। उन्होंने 'ब्लैक एंड व्हाइट', 'मिस्टर हॉट मिस्टर कूल', 'द हीरो- अभिमन्यु', 'अम्मा की बोली', 'गरम मसाला' और 'क्यूट कमीना' जैसी फिल्मों में काम किया है। साल 2012 से वह तेलुगु सिनेमा से भी जुड़ी हुई हैं और अपने काम के लिए कई अवॉर्ड्स भी जीत चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा वह सामाजिक मुद्दों से जुड़े प्रोजेक्ट्स में भी सक्रिय रही हैं। जल्द ही निकिता रावल फिल्म 'रोटी कपड़ा और रोमांस' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अरशद वारसी और चंकी पांडे भी दिखाई देंगे।

क्या 19 साल छोटे लड़के को डेट कर रही हैं मलाइका अरोड़ा !

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा हमेशा से ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उनके ग्लैमरस लुक के अलावा फैंस उनकी लव लाइफ में भी काफी दिलचस्पी रखते हैं।

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा हमेशा से ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उनके ग्लैमरस लुक के अलावा फैंस उनकी लव लाइफ में भी काफी दिलचस्पी रखते हैं। अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका ने लंबे समय तक अर्जुन कपूर को डेट किया। हालांकि, दोनों का रिश्ता अब खत्म हो चुका है। इसके बाद अब मलाइका का नाम डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता के साथ जोड़ा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर्ष उम्र में मलाइका से करीब 19 साल छोटे हैं। ऐसे में एक बार फिर एक्ट्रेस के खुद से कम उम्र के पार्टनर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मलाइका को क्यों पसंद हैं छोटी उम्र के लड़के ?

हाल ही में हुए एक पॉडकास्ट के दौरान सीनियर एंटरटेनमेंट जर्नलिस्ट ने मलाइका के डेटिंग लाइफ के बार में भी चर्चा की। उन्होंने कहा उम्र में छोटे पार्टनर के साथ रिश्ते को लेकर कहा की किसी महिला का अपने से कम उम्र के पुरुष को डेट करना बिल्कुल भी सामान्य बात है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि जब पुरुष खुद से काफी कम उम्र की महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में होते हैं तो उनकी उम्र के अंतर को लेकर उतनी चर्चा या सवाल क्यों नहीं किए जाते ?

बड़े उम्र के पुरुष सफल महिला से होते हैं असहज

जर्नलिस्ट ने बताया की मलाइका एक बहुत ही आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सक्षम महिला हैं इसलिए यह जरुरी नहीं कि वह अपने लिए उम्र से बड़े पार्टनर को ही चुनें। उनके मुताबिक, संभव है कि कोई उम्रदराज पुरुष ऐसे महिला के साथ सहज महसूस न करे जो अपने करियर में सफल होने के साथ-साथ अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने में सक्षम हो।

मलाइका को नहीं मिल रहा अपने लेवल का पार्टनर

इसके बाद जर्नलिस्ट ने बहुत ही चौकानें वाली बात बताई। उन्होंने कहा शायद मलाइका को अभी तक अपने बराबर की सोच वाला पार्टनर नहीं मिला है। उनका मानना है कि कई पुरुष अपने से ज्यादा सफल या लोकप्रिय महिला के साथ रिश्ते में आने को लेकर सहज नहीं होते। इसके पीछे पुरुषों का अहंकार या ईगो भी एक बड़ी वजह हो सकता है।

मलाइका ने नहीं की कोई पुष्टि

आपको बता दे कि मलाइका अरोड़ा ने अभी तक डेटिंग लाइफ को लेकर कोई पुष्टि नहीं की है। उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर सामने आने वाली बातें सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स और चर्चाओं पर आधारित हैं। ऐसे में वह अपने पार्टनर का चुनाव किस सोच के साथ करती हैं, इसका सही जवाब खुद मलाइका ही दे सकती हैं। फिलहाल, उम्र के अंतर को लेकर हो रही तमाम चर्चाओं के बावजूद मलाइका अपनी जिंदगी और करियर को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ाती नजर आ रही हैं।

कजिन अलाना की प्रेग्नेंसी पर खुश हुईं अनन्या पांडे, फैमिली में आने वाला है नया मेहमान

अलाना और उनके पति आइवर मैकक्रे जल्द ही अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। इस खबर के बाद पूरा परिवार खुशी से झूम उठा है। अलाना ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह अपने बेटे रिवर के साथ गार्डन में वॉक करती नजर आती हैं। थोड़ी देर बाद उनके पति आइवर भी वहां आते हैं और तीनों साथ में एक प्यारा सा मोमेंट शेयर करते हैं।

वीडियो में अलाना अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखती हैं, वहीं आइवर और रिवर उन्हें गले लगाते नजर आते हैं। वीडियो में उनके बेबी की सोनोग्राफी की झलक भी दिखाई गई है, जिस पर 'कमिंग सून' लिखा हुआ है। इस

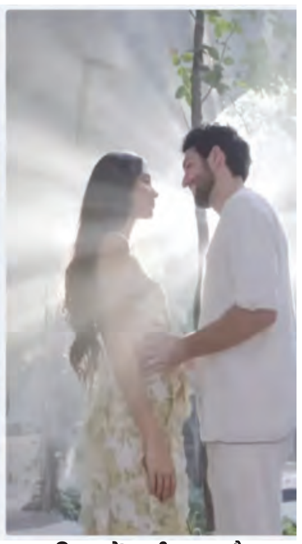

पोस्ट के साथ अलाना ने कैप्शन में लिखा, 'वन मोर टू लव।'

परिवार में खुशी का माहौल

इस खुशखबरी के बाद परिवार और दोस्तों ने उन्हें ढेर सारी बधाइयां दीं। अलाना की मां ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा- 'दूसरी बार दादी बन रही हूं। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दे।' वहीं अनन्या पांडे ने भी अपनी कजिन की इस गुड न्यूज को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और दिल व नजर वाला इमोजी लगाकर अपनी खुशी जाहिर की।

कौन हैं अलाना पांडे?

अलाना पांडे, चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे और फिटनेस एक्सपर्ट डियान पांडे की बेटी हैं।वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। अलाना 2024 में करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्राइब' से स्क्रीन डेब्यू कर चुकी हैं।

इन दिनों क्या कर रही हैं की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत? ऑफ शोल्डर ड्रेस में तस्वीरें शेयर कर दी जानकारी

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

रुक्मिणी की पोस्ट में क्या है?

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने क्रीम रंग के ऑफ शोल्डर गाउन में तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह आसमान देख रही हैं। उन्होंने बहुत हल्की सिल्वर कलर की ज्वैलरी पहनी है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है। उनके इस स्टाइल के पीछे आस्था शर्मा और मुस्कान मट्टा का हाथ है।

यूजर्स ने की अभिनेत्री की तारीफ

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है।

क्या है रुक्मिणी का किरदार?

आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। कल रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

विदेश पढ़ने जा रहे हैं तो 'स्किल डेवलपमेंट वाले कोर्स चुनें'

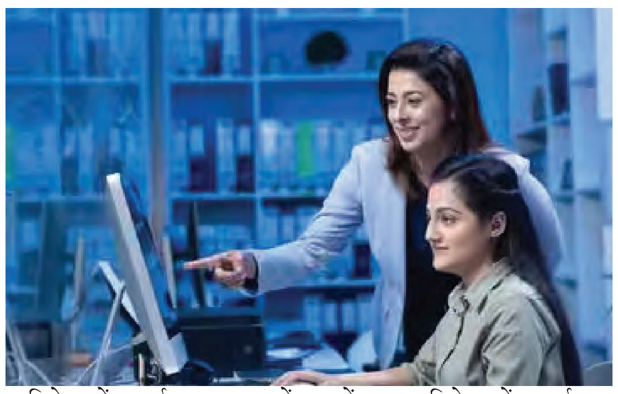

विदेश में पढ़ाई करना लाखों भारतीयों का ख्वाब रहा है, तभी तो हर साल बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक में एडमिशन लेते हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स को लगता है कि कोई मशहूर यूनिवर्सिटी चुनो, कोई पॉपुलर देश चुनो और बाकी चीजें अपने-आप हो जाएंगी। मगर विदेश में पढ़ने का ये फॉर्मूला अब धीरे-धीरे बदल रहा है। स्टूडेंट्स को एडमिशन से पहले कई सारी बातों का ख्याल रखना होता है।

जो भारतीय छात्र अपनी इंटरनेशनल पढ़ाई से असल फायदा चाहते हैं, उन्हें किसी बड़े ब्रांड के पीछे भागने वाले टूरिस्ट की तरह नहीं, बल्कि करियर की प्लानिंग बनाने वाले प्रोफेशनल की तरह सोचना होगा। सिटी सेंट जॉर्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की स्टडी में पाया गया है कि 97% भारतीय ऐसी एजुकेशन चाहते हैं जो सीधे करियर की ओर ले जाए।

भारतीय विदेश में पढ़ाई के लिए जगह चुनते समय वे वर्क एक्सपीरियंस, नौकरी पाने की काबिलियत और असल दुनिया के स्किल्स को जरूरी मानते हैं। अब यहां सवाल उठता है कि उन्हें किन बातों का ख्याल रखकर विदेश में एडमिशन लेना चाहिए। इसका जवाब हमें ग्लोबल एजुकेशन मेंटर और स्टडी अब्रॉड एक्सपर्ट ने दिया है। उनके मुताबिक मौजूदा समय में स्किल डेवलपमेंट वाले कोर्स चुनना बेहद जरूरी है।

किन बातों का ख्याल रखकर लें विदेश में एडमिशन?

2026 में विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले छात्रों को सिर्फ यूनिवर्सिटी की लोकप्रियता देखने के बजाय, ऐसे कोर्स चुनने चाहिए जो उनके स्किल डेवलपमेंट और भविष्य के करियर को मजबूत करें। अब विदेश में पढ़ाई का मतलब सिर्फ डिग्री लेना नहीं, बल्कि सही अनुभव और व्यावहारिक कौशल हासिल करना है।

एडमिशन से पहले छात्रों के लिए जरूरी सलाह

स्टूडेंट को सिर्फ यूनिवर्सिटी के बड़े नाम के पीछे भागने की जरूरत नहीं है। उसे ये देखना चाहिए कि वहां से डिग्री लेकर क्या उसे इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और नौकरी मिलेगी।

जनरल डिग्री के बजाय ऐसे टेक्निकल और बिजनेस कोर्स चुनने चाहिए, जिनकी डिमांड बाजार में हो और जिससे सीधे तौर पर जॉब मिलने की संभावना हो।

किसी भी देश में एडमिशन लेने से पहले वहां के वर्क परमिट और पढ़ाई के बाद रुकने के नियमों की पूरी जानकारी पहले ही लेना जरूरी है।

सिर्फ ट्यूशन फीस की तुलना न करें, बल्कि यह देखें कि उस कोर्स को करने के बाद कितनी सैलरी मिलेगी और खर्च की गई रकम कितने समय में वसूल होगी।

आमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के अलावा जर्मनी, फ्रांस जैसे अन्य देशों के विकल्पों पर भी विचार करें, जहां पढ़ाई सस्ती और बेहतर हो सकती है।

अगर आप इन बातों का ख्याल रखते हुए विदेश में पढ़ने जाते हैं, तो फिर आपको किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि आपके लिए डिग्री लेकर सफल होने का दरवाजा भी खुल जाएगा। बहुत से छात्र इस साल विदेश में एडमिशन लेंगे, उन सभी को इसका ख्याल रखते हुए ही दाखिला लेना चाहिए।

5000 मेडिकल सीटें बढ़ाने वाली है सरकार
सबसे ज्यादा कर्नाटक में, यूपी चौथे नंबर पर

अब 86,000 से ज्यादा पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें उपलब्ध हैं और अगले चार सालों में 5,000 और सीटें जोड़ने की तैयारी की जा रही है। इसके जरिए केंद्र सरकार भारत के स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर वर्कफोर्स को मजबूत करने और एडवांस्ड मेडिकल ट्रेनिंग तक पहुंच बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है।

नीट पीजी एग्जाम 30 अगस्त 2026 को होगा। परीक्षा से ठीक पहले केंद्र सरकार मेडिकल सीटें बढ़ाने वाली है। केंद्र सरकार ने हाल ही में लोकसभा को बताया कि भारत में कुल 86,360 पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें हैं। साथ ही, सरकार ने देश भर में मेडिकल एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए नई पहल की घोषणा की।

5000 नई सीटें जोड़ने की तैयारी कर रहे सरकार

स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के प्रयासों के तहत, सरकार ने अगले चार वर्षों में 5,000 अतिरिक्त PG मेडिकल सीटें बनाने की योजना को मंजूरी दी है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा में पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन के विस्तार से जुड़े एक सवाल के जवाब में दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजना के फेज-III को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य मौजूदा राज्य और केंद्र

सरकार के मेडिकल कॉलेजों, स्टैंडअलोन पोस्टग्रेजुएट संस्थानों और सरकारी अस्पतालों को मजबूत और अपग्रेड करना है।

इस योजना के तहत, वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2028-29 के बीच 5,000 नई पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। सरकार ने प्रति सीट लागत सीमा को बढ़ाकर 1.50 करोड़ रुपये करके योजना के तहत वित्तीय सहायता भी बढ़ाई है, जो मेडिकल एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश का संकेत है। इससे पोस्टग्रेजुएट मेडिकल ट्रेनिंग तक पहुंच बेहतर होने और देश भर में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी को दूर करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सबसे ज्यादा इन राज्यों में पीजी मेडिकल सीटें

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों के अनुसार, भारत में सबसे अधिक पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें कर्नाटक में हैं। इसके बाद, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश का नंबर आता है।

नए कॉलेजों के लिए NMC ने बनाए नियम

केंद्र सरकार ने बताया कि नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) ने 'पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशंस (PGMER), 2023' और 'पोस्ट ग्रेजुएट मिनिमम स्टैंडर्ड्स रिक्वायरमेंट, 2024' के जरिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाया है।

इन नियमों के तहत, जो मेडिकल कॉलेज नए पोस्टग्रेजुएट कोर्स शुरू करना चाहते हैं या मौजूदा सीटों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें फैकल्टी की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, हॉस्पिटल की सुविधाओं और क्लिनिकल मटीरियल से जुड़े तय मानकों को पूरा करना होगा। मंजूरी देने से पहले इन जरूरतों के आधार पर प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है। इस फ्रेमवर्क का मकसद यह पक्का करना है कि मेडिकल एजुकेशन के विस्तार से ट्रेनिंग की क्वालिटी पर कोई असर न पड़े।

2014 से PG मेडिकल सीटें कितनी बढ़ीं?

केंद्र सरकार ने साल-दर-साल के आंकड़े भी पेश किए, जिनसे पता चलता है कि पिछले दशक में पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल सीटों की मंजूरी में काफी बढ़ोतरी हुई है। 2014-15 में, NMC ने 415 सीटों को मंजूरी दी थी, जबकि NBEMS ने 612 सीटों को मंजूरी दी थी। इन सालों में यह संख्या लगातार बढ़ती गई।

NMC की सबसे ज्यादा मंजूरी 2025-26 में मिलीं, जब 9,084 पोस्ट-ग्रेजुएट सीटों को मंजूरी दी गई। उसी साल, NBEMS ने 2,009 सीटों को मंजूरी दी। इससे पहले, 2024-25 में NMC ने 4,188 सीटों और NBEMS ने 1,667 सीटों को मंजूरी दी थी। 2023-24 में, मंजूरी की संख्या क्रमशः 4,713 और 1,209 सीटें थीं।

सरकार ने बताया कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों और डीम्ड यूनिवर्सिटीज में 50 प्रतिशत सीटों के लिए फीस तय करने से जुड़े NMC के 2022 के दिशा-निर्देश अभी अदालती समीक्षा के दायरे में हैं। हालांकि, NBEMS प्रोग्राम (जिनमें DNB, DrNB, फेलोशिप ऑफ नेशनल बोर्ड (FNB) और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं) की फीस केंद्रीय रूप से तय की जाती है और पूरे देश में एक जैसी रहती है। इनकी सालाना कोर्स फीस 1.25 लाख रुपये है।

बीए, बीकॉम, बीटेक, एमबीए... कौन-सी डिग्री देती है नौकरी की कितनी गांरटी

सबसे ज्यादा नौकरियां दिलाने वाली डिग्रियां

रैंक	डिग्री	रोजगार योग्यता (%)
1	MBA	72.76%
2	B.E./B.Tech	70.15%
3	MCA	68.25%
4	Commerce	62.81%
5	Science	61%
6	Pharmacy	58%
7	Arts	55.55%
8	ITI	45.95%
9	Polytechnic	32.92%

देशभर में कॉलेज एडमिशन का दौर जारी है। 12वीं के बाद कौन-सा कोर्स करना चाहिए? अधिकतर छात्रों के लिए इस वक्त यही सबसे बड़ा सवाल है। ऐसे में ' India Skills Report 2026 ' करियर चुनने को लेकर काफी मदद कर सकती है। क्योंकि जब कॉलेज, छात्र और रिक्रूटर 'सबसे ज्यादा नौकरी दिलाने वाली' डिग्री के बारे में बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर टेक्नोलॉजी की तरफ ही झुकी होती है, लेकिन 'इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2026' में कुछ चौंकाने वाले बदलाव सामने आए हैं।

जैसा कि उम्मीद थी, लिस्ट में सबसे ऊपर टेक्नोलॉजी से जुड़ी डिग्रियां ही हैं। लेकिन लिस्ट के बीच में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। MBA करने वालों की नौकरी पाने की क्षमता (employability) कम हुई है, जबकि कॉमर्स और वोकेशनल स्ट्रीम तेजी से आगे बढ़ी हैं। यह डिजिटल-फर्स्ट इकॉनमी में एम्प्लॉयर की बदलती पसंद को दिखाता है, जो बीते 7 सालों के डेटा के आधार पर तैयार की गई है। यह रिपोर्ट एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस (ETS) द्वारा कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII), AICTE, AIU और टैग्ड के सहयोग से जारी की जाती है।

रिपोर्ट के आधार पर पिछले सात साल के डेटा में सामने आया है कि 2026 में MBA ग्रेजुएट्स की रोजगार क्षमता 72.76 प्रतिशत पर आ गई है, जो 2020 में 54 थी। हालांकि 2025 के 78% से गिरी भी है। इसी तरह बीई/बीटेक डिग्री की रोजगार क्षमता भी पिछले सात सालों में बेहतर हुई है, लेकिन 2025 के मुकाबले 1.35% घटी है। बीए आर्ट्स, बीकॉम, बीएससी, आईटीआई और पॉलिटेक्निक की रोजगार क्षमता में सुधार हुआ है।

ये 9 डिग्रियां दिलाती हैं सबसे ज्यादा नौकरियां

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2026 के 7 साल के डेटा के अनुसार, सबसे ज्यादा नौकरियों दिलाने के मामले में इन 9 डिग्रियों को शामिल किया गया है। हालांकि, इसमें मेडिकल को शामिल नहीं किया गया है। क्योंकि यह रिपोर्ट कॉर्पोरेट हायरिंग, कैंपस प्लेसमेंट और निजी क्षेत्र के जॉब ट्रेंड्स का असेसमेंट करती है। वहीं मेडिकल फील्ड के ग्रेजुएट्स का असेसमेंट क्लिनिकल ट्रेनिंग या प्रैक्टिकल मेडिकल स्किल्स पर होता है।

अगर आप अपने करियर का रास्ता तय कर रहे हैं या छात्रों को सलाह दे रहे हैं, तो अब इसका फॉर्मूला थोड़ा अलग और बारीक हो गया है। बात सिर्फ यह नहीं है कि आप क्या पढ़ते हैं, बल्कि यह है कि आप उसे कैसे पढ़ते हैं। इसलिए ऐसी डिग्री चुनें जो आपको डिजिटल स्किल्स, अपने फील्ड की अच्छी जानकारी और प्रैक्टिकल लर्निंग दे, क्योंकिअब सिर्फ डिग्री होना काफी नहीं है। युवाओं को स्किल्स, स्पेशलाइजेशन और असल दुनिया में काम आने वाली जानकारी को लेकर अपडेट रहना होगा।

विदेश में नहीं लग रहा भारतीय छात्रों का मन! सर्वे में 81% ने कहा- डिग्री लेकर लौट आएंगे भारत

जब कोई भारतीय छात्र विदेश में पढ़ने की प्लानिंग करता है, तो वो सिर्फ डिग्री लेने नहीं जा रहा होता है। कहीं न कहीं उसका इरादा डिग्री लेकर पहले वहां जॉब करना होता है और फिर समय के साथ वहीं बस जाना भी होता है। भारत में लोग विदेश में पढ़ाई को वहीं बसने का एक रास्ता भी मानते हैं। तभी तो हर साल लाखों भारतीय स्टूडेंट्स पराए मुल्कों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही ऐसे हैं, जो वापस लौटकर आते हैं।

हालांकि, समय के साथ चीजें बदल रही हैं और हायर एजुकेशन सेक्टर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारतीय स्टूडेंट सिर्फ विदेश में पढ़ाई करने ही जाना चाहते हैं और डिग्री मिलने के साथ ही वे भारत लौटकर आना चाहते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि एक सर्वे में ये रिजल्ट सामने आया है। इससे ये मालूम चलता है कि भारतीयों के लिए विदेश में पढ़ाई भले ही पॉपुलर है, लेकिन उन्हें अपना देश भी प्यारा है।

पढ़ाई पूरी कर भारत लौटना चाहते हैं स्टूडेंट्स

ऑक्सफर्ड इंटरनेशनल के एक सर्वे में पाया गया है कि विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे ज्यादातर भारतीय छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटने की

उम्मीद रखते हैं। सर्वे में शामिल 81% छात्रों ने कहा कि वे वापस आना चाहते हैं। लगभग 10 में से 9 लोगों ने बताया कि वे अपने परिवार में विदेश में पढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति थे, जबकि लगभग आधे लोगों ने कहा कि विदेश में पढ़ने का फैसला उनका अपना था।

ये नतीजे ऑक्सफर्ड इंटरनेशनल के 'स्टूडेंट ग्लोबल मोबिलिटी इंडेक्स' के तीसरे एडिशन में सामने आए हैं। इस स्टडी में मुख्य सर्वे के सवालों के 17,925 जवाबों के साथ-साथ लगभग 2,400 अतिरिक्त जवाबों को भी शामिल किया गया। इन अतिरिक्त जवाबों में कोर्स की पसंद, पारिवारिक बैकग्राउंड, जानकारी का सोर्स और पढ़ाई के बाद की प्लानिंग जैसे सब्जेक्ट पर जानकारी ली गई थी।

सर्वे में और क्या-क्या सामने निकलकर आया है?

सर्वे में शामिल 15% और लोगों ने कहा कि वे ग्रेजुएशन के बाद नौकरी के लिए अप्लाई करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे भारत में काम करना चाहते हैं या विदेश में। सर्वे से पता चला है कि विदेश में पढ़ाई करने के बारे में खुद से फैसला लेने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खुद से प्रेरित आवेदकों का हिस्सा 2023-24 में 29% से बढ़कर 2024-25 में 34% हो गया और 2025-26 में 49% तक पहुंच गया।

युवा स्टूडेंट्स परिवार के मार्गदर्शन पर अधिक निर्भर थे, जबकि उम्र में बड़े आवेदक अपने फैसले खुद ले रहे थे। उत्तर और दक्षिण भारत के छात्रों में सेल्फ-मोटिवेशन सबसे ज्यादा थी, जबकि पश्चिम और मध्य क्षेत्रों में पारिवारिक प्रभाव सबसे मजबूत बना रहा। पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज छात्रों की पसंद में हावी रहे, जिसमें 10 में से 7 स्टूडेंट्स ने मास्टर या अन्य पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज के लिए अप्लाई किया। बिजनेस और मैनेजमेंट सबसे पॉपुलर फील्ड थे, जिसे 75% उत्तरदाताओं ने चुना। इसके बाद 8% के साथ हेल्थ और मेडिसिन, जबकि साइंस की हिस्सेदारी 2% और इंजीनियरिंग की 1% रही।

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी में फ्रेशर्स के लिए नौकरी, मिलेंगे 80000 रुपये महीना

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में एसोसिएट कंसल्टेंट (टेक्निकल-ईसीई) पद के लिए आवेदन मांगे हैं। इस भर्ती की खास बात यह है कि फ्रेशर्स भी आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार के पास पहले से काम करने का अनुभव होना अनिवार्य नहीं है। इच्छुक उम्मीदवार टीआरएआई के आधिकारिक भर्ती पोर्टल vacancies.trai.gov.in के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भर्ती से जुड़ी जरूरी बातें

आवेदन की अंतिम तारीखः 27 अगस्त 2026

कार्यस्थलः टीआरएआई मुख्यालय, नई दिल्ली

पदः एसोसिएट कंसल्टेंट (टेक्निकल-ईसीई)

शैक्षणिक योग्यता क्या चाहिए?

इस पद के लिए उम्मीदवार के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में बीटेक (BTech) या बीई (BE) की डिग्री होनी चाहिए। डिग्री इन विषयों में होनी चाहिएः इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन, टेलीकम्युनिकेशन

इन विषयों का संयोजन

इसके अलावा एमई, एमटेक, एमबीए या पीएचडी जैसी उच्च योग्यताएं रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि पूर्व कार्य अनुभव अनिवार्य नहीं है।

उम्मीदवार की उम्र 30 वर्ष से कम होनी चाहिए।

उम्र की गणना 6 अगस्त 2026 के आधार पर की जाएगी।

चयनित उम्मीदवार को हर महीने 80,000 रुपये का निश्चित वेतन दिया जाएगा।

इसके अलावा 8,000 रुपये प्रति माह परिवहन भत्ता भी मिलेगा।

शुरुआत में नियुक्ति एक साल की अवधि के लिए होगी। उम्मीदवार के प्रदर्शन और संगठन की जरूरत के आधार पर TRAI इस अवधि को आगे बढ़ा सकता है।

एसोसिएट कंसल्टेंट की क्या जिम्मेदारियां होंगी?

चयनित उम्मीदवार दूरसंचार और प्रसारण से जुड़े तकनीकी और विकास संबंधी अध्ययनों पर काम करेंगे। मुख्य जिम्मेदारियों में शामिल हैंः

तकनीकी और विकास से जुड़े विषयों का अध्ययन करना

अलग-अलग पहलुओं का विश्लेषण करना

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही व्यवस्थाओं का अध्ययन करना

परामर्श पत्र तैयार करने में काम करना

सिफारिशों से जुड़े काम करना

आंकड़ों का विश्लेषण करना

उम्मीदवारों का चयन चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयन के दौरान कई पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा। इनमें मुख्य रूप से शामिल हैंः

शैक्षणिक योग्यता , अनुभव, संचार कौशल, इंटरव्यू में प्रदर्शन,

चयनित उम्मीदवारों को टीआरएआई के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में कार्यभार संभालना होगा।

योग्य उम्मीदवारों को केवल टीआरएआई के आधिकारिक भर्ती पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के लिए इन चरणों का पालन करेंः टीआरएआई के आधिकारिक भर्ती पोर्टल पर जाएं।

'Apply Online' लिंक पर क्लिक करें।

मांगी गई सभी जानकारी दर्ज करें।

जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन प्रक्रिया पूरी करके उसे जमा करें।

एयरपोर्ट अथॉरिटी में 389 पदों पर आवेदन शुरू
सिविल और फाइनेंस समेत कई पदों पर होगी भर्ती

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने मैनेजर और जूनियर एग्जीक्यूटिव पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। इस भर्ती के तहत कुल 389 पदों को भरा जाएगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 7 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती के तहत सिविल, इलेक्ट्रिकल, फाइनेंस, सूचना प्रौद्योगिकी (IT), आर्किटेक्चर, विधि, फायर सर्विसेज, ऑपरेशंस, कमर्शियल, कॉर्पोरेट प्लानिंग, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सर्वे एवं कार्टोग्राफी जैसे विभिन्न विभागों में मैनेजर और जूनियर एग्जीक्यूटिव पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

पद का नाम मैनेजर और जूनियर एग्जीक्यूटिव

कुल रिक्तियां 389

आवेदन की अंतिम तिथि 7 सितंबर 2026

शैक्षणिक योग्यता पद के अनुसार अलग-अलग

आयु सीमा अधिकतम 27 से 32 वर्ष (पद अनुसार)

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन कई चरणों के आधार पर किया जाएगा। आवेदन फॉर्म में दी गई जानकारी सही और पूरी होनी चाहिए, क्योंकि गलत या भ्रामक जानकारी मिलने पर उम्मीदवार का आवेदन रद्द किया जा सकता है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर आवेदन पत्र के आधार पर ही दिया जाएगा।

सबसे पहले उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा देनी होगी। इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन और इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।

मैनेजर (फायर सर्विसेज) पद के लिए फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट, ड्राइविंग टेस्ट और शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) भी होगी। मैनेजर (एयरपोर्ट ऑपरेशंस) और जूनियर एग्जीक्यूटिव (एयरपोर्ट ऑपरेशंस) पदों के लिए वैध लाइट मोटर व्हीकल (LMV) लाइसेंस होना अनिवार्य है। दस्तावेज सत्यापन के दौरान सभी मूल प्रमाणपत्रों की जांच की जाएगी।

आवेदन कैसे करें?

AAI की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

भर्ती सेक्शन में लिंक पर क्लिक करें।

पहले रजिस्ट्रेशन करें और लॉगिन आईडी व पासवर्ड बनाएं।

लॉगिन करके आवेदन फॉर्म में सभी जरूरी जानकारी भरें।

अपनी फोटो, हस्ताक्षर और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट करें और आवेदन पत्र का प्रिंटआउट/पीडीएफ सुरक्षित रख लें।

ग्रेजुएट्स के लिए इंडियन ओवरसीज बैंक में 250 एलबीओ पदों पर निकली भर्ती

इंडियन ओवरसीज बैंक ने लोकल बैंक ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती अभियान के जरिए बैंक में कुल 250 पद भरे जाएंगे। यह भर्ती राज्यवार है। यानी चयनित उम्मीदवारों की पोस्टिंग उसी राज्य में की जाएगी, जिसके लिए उन्होंने आवेदन किया है। योग्य उम्मीदवार 8 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया बैंक की आधिकारिक वेबसाइट iob.bank.in पर पूरी होगी।

किस राज्य में कितनी वैकेंसी हैं?

इस भर्ती अभियान के माध्यम से चार राज्यों में कुल 250 वैकेंसी भरी जाएंगी। इन 250 रिक्तियों में तमिलनाडु में 100, कर्नाटक में 50, महाराष्ट्र में 50 और गुजरात में 50 वैकेंसी हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री या केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

लोकल बैंक ऑफिसर की सैलरी कितनी होती है?

चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति असिस्टेंट मैनेजर (स्केल-I) के रूप में होगी। पद का वेतनमान 48,480 रुपये से 85,920 रुपये तक है। इसके अलावा नियमानुसार डीए, एचआरए, सीसीए सहित अन्य भत्ते भी दिए जाएंगे। इस भर्ती की खास बात यह है कि चयनित उम्मीदवारों की पोस्टिंग उनके आवेदन वाले राज्य में ही की जाएगी। उन्हें कम से कम 12 साल या एसएमजीएस-IV में प्रमोशन होने तक उसी राज्य में सेवा देनी होगी।

चयन कैसे होगा?

लोकल बैंक ऑफिसर पद के लिए चयन तीन चरणों में होगा।

सबसे पहले ऑनलाइन परीक्षा होगी।

ऑनलाइन परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटे होगी। इसमें कुल 140 प्रश्न होंगे और अधिकतम 200 अंक होंगे।

परीक्षा में गलत उत्तर देने पर निगेटिव मार्किंग भी होगी। ऑनलाइन परीक्षा में अनारक्षित और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत और एससी, एसटी, ओबीसी और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं।

आवेदन कैसे करें?

उम्मीदवार सबसे पहले इंडियन ओवरसीज बैंक की आधिकारिक वेबसाइट iob.bank.in पर जाएं।

इसके बाद करियर सेक्शन में "Recruitment of Local Bank Officers – 2026-27" लिंक पर क्लिक करें।

यहां से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

रजिस्ट्रेशन के बाद प्राप्त रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करें।

आवेदन फॉर्म में व्यक्तिगत, शैक्षणिक और अन्य जरूरी जानकारी भरें।

इसके बाद पासपोर्ट साइज फोटो, हस्ताक्षर, बाएं हाथ के अंगूठे का निशान और उम्मीदवार की अपनी लिखावट में अंग्रेजी में हस्तलिखित घोषणा अपलोड करें। आवेदन शुल्क जमा करने के बाद फॉर्म को अंतिम रूप से सबमिट करें। भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन फॉर्म और ई-रसीद का प्रिंटआउट सुरक्षित रखना होगा।

यूपीआई पर एमडीआर को लेकर क्या है नया नियम? ग्राहक देंगे चार्ज या मर्चेंट

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। यूपीआई से पेमेंट करने वालों के लिए फिलहाल राहत की खबर है. सरकार ने साफ किया है कि ग्राहकों से यूपीआई पेमेंट पर कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा. अगर भविष्य में मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लागू होता है, तो इसका असर चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर होगा, ग्राहकों पर नहीं. यूपीआई पर एमडीआर को लेकर यह चर्चा लोकसभा से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल, 2026 पास होने के बाद तेज हुई. बिल में कुछ इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लगाने से जुड़ी कानूनी रोक हटाई गई है. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि यूपीआई पर अभी एमडीआर लगा दिया गया है.

एमडीआर लगा तो पैसे कौन देगा?

अगर एमडीआर लागू किया जाता है, तो इसका भुगतान पात्र मर्चेंट को करना होगा. यानी दुकान पर यूपीआई से पेमेंट करने वाले ग्राहक से अलग से एमडीआर नहीं वसूला जाएगा. सरकार ने यह भी कहा है कि ज्यादातर मर्चेंट ट्रांजैक्शन फ्री ही रहेंगे. एमडीआर सिर्फ तय सीमा से ऊपर होने वाले कुछ चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जा सकता है. पहले आई रिपोर्ट्स में 2,000 रुपये से ज्यादा के मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लगाने की संभावना जताई गई थी. रॉयटर्स के मुताबिक, एक प्रस्ताव में बड़े मर्चेंट के लिए 0.3% से 0.5% एमडीआर की चर्चा हुई थी. हालांकि, सरकार ने अभी न तो कोई लिमिट तय की है और न ही एमडीआर की दर घोषित की है.

आम ग्राहक के लिए क्या बदलेगा?

फिलहाल कुछ नहीं. फाइनेंस मिनिस्ट्री ने साफ किया है कि पर्सन-टू-पर्सन यानी P2P यूपीआई ट्रांजैक्शन फ्री रहेंगे. यानी किसी दोस्त, रिश्तेदार या दूसरे व्यक्ति को यूपीआई से पैसे भेजने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा. मर्चेंट पेमेंट में भी ज्यादातर ट्रांजैक्शन फ्री रहने की बात कही गई है. इसलिए रोजमर्रा में दुकान, चाय की दुकान या पड़ोस के स्टोर पर किए जाने वाले सामान्य यूपीआई पेमेंट को लेकर ग्राहकों को फिलहाल चिंता करने की जरूरत नहीं है.

फिर एमडीआर की जरूरत क्यों पड़ रही है?

यूपीआई का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उससे इसका डिजिटल पेमेंट नेटवर्क काफी बड़ा हो चुका है. जुलाई 2026 में यूपीआई ने रिकॉर्ड 2,366 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए. इनकी कुल वैल्यू 29.9 लाख करोड़ रुपये रही. सरकार का कहना है कि यूपीआई के लगातार विस्तार, सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट के लिए टिकाऊ रेवेन्यू मॉडल की जरूरत है. ग्रामीण और सेमी-अर्बन इलाकों में डिजिटल पेमेंट बढ़ने के साथ यह जरूरत और अहम हो गई है.

क्या यूपीआई पर अभी एमडीआर लागू हो गया है?

नहीं, कानून में बदलाव से भविष्य में एमडीआर का फ्रेमवर्क बनाने का रास्ता खुला है, लेकिन अभी कोई एमडीआर दर या ट्रांजैक्शन लिमिट लागू नहीं की गई है. सरकार के मुताबिक, एमडीआर को लेकर अंतिम फैसला NPCI की अगुवाई वाली यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी. इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10A में बदलाव की प्रक्रिया भी पूरी होनी है.

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

एसबीआई टॉप गेनर, वैल्यू 63,922 करोड़ बढ़ी; एलआईसी को सबसे ज्यादा नुकसान

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बीते हफ्ते देश की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 के मार्केट कैपिटलाइजेशन में कुल लगभग 1.43 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। हफ्ते के दौरान मार्केट कैप बढ़ाने वाली 4 कंपनियों में एसबीआई के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और लार्सन एंड टुब्रो शामिल रहीं। एसबीआई के मार्केट कैप में 63,922.03 करोड़ की सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही बैंक की कुल मार्केट वैल्युएशन बढ़कर 10.12 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई।

रिलायंस की वैल्यू 32,816 करोड़ बढ़ी

वहीं रिलायंस की मार्केट वैल्यू 32,816.4 करोड़ बढ़कर 18,01,925.19 करोड़ हो गई। इसके अलावा टीसीएस की वैल्यू में 31,875.35 करोड़ का उछाल आया और इसका टोटल मार्केट कैप 8.87 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वहीं एलएंडटी का मार्केट कैप 14,637.76 करोड़ बढ़कर 5,56,482.45 करोड़ हो गया है।

एलआईसी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ

दूसरी तरफ टॉप-10 में शामिल अन्य 6 बड़ी कंपनियों की वैल्युएशन कुल मिलाकर 1.23 लाख करोड़ घटी है। यह 6 कंपनियां भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर हैं। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है।

इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है। मान लीजिए... कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ x 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

गोबरधन योजना से देश का गैस आयात बिल 5 अरब डॉलर घटने की उम्मीद

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय बायोगैस संघ का मानना है कि सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की 'गोबरधन' योजना आने वाले सालों में देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को करीब 5 अरब डॉलर तक कम करने में मदद कर सकती है। ये योजना कृषि अवशेष, गोबर और अन्य जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित है। आईबीए के अनुसार, हाल में मंजूर की गई गोबरधन (गैल्वानाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना को केवल सरकारी खर्च के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश के तौर पर देखा जाना चाहिए।

प्राकृतिक गैस की जरूरत का करीब 50 प्रतिशत आयात करता है भारत

भारतीय बायोगैस संघ ने कहा कि ये योजना से ऊर्जा क्षेत्र के अलावा ग्रामीण विकास, कृषि उत्पादकता, रोजगार और पर्यावरण के क्षेत्र में भी व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। संघ ने कहा कि इस योजना से सबसे बड़ा आर्थिक लाभ प्राकृतिक गैस के आयात में कमी के रूप में सामने आ सकता है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का करीब 50 प्रतिशत आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में 15.2 अरब डॉलर का बना था गैस आयात बिल

आईबीए के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में एलएनजी का आयात बिल करीब 15.2 अरब डॉलर रहा था।

संघ का अनुमान है कि आने वाले सालों में अगर करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट पूरी क्षमता के साथ संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात से जुड़े व्यापार घाटे में करीब एक-तिहाई की कमी लाई जा सकती है। इससे लगभग 5 अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) की बचत संभव है।

उर्वरक आयात के बिल में भी गिरावट संभव

आईबीए ने कहा कि योजना से उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को कम करने में भी मदद मिल सकती है। वित्त वर्ष 2024-25 में उर्वरक आयात का बिल करीब 18 अरब डॉलर रहा था। आईबीए का अनुमान है कि 1,500 सीबीजी प्लांट के संचालन और बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाने से उर्वरक आयात में कम से कम 5 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है। इससे चालू खाते के घाटे में करीब एक अरब डॉलर की कमी आ सकती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा होंगी नौकरियां

संघ ने कहा कि गोबरधन योजना से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इससे कुशल और अर्द्ध-कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार की मेटा को दो टूक, भारत में नहीं चलेगी मनमानी, दे डाली चेतावनी!

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार और मेटा के बीच ऑनलाइन कंटेंट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लेकर बातचीत जारी है. इस बीच सरकार ने मेटा को साफ कर दिया है कि भारत में किसी तरह की मनमानी नहीं चलेगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार ने कहा है कि मेटा को भारत में काम करते समय सिर्फ अपनी ग्लोबल पॉलिसी के आधार पर नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों के अनुसार भी काम करना होगा. सरकार का कहना है कि मेटा की गाइडलाइंस और कंटेंट पॉलिसी भारत के कानूनों के अनुरूप होनी चाहिए. रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार ने मेटा को अपने एल्गोरिदम को पूरी तरह बदलने का नहीं कहा है. सरकार की मुख्य चिंता यह है कि प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की निगरानी और उसे हटाने की प्रक्रिया भारत के कानून और यहां की परिस्थितियों के हिसाब से हो. सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत की भाषाएं और सांस्कृतिक परिस्थितियां काफी अलग हैं. विदेशों में बैठे मेटा के मॉडरेशन सिस्टम और टीमों के लिए भारतीय संदर्भ को पूरी तरह समझना आसान नहीं है. इसी वजह से सरकार ने मेटा से ज्यादा स्थानीय भागीदारी बढ़ाने को कहा है. खासकर भारतीय भाषाओं और स्थानीय संस्कृति को बेहतर तरीके से समझकर कंटेंट मॉडरेशन करने पर जोर दिया गया है.

चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल पर जीरो टॉलरेंस

चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल यानी बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को लेकर सरकार का रुख बेहद सख्त है. अधिकारियों ने साफ कहा है कि ऐसे कंटेंट के मामले में जीरो टॉलरेंस होना चाहिए. सरकार ने मेटा से केवल आश्वासन देने के बजाय मजबूत और सक्रिय कदम उठाने की मांग की है. अधिकारियों का कहना है कि अगर इस तरह की सामग्री प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहती है तो यह गंभीर नियम उल्लंघन है.

डीपफेक को लेकर भी सरकार की चिंता

डीपफेक को लेकर भी सरकार ने मेटा से कई सवाल पूछे हैं. अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े व्यक्ति के अधिकृत या वेरिफाइड अकाउंट से पोस्ट की गई सामग्री को सिर्फ तकनीकी सिस्टम के आधार पर डीपफेक नहीं माना जाना चाहिए. सरकार ने ऐसे मामलों में Human in the loop व्यवस्था की जरूरत बताई है. यानी किसी संवेदनशील कंटेंट को हटाने से पहले इंसानी जांच होनी चाहिए. इसके अलावा सरकार ने यह भी सवाल उठाया कि जो सिंथेटिक कंटेंट पहले डीपफेक के तौर पर पहचाना और हटाया जा चुका है, वह दोबारा प्लेटफॉर्म पर कैसे दिखाई दे रहा है. मेटा से इसे रोकने के लिए ठोस कदमों की जानकारी मांगी गई है.

सैलरी बढ़ेगी या फिर करना होगा इंतजार?

8वें वेतन आयोग की बैठक में इन मांगों पर जोर

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। 8वें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की नजरें इस समय दिल्ली की बैठकों पर टिकी हैं. आयोग ने 7 अगस्त से नई दिल्ली में कर्मचारी संगठनों और दूसरे हितधारकों के साथ बातचीत शुरू की है. यह सिलसिला 10 अगस्त तक चलेगा. यानी आज 9 अगस्त को बैठकें जारी हैं और कल दिल्ली चरण का अगला अहम दिन होगा. इन बैठकों में कर्मचारी और पेंशनर्स संगठन अपनी मांगें और सुझाव आयोग के सामने रख रहे हैं. खास तौर पर बेसिक पे, महंगाई से जुड़ी राहत, फिटमेंट फैक्टर, HRA और रिटायरमेंट बेनिफिट्स जैसे मुद्दों पर प्रतिनिधियों की नजर है.

दिल्ली में अभी क्या हो रहा है?

8वें वेतन आयोग की अध्यक्ष पूर्व जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई हैं. आयोग में प्रो. पुलक घोष पार्ट-टाइम सदस्य और पंकज जैन सदस्य-सचिव हैं. दिल्ली की मौजूदा बैठकों के लिए आयोग ने कोई अलग से विस्तृत एजेंडा जारी नहीं किया है. ऐसे में कर्मचारी संगठनों की ओर से जमा किए गए मेमोरेंडम और प्रतिनिधित्व में उठाए गए मुद्दे चर्चा का आधार बन रहे हैं. सीधे शब्दों में समझें तो कर्मचारी संगठन यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि नई वेतन व्यवस्था में उनकी सैलरी, भत्तों और रिटायरमेंट से जुड़े लाभों में किस तरह बदलाव होना चाहिए. हालांकि, इन मांगों पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है. आयोग अलग-अलग संगठनों से मिले सुझावों और मेमोरेंडम की समीक्षा करने के बाद अपनी सिफारिशें तैयार करेगा. 8वें वेतन आयोगकी कवायद सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है. आयोग ने आगे कई शहरों में क्षेत्रीय बातचीत का कार्यक्रम रखा है.

जयपुर की बैठक के लिए राजस्थान में रजिस्टर्ड केंद्रीय सरकार और केंद्र शासित प्रदेशों के कर्मचारी संगठन 18 अगस्त तक बैठक के लिए अनुरोध कर सकते हैं, बशर्ते उन्होंने पहले से अपना मेमोरेंडम जमा किया हो और आयोग से पहले मुलाकात न की हो. चेन्नई और पुडुचेरी की बैठकों के लिए भी 18 अगस्त तक अनुरोध की समयसीमा बताई गई है. आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर इन दोनों दौरों की जानकारी जारी की गई है.

रिपोर्ट कब तक आने की उम्मीद है?

8वें वेतन आयोग का गठन नवंबर 2025 में किया गया था और इसे अपनी सिफारिशें तैयार करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है. उपलब्ध जानकारी के मुताबिक आयोग की अंतिम रिपोर्ट मई या जून 2027 के आसपास आने की उम्मीद है. इसका मतलब यह है कि फिलहाल कर्मचारी जो मांगें उठा रहे हैं, उन पर तुरंत वेतन बढ़ने का फैसला नहीं होगा.

अभी आयोग का फोकस अलग-अलग कर्मचारी संगठनों, पेंशनर्स और दूसरे हितधारकों की बात सुनकर उनकी मांगों को समझने और सिफारिश तैयार करने पर है. कर्मचारियों के लिए फिलहाल सबसे अहम बात यही है कि दिल्ली की बातचीत जारी है और 10 अगस्त के बाद आयोग का क्षेत्रीय कंसल्टेशन आगे बढ़ेगा. अंतिम फैसला आयोग की सिफारिशों और उस पर सरकार के निर्णय के बाद ही होगा.

अब भीड़ में नहीं पिसेगा आम यात्री, हर ट्रेन में होंगे कम से कम 4 जनरल डिब्बे

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे देश के आम आदमी का सफर सुहाना बनाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है. रेलवे लगभग 3,200 लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में डिब्बों की संख्या बढ़ाएगा. रेलवे की योजना हर ट्रेन को 24 डिब्बों के फुल एलएचबी रैक में बदलने की है. इनमें से कम से कम 4 जनरल डिब्बे होंगे और 6 से 8 स्लीपर कोच अनिवार्य रूप से ट्रेन में होगा.इस फैसले का सीधा उन लाखों आम रेल यात्रियों को होगा, जो जनरल या स्लीपर कोच में सफर करते हैं. जनरल कोच बढ़ने पर दिवाली और छठ जैसे त्योहारों पर अपने घर जाने वाले लोगों को जनरल डिब्बे में जगह मिलने में आसानी होगी. अक्सर देखा जाता है कि लंबी दूरी की ट्रेनों में 2 ही जनरल डिब्बे होते हैं, जिनमें क्षमता से चार गुना यात्री भरे होते हैं. इससे यात्रियों को बहुत तकलीफ होती है और कुछ लोग तो भारी भीड़ के कारण सफर ही नहीं कर पाते. मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में डिब्बों की संख्या बढ़ने से सालाना 36 करोड़ अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी. रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, पुणे और चेन्नई जैसे बड़े औद्योगिक शहरों को जोड़ने वाले रूटों पर डिब्बों की संख्या बढ़ने का बहुत फायदा होगा. ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जुड़ने से त्योहारों के सीजन में होने वाली अफरातफरी पर लगाम लगेगी और प्रवासियों को अपने घर लौटने में बड़ी सहूलियत होगी. वैशाली एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और अवध-असम एक्सप्रेस में तुरंत अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जाएंगे.

दैनिक पंचांग

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष सोमवार 10 August 2026
तिथि - द्वादशी 08-01 तक उपरान्त (त्रयोदशी क्षय)
नक्षत्र - आर्द्रा 12-26 तक उप पुनर्वसु
योग - वज्र 22-26 रात्रि तक उप सिद्धी
करण - तैतिल 08-01 तक उप गर

विशेष: सोमप्रदोष व्रत
त्रयोदशी तिथि क्षय

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	मे	कर्क---	04-19 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	सिंह---	06-31 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या---	08-38 बजे
बुध	कर्क	मे	तुला---	10-42 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक---	12-53 बजे
शुक्र	कन्या	मे	धनु---	15-07 बजे
शनि	मीन	मे	मकर---	17-12 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ---	19-03 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन---	20-41 बजे
			मेष---	22-17 बजे
			वृष---	00-01 बजे
			मिथुन---	02-03 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-35 से 09-10 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06-01 - 07-35 शुभ	चंचल	18-42 - 20-08 शुभ
काल	07-35 - 09-10 अशुभ	रोग	20-08 - 21-33 अशुभ
शुभ	09-10 - 10-46 शुभ	काल	21-33 - 22-57 अशुभ
रोग	10-46 - 12-21 अशुभ	लाभ	22-57 - 00-22 शुभ
उत्पात	12-21 - 13-57 अशुभ	उत्पात	00-22 - 01-46 अशुभ
चंचल	13-57 - 15-33 शुभ	शुभ	01-46 - 03-10 शुभ
लाभ	15-33 - 17-08 शुभ	अमृत	03-10 - 04-35 शुभ
अमृत	17-08 - 18-42 शुभ	चंचल	04-35 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजें महंगी होंगी

बिस्किट से लेकर साबुन-तेल सबकी कीमतें बढ़ेंगी, कच्चे माल के दाम बढ़ना कारण

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देश में जल्द ही रोजाना इस्तेमाल होने वाले सामान यानी FMCG प्रोडक्ट के दाम बढ़ सकते हैं। जियोपॉलिटिकल तनाव के कारण कच्चे माल की लागत यानी इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए देश की प्रमुख FMCG कंपनियां चालू यानी सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले पिछली यानी अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने औसतन 2 से 5% तक दाम बढ़ाए थे। इस तिमाही यानी जुलाई-सितेबर में कंपनियां सीधे तौर पर रेट बढ़ाने के अलावा 'श्रिंकफ्लेशन' का सहारा ले रही हैं। यानी सामान की कीमत वही रहेगी, लेकिन पैकेट में उसकी मात्रा यानी वजन कम कर दिया जाएगा। कंपनियों का कहना है कि पाम ऑयल, चीनी और क्रूड ऑयल के दामों में उतार-चढ़ाव से मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। भारत में प्रमुख FMCG कंपनियां जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL), आईटीसी, नेस्ले, डाबर, ब्रिटानिया आदि इन

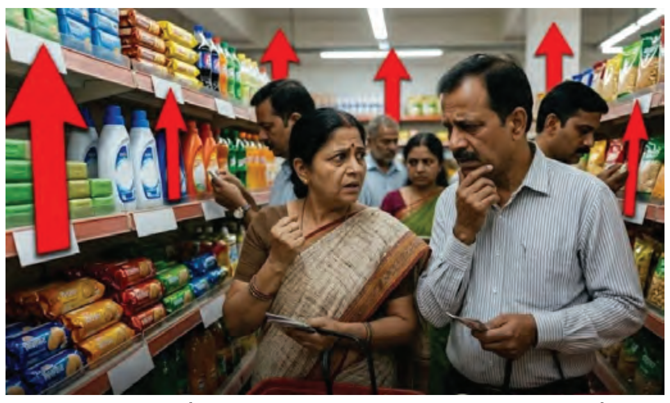

प्रोडक्ट्स में सक्रिय हैं। FMCG वे रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान हैं जो जल्दी बिकते और खर्च हो जाते हैं।

ब्रिटानिया: 5 और 10 वाले बिस्किट पैकेट का वजन घटेगा

देश की प्रमुख बेकरी और स्नैक कंपनी ब्रिटानिया चालू तिमाही में 'श्रिंकफ्लेशन' के जरिए कीमतों में 1.5 से 2% की और बढ़ोतरी कर सकती है। यह कटौती मुख्य रूप से कंपनी के 5 और 10 वाले बिस्किट पैक्स में देखने को मिलेगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने बताया कि चीनी और पाम ऑयल जैसे कच्चे माल की कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुई हैं। पहली तिमाही में हमारी ग्रोथ काफी हद तक श्रिंकफ्लेशन पर निर्भर थी। चालू तिमाही में भी इस ट्रेंड को जारी रखना पड़ेगा। हालांकि, मार्केट में डिमांड का माहौल अभी भी काफी मजबूत दिख रहा है।

गोदरेज कंज्यूमर: क्रूड के स्थिर होने का इंतजार

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने जून तिमाही में औसतन 5% दाम बढ़ाए थे। कंपनी का कहना है कि वह चालू तिमाही में फिलहाल तुरंत बड़े प्राइस हाइक से बच रही है और कमोडिटी मार्केट के स्थिर होने का इंतजार कर रही है। कंपनी के सीईओ सुधीर सीतापति ने बताया कि गोदरेज के कई इनपुट कॉस्ट कच्चे तेल से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड फिलहाल 80 से 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। अगर क्रूड इसी रेंज में रहता है तो हमें किसी बड़े प्राइस हाइक की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम FY27 के लिए अपने रेवेन्यू टारगेट को आसानी से हासिल कर लेंगे।

डाबर इंडिया: वॉल्यूम पर दिख सकता है असर

डाबर इंडिया के ग्लोबल सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत आने वाले दिनों में भी बनी रह सकती है। कंपनियों के पास इस लागत का बोझ कंज्यूमर्स पर डालने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

टाटा कंज्यूमर और नेस्ले: वेस्ट एशिया संकट और एल-नीनो पर नजर

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एमडी सुनील डी'सूजा ने बताया कि लागत का असर काफी डायनेमिक है। अगर जरूरत पड़ी तो कंपनी आगे कीमतों में बदलाव करेगी। वहीं नेस्ले इंडिया ने अपने इन्वेस्टर प्रेजेंटेशन में सचेत किया है कि शॉर्ट-टर्म में ओवरऑल कंजम्पशन थोड़ा सुस्त हो सकता है। कंपनी ने कहा कि वेस्ट एशिया का संघर्ष और मानसून पर एल-नीनो का संभावित असर फूड एंड बेवरेज सेक्टर के लिए चिंता का विषय है।

आगे क्या: प्रीमियम प्रोडक्ट्स और बेहतर डिलीवरी से मार्जिन बचाने की कोशिश

कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद एफएमसीजी सेक्टर को भरोसा है कि शहरी और ग्रामीण इलाकों में खपत बनी रहेगी। कंपनियां अपने ऑपरेटिंग खर्चों को घटाने, प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बिक्री बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं, ताकि वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान अपने मार्जिन को बरकरार रख सकें।

'तिरंगा सिर्फ सरकारी आयोजन नहीं, जनआंदोलन है'

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के संबोधन की बड़ी बातें

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। स्वाधीनता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार तथा कला, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का रविवार को जयपुर में भव्य आगाज हुआ। इस अवसर पर राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक 'तिरंगा रैली' निकाली गई।

इस तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व सांसद मदन राठौड़ मौजूद रहे। रैली का शुभारंभ करने से पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शहीद स्मारक (अमर जवान ज्योति) पहुंचकर राष्ट्र के वीर सपूतों और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इसके बाद वे अल्बर्ट हॉल पहुंचे और विशाल जनसमूह को संबोधित किया।

यह तिरंगा रैली अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर रामनिवास बाग निकास गेट, सांगानेरी गेट और जौहरी बाजार से गुजरते हुए ऐतिहासिक बड़ी चौपड़ पर संपन्न हुई। रैली में समाज के हर वर्ग ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आर्मी के जवान, राजस्थान पुलिस बल, पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि और प्रशासन के अधिकारी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स, हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स, और 'माय भारत' के वॉलिंटियर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, खिलाड़ी, व्यापार संघ के पदाधिकारी, पेंशनर्स और गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य मौजूद रहे।

जेपी नड्डा के संबोधन के प्रमुख बिंदु

वीर धरा को नमनः नड्डा ने अपने भाषण की शुरुआत राजस्थान की वीर भूमि को प्रणाम कर की और जयपुर के आराध्य देव गोविंद देवजी तथा मोती डूंगरी गणेश जी का आशीर्वाद लिया।

उन्होंने भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बताते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातंत्र है और हमारे राष्ट्रध्वज के लिए लाखों वीरों ने अपने खून-पसीने व जीवन का बलिदान दिया है।

'हर घर तिरंगा' जनआंदोलनः नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि तिरंगा केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर घर पर फहराया जाना चाहिए। आज यह एक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन बन चुका है।

अशोक चक्र का संदेशः उन्होंने तिरंगे में शामिल अशोक चक्र की व्याख्या करते हुए इसे निरंतर प्रगति और परिवर्तन का प्रतीक बताया।

नड्डा ने हाल ही में पारित राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 का उल्लेख करते हुए कहा कि 1971 के मूल कानून में ध्वज और संविधान के अपमान पर दंड का प्रावधान था, लेकिन गान और राष्ट्रगीत को लेकर कमी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह पूर्व सरकारों की तुष्टिकरण या वोटबैंक की राजनीति थी? नए कानून के तहत अब राष्ट्रध्वज, संविधान, राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत—किसी का भी अपमान दंडनीय अपराध है।

एटीएस का बड़ा एक्शन, 'जैश-ए-मोहम्मद' से कनेक्शन के संदेह में धरा गया शख्स, घर की तलाशी में क्या-क्या मिला?

टोंक, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने प्रदेश में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टोंक से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए युवक का नाम वासित है, जिस पर एक खतरनाक आतंकवादी संगठन से जुड़े होने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल रहने का गहरा संदेह है।

एटीएस की टीम आरोपी को तुरंत टोंक से जयपुर लेकर पहुंची है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि प्राथमिक जांच के आधार पर वासित को आगे की पूछताछ के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी लाया जा सकता है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एटीएस को सूचना मिली थी कि वासित सीमा पार या विदेश में बैठे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के किसी संदिग्ध हैंडलर के लगातार संपर्क में था। वह डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर किस तरह की जानकारी साझा कर रहा था, इसकी कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

कार्रवाई के दौरान राजस्थान एटीएस की टीमों ने टोंक स्थित वासित के आवास की गहन तलाशी ली। एटीएस ने मौके से मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। संदिग्ध के बैंक खातों के विवरण को भी कब्जे में लिया गया है ताकि फंडिंग या संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की पड़ताल की जा सके।

फिलहाल, इस पूरे मामले में जांच एजेंसियां सतर्कता बरत रही हैं और आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। एटीएस और केंद्रीय एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि राज्य में उसका कोई नेटवर्क सक्रिय था या नहीं।

जल्द निकलेगी आरक्षण लॉटरी, 309 निकाय और 10,245 वार्डों का बदलेगा चुनावी समीकरण

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव की तैयारियां अब निर्णायक दौर में पहुंच रही है। वार्डों और निकाय प्रमुखों के पदों के आरक्षण की लॉटरी अगले चार से पांच दिन में निकलने की संभावना है। इसके लिए संबंधित जिला कलक्टर और स्वायत्त शासन विभाग स्तर पर तैयारियां अंतिम चरण में है। पार्षदों के लिए वार्डों के आरक्षण की लॉटरी संबंधित जिला कलक्टर स्तर पर निकाली जाएगी, जबकि महापौर, सभापति और चेयरमैन पदों के आरक्षण की लॉटरी स्वायत्त शासन विभाग की ओर से होगी।

राजस्थान के 309 निकायों में महापौर, सभापति और चेयरमैन पदों का आरक्षण तय होगा। वहीं 10,245 वार्डों में पार्षदों के लिए आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी। आरक्षण की तस्वीर साफ होने के साथ ही निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटे दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ेगी। हालांकि, चर्चा 12 से 14 अगस्त के बीच की है। बता दें कि अभी सभी राजनीतिक दलों और भावी प्रत्याशियों की धड़कनें अगले सप्ताह प्रस्तावित आरक्षण लॉटरी पर टिकी हुई हैं। दूसरी ओर बीजेपी और कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां भी शुरू कर दी है।

वार्डों के आरक्षण की स्थिति साफ होते ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों की सक्रियता बढ़ेगी। लंबे समय से अपने-अपने वार्डों में चुनावी तैयारी कर रहे संभावित प्रत्याशियों की नजर लॉटरी पर टिकी है। वार्ड सामान्य या आरक्षित होने के आधार पर कई दावेदारों के चुनावी समीकरण बदलेंगे। वहीं, आरक्षण के कारण जिन दावेदारों को अपने वार्ड से चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिलेगा, वे दूसरे वार्डों में विकल्प तलाश सकते हैं।

प्रदेश के 309 निकायों में महापौर, सभापति और चेयरमैन पदों का आरक्षण तय होगा। वहीं 10,245 वार्डों में पार्षदों के लिए आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी। पार्षदों के लिए वार्डों के आरक्षण की लॉटरी जिला स्तर पर और महापौर, सभापति और चेयरमैन पदों के आरक्षण की लॉटरी स्वायत्त शासन विभाग की ओर से निकाली जाएगी।

प्रदेश के 7 संभागों में कुल 309 नगरीय निकाय और 10245 वार्ड प्रस्तावित हैं। इनमें 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद, 19 द्वितीय श्रेणी नगरपालिकाएं, 58 तृतीय श्रेणी नगरपालिकाएं और 175 चतुर्थ श्रेणी नगरपालिकाएं शामिल हैं। जयपुर संभाग में सबसे अधिक 91 निकाय और 2970 वार्ड हैं, जबकि कोटा और उदयपुर संभाग में 28-28 निकाय हैं।

राजस्थान में तय होगी शादी की न्यूनतम आयु

एक से ज्यादा विवाह और लिव-इन को लेकर रहेंगे कड़े नियम

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। समान सिविल संहिता (यूसीसी) प्रारूप समिति ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को विधेयक का प्रारूप सौंप दिया। समिति ने करीब 14 लाख सुझावों पर विचार कर यह प्रारूप तैयार किया। बताया जा रहा है कि इस विधेयक में आदिवासियों को छोड़ सभी धर्मों और जातियों के लिए शादी की न्यूनतम आयु तय होगी। प्रदेश में बहुविवाह पर भी रोक लगेगी। लिव-इन में रहने वाले भी इसके दायरे में आएंगे।

समिति के सदस्य बसंत सिंह छाबा, रामस्वरूप अग्रवाल, डॉ. शुचि चौहान व अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत सीएम आवास पहुंचे। जहां उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को विधि मंत्री जोगाराम पटेल की मौजूदगी में अपनी प्रमुख सिफारिशों और प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी। समिति अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना पी देसाई व गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, समिति को वेबपोर्टल के माध्यम से 1.48 लाख से अधिक सुझाव मिले। वहीं, व्हाट्सएप के जरिए 12.34 लाख से अधिक सुझाव आए। इसके अलावा संभाग मुख्यालयों पर भी समिति के सदस्यों ने विभिन्न वर्ग के सदस्यों से चर्चा की और उनसे सुझाव प्राप्त किए।

उत्तराखंड में यूसीसी लागू है, जबकि गुजरात में विधेयक विधानसभा से पारित हो चुका है, लेकिन अभी कानून का रूप नहीं ले सका है। सूत्रों के अनुसार, राजस्थान के विधेयक के लिए समिति ने उत्तराखंड व गुजरात राज्यों के कानूनी प्रावधानों के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का अध्ययन किया। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक कारणों से आदिवासियों को इस विधेयक के दायरे से बाहर रखा गया है।

यूसीसी यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड ऐसा कानून/कानूनी व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य देश के सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और संपत्ति जैसे व्यक्तिगत मामलों में समान नियम लागू करना है। एक समान विवाह नियमः धर्म के आधार पर अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों की जगह समान नियम। तलाक के समान प्रावधानः सभी समुदायों के लिए एक जैसी कानूनी प्रक्रिया। उत्तराधिकार और संपत्तिः महिला और पुरुष के अधिकारों में समानता का प्रावधान। विवाह पंजीकरणः विवाहों का पंजीकरण अनिवार्य किया जा सकता है। बहुविवाहः यूसीसी में इसे प्रतिबंधित करने का प्रावधान हो सकता है। लिव-इन रिलेशनशिपः संबंधित कानून में पंजीकरण और अन्य नियम बनाए जा सकते हैं। यूसीसी का मतलब यह नहीं है कि सभी धर्मों के धार्मिक रीति-रिवाज खत्म हो जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत नागरिक कानूनों के उन हिस्सों में समान कानूनी नियम बनाना है, जो नागरिक अधिकारों और पारिवारिक मामलों से जुड़े हैं।

'घटिया' सोहनपापड़ी की बड़ी खेप पकड़ी, 1600 किलो मौके पर नष्ट - जांच के लिए भेजे सैम्पल

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे "शुद्ध आहार–मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। जयपुर में मिलावटी और असुरक्षित मिठाइयों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग की सेंट्रल टीम ने एक निर्माण इकाई पर छापा मारकर लगभग 1600 किलोग्राम सोहनपापड़ी को मौके पर ही नष्ट करवाया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को फैक्ट्री में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और कई कमियां देखने को मिलीं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अनिवार्य लेबलिंग प्रावधानों का खुला उल्लंघन पाए जाने पर अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर मौजूद सोहनपापड़ी को तुरंत नष्ट करवा दिया।

फर्जी गेमिंग कॉल सेंटर का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

खातों में मिला एक करोड़ से ज्यादा का लेन-देन

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। शिप्रा पथ थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने भांकरोटा में संचालित एक फर्जी गेमिंग कॉल सेंटर का पर्दाफाश कर साइबर ठगी करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों के खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा किया है। यह गिरोह लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी का शिकार बनाता था।

सीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पोर्टल पर आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग राज्यों से आठ शिकायतें दर्ज मिलीं। एक शिकायत में 2.50 लाख रुपये की ठगी की बात सामने आई थी। इसके बाद बैंक खातों के विश्लेषण में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन सामने आए।

किसानों का हक मारकर मध्यप्रदेश भेजी जा रही थी खाद

पिकअप से 100 कट्टे डीएपी जब्त, दुकान मालिक समेत 3 पर एफआईआर

सवाई माधोपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कृषि विभाग की निगरानी और पुलिस नाकाबंदी के बावजूद जिले से खाद की खेपें मध्यप्रदेश तक पहुंचने का मामला सामने आया है। छाण पुलिस चौकी पर तिरपाल से ढकी एक पिकअप को रोककर जांच की गई। पिकअप में करीब 100 कट्टे डीएपी मिले। कृषि विभाग की जांच में खाद के अवैध रूप से परिवहन और कालाबाजारी किए जाने की बात सामने आई। मामले में पिकअप चालक सहित तीन लोगों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कृषि अधिकारियों और पुलिस के अनुसार, छाण चौकी पर तिरपाल से ढकी पिकअप को रोककर जांच की गई। तलाशी में पिकअप में 100 बैग डीएपी मिले। पूछताछ में चालक देवकीनंदन माली निवासी खंडार ने खाद को मध्यप्रदेश के जावदेश्वर गांव निवासी रामरूप मीणा के यहां ले जाने की जानकारी दी। कृषि विभाग की जांच में यह खाद सवाई माधोपुर शहर स्थित खाद विक्रेता कमलेश की दुकान से खरीदी जाना सामने आया।

सूचना पर कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सहायक निदेशक खेमराज मीणा के निर्देशन में कृषि अधिकारी प्रशिक्षण ताराचंद महावर ने मामले की जांच की। जब्त खाद को क्रय-विक्रय सहकारी समिति, छाण के सुपुर्द किया गया। विभाग की ओर से पिकअप चालक देवकीनंदन माली, जावदेश्वर निवासी रामरूप मीणा तथा शहर स्थित खाद विक्रेता कमलेश के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया।

खाद के अवैध परिवहन का यह पहला मामला नहीं है। गत महीने बहरावंडा खुर्द चौकी पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप को पकड़ा था। इसमें भी करीब 100 कट्टे यूरिया मिले थे। प्रारंभिक जांच में खाद को मध्यप्रदेश के सोईकलां क्षेत्र में सप्लाई के लिए ले जाने की बात सामने आई थी।

40 घंटे से डटे 3 नर्सिंगकर्मी नीचे उतरे, 10 मिनट बाद ही 2 संविदाकर्मी टंकी पर चढ़े; देर रात मंत्री की समझाइश पर माने

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में संविदा नर्सिंगकर्मियों का आंदोलन जयपुरिया अस्पताल की पानी की टंकी से उतरकर चरक भवन की पानी टंकी पर पहुंच गया। करीब 40 घंटे से डटे 3 संविदा नर्सिंगकर्मी रात करीब 9 बजे नीचे उतरे। इसके दस मिनट बाद दो अन्य संविदाकर्मी राम भरत सिंह गुर्जर और भरत मीणा एसएमएस अस्पताल के चरक भवन स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जयपुरिया की टंकी पर चढ़े उनके तीन साथियों को पुलिस ने दबाव बनाकर नीचे उतारा।

उन्हें समझाने के लिए मंत्री के.के. विश्नोई मौके पर पहुंचे। मंत्री ने उनकी मांगों और समस्याओं को सुना। कुछ देर चली बातचीत के बाद सहमति बन गई। इसके बाद दोनों रात 12:40 बजे नीचे उतरे। संविदा नर्सिंगकर्मी विमल शर्मा, रौबिन शर्मा और संजीता चौधरी भर्ती नियमों में बदलाव के विरोध में जयपुरिया अस्पताल परिसर की पानी की टंकी पर चढ़े थे। इस दौरान मोबाइल फोन डेड हो गए और पीने का पानी भी खत्म हो गया। कांस्टेबल रामअवतार ने तीनों से संपर्क कर कहा कि उनका संदेश सरकार तक पहुंच चुका है और प्रशासन समस्याओं के समाधान के लिए तैयार है। उनकी पहल पर तीनों की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ से बात कराई गई। आश्वासन के बाद तीनों रात करीब 9 बजे नीचे उतर आए। तीनों के नीचे उतरने के कुछ ही देर बाद संविदा नर्सिंगकर्मी राम भरत गुर्जर और भरत लाल मीणा रात करीब 9.10 बजे जयपुर के एसएमएस अस्पताल परिसर स्थित चरक भवन की पानी की टंकी पर चढ़ गए। उनका कहना है कि बोनस के रूप में 10, 20 और 30 अंक देने की व्यवस्था बरकरार रखी जाए। संविदा नर्सिंगकर्मी कहा कि पुलिस ने हमारे तीन साथियों का ब्रेनवॉश करके उन्हें नीचे उतारा है। पुलिस ने उनके परिजनों पर दबाव बनाया और फोन पर बात करवाकर उन्हें जबरन नीचे उतारा गया।

तेज बारिश, गलताजी की सीढ़ियों पर बहा पानी सड़क पर भरे पानी में धरने पर बैठे लोग; कानोता बांध लबालब

बस्सी के तूंगा में 19 मिमी बरसे बादल

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में रविवार सुबह से ही भारी बारिश का दौर शुरू हो गया। इस तेज बारिश के कारण सिरसी रोड, वैशाली नगर, सांगानेर, गोपालपुरा और कालवाड़ समेत शहर के कई इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया। सड़कों पर जमा पानी की निकासी के लिए प्रशासन ने तुरंत मडपंप लगाए और वॉटरलॉगिंग (जलभराव) की समस्या को दूर करने का प्रयास किया। वहीं, निवारू रोड के लोग सड़क पर भरे पानी में धरने पर बैठ गए। प्रशासन से समस्या का समाधान जल्द करने की मांग उठाई। दूसरी ओर, जयपुर के ग्रामीण इलाकों में भी रात से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिले में सबसे ज्यादा बरसात आगरा रोड स्थित तूंगा में दर्ज की गई। लगातार हो रही इस बारिश के चलते आगरा रोड पर स्थित प्रसिद्ध कानोता बांध भी ओवरफ्लो हो गया और वहां पानी की चादर चलने लगी। वहीं, शहर के फूटा खुर्रा इलाके में भी सड़कों पर पानी भर गया और गलता जी मंदिर परिसर की सीढ़ियों से पानी बहने लगा। जयपुर शहर में हुई हल्की बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। ड्रेनेज एंट्री पॉइंट पर कचरा फंसने और कई जगहों पर पानी की सुचारू निकासी न होने के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। न्यू गेट के पास सड़क किनारे जमा पानी को निकालने के लिए प्रशासन को मडपंप लगाना पड़ा, जिसके बाद पानी की निकासी की जा सकी। चारदीवारी में बच्चे बारिश के बीच सड़क पर बहते पानी में नहाते नजर आए। इधर नाहरगढ़, आमेर से लगती पहाड़ियों पर भी छोटे-छोटे झरने चलने लगे, जहां लोग बारिश और मौसम का मजा लेते दिखे। जयपुर में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। कल दिन का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पूरे जयपुर में सुबह से ही घने काले बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलने के साथ कई इलाकों में रिमझिम फुहारें गिरती रहीं, जिससे लोगों को उमस से बड़ी राहत मिली है। राजधानी जयपुर में इस मानसून सीजन में अब तक कुल 243.2 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि सामान्य बारिश से करीब 25 फीसदी कम है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जयपुर में 1 जून से 8 अगस्त तक सामान्य तौर पर 322.3 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार मानसून की बारिश का आंकड़ा सामान्य से थोड़ा पीछे चल रहा है।

खेत में 5 लाख रुपए दबाकर भूल गया किसान

जुताई के दौरान मिली रकम; नोटों को चट कर गई दीमक

बालोतरा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चोरों से बचाने के लिए खेत की मिट्टी में दबाकर रखी रकम किसान को वापस तो मिल गई, लेकिन तब तक उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। बालोतरा जिले के पचपदरा क्षेत्र में प्लॉट बेचकर मिली लाखों रुपए की रकम को किसान मांगीलाल मेघवाल ने पॉलिथीन की थैली में भरकर खेत में दबा दिया था। कुछ समय बाद वह उस जगह को भूल गया और काफी तलाश के बावजूद पांच लाख रुपए से भरी थैली नहीं मिली। बारिश के मौसम में खेत की जुताई के दौरान अचानक वही थैली मिट्टी में नजर आई। किसान ने उसे बाहर निकाला तो रकम की हालत देखकर उसके होश उड़ गए। थैली में रखी करीब 75 प्रतिशत रकम दीमक चट कर चुकी थी। बड़ी मात्रा में नोट गलकर मिट्टी में तब्दील हो चुके थे। कई नोटों के केवल छोटे-छोटे टुकड़े ही बचे थे। जिस रकम को किसान ने चोरों से बचाने के लिए सुरक्षित समझकर खेत में छिपाया था, वही रकम मिट्टी के नीचे पड़े-पड़े खराब हो गई। राजस्थान में संभवतः ऐसा पहला मामला माना जा रहा है। किसान के मुताबिक उसने प्लॉट बेचने से मिली रकम को चोरों से सुरक्षित रखने के लिए बैंक के बजाय खेत में छिपाकर रखा था। रकम को पॉलिथीन की थैली में भरकर मिट्टी में दबा दिया गया।

120 फीट गहरे कुएं में गिरा अधेड़, फिर मिली नई जिंदगी

सिविल डिफेंस के जांबाजों का रेस्क्यू ऑपरेशन सफल

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर आयुक्तालय के कानोता थाना क्षेत्र एक व्यक्ति करीब 120 फीट गहरे कुएं में गिर गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने व्यक्ति को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बाद में सिविल डिफेंस की टीम को सूचना दी गई। सिविल डिफेंस के वॉलियंटर मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद व्यक्ति को जिंदा बाहर निकाल लिया गया।

व्यक्ति के कुएं में गिरने की यह घटना खातिया की ढाणी रघुनाथपुरा की है। सिविल डिफेंस के उप नियंत्रक अमित शर्मा ने बताया कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कानोता क्षेत्र में हुए हादसे की जानकारी मिली थी। सूचना में कुएं में गिरे व्यक्ति का जिंदा होना बताया गया। ऐसे में सिविल डिफेंस की टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। खुद अमित शर्मा भी घटना स्थल पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन कामयाब रहा और कुएं में गिरे व्यक्ति को सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

कुएं में गिरे व्यक्ति को बाहर निकाल कर एंबुलेंस के जरिए तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उप नियंत्रक अमित शर्मा ने कहा कि अगर स्थानीय अस्पताल में इलाज संभव नहीं हो पाया तो एसएमएस अस्पताल रेफर करेंगे।

सीकर ज्वैलरी शोरूम फायरिंग का खुलासा

4000+ सीसीटीवी से मिला सुराग, बिहार से चल रही थी 132 लुटेरों की गैंग, 3 लोग गिरफ्तार

सीकर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस कंट्रोल रूम के सामने सिल्वर जुबली रोड स्थित ज्वैलरी शोरूम में छह बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग और डकैती के प्रयास का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 15 पुलिस टीमों ने चार हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बिहार की अंतरराज्यीय डकैत गैंग से जुड़े तीन बदमाशों को उत्तर प्रदेश के मेरठ से गिरफ्तार किया है। तीनों हरियाणा से कार से बिहार जा रहे थे। सीकर लाने के बाद दादिया थाना क्षेत्र के रघुनाथगढ़ में एक आरोपी ने पुलिसकर्मी की पिस्तौल छीनकर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। मामले में पांच बदमाश अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार गैंग का सरगना राजीव सिंह उर्फ उल्लू सिंह निवासी समस्तीपुर, बिहार है। वह बिहार से गैंग की मॉनिटरिंग करता है। गैंग में 132 से अधिक डकैत और लुटेरे शामिल हैं। ये अलग-अलग राज्यों में रहकर बड़े ज्वैलरी शोरूम की करीब 10 दिन तक रैकी करते हैं।

एक किलो सोना हड़पने का आरोप

पति-पत्नी समेत तीन पर केस दर्ज

बाड़मेर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले में एक युवक से कथित तौर पर धोखाधड़ी कर एक किलो सोना हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने एक दंपती और उनके परिचित समेत तीन लोगों पर विश्वास में लेकर सोना हड़पने का आरोप लगाया है।

पीड़ित के अनुसार, उसे करीब दो करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अंकित कुमार ने कोतवाली थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि करीब सात-आठ महीने पहले कच्छ (गुजरात) निवासी अजीम कारा बफन का फोन आया था। उसने कहा कि यदि गौतम सिंह निवासी बालेसर सोना लेने आए तो उसकी गारंटी पर सोना दे देना। इसके बाद 27 फरवरी 2026 को गौतम सिंह अपनी पत्नी मनीषा के साथ अंकित के घर पहुंचे। दोनों से पहले से परिचय होने और अजीम की गारंटी पर भरोसा करते हुए अंकित ने सराफा कारोबार के तहत तीन महीने के लिए 100-100 ग्राम के 10 बिस्कुट, यानी कुल 1000 ग्राम सोना उन्हें दे दिया। पीड़ित का आरोप है कि गौतम सिंह, उसकी पत्नी मनीषा और अजीम कारा बफन ने साजिश के तहत एक किलो सोना हड़प लिया। तय समय बीतने के बाद भी न तो सोना लौटाया गया और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया गया। इसके बाद उसने कोतवाली थाने में धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया।

आदिवासी कल्याण में सांस्कृतिक विरासत और विकास के बीच संतुलन होना चाहिए : अदलूरी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने रविवार को कहा कि आदिवासी समुदायों को विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ते हुए जंगलों के साथ अपने गहरे जुड़ाव और सांस्कृतिक विरासत को भी बचाए रखना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समुदायों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। साथ ही, वह उनकी भाषाओं, संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखते हुए शिक्षा, रोज़गार, आर्थिक सशक्तिकरण और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रही है।

वे हैदराबाद के बंजारा भवन में 'विश्व के मूल निवासी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर तेलंगाना आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासी बच्चों को न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक मंच पर भी आगे बढ़ने के अवसर मिलें।

मंत्री ने कहा, तेलंगाना सरकार ने 2026-27 के लिए 'अनुसूचित जनजाति विशेष विकास कोष' के तहत 18,745.16 करोड़ आवंटित किए हैं। इस फंड का इस्तेमाल आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, बुनियादी ढांचे, सड़कों, पीने के पानी, बिजली, कृषि और भूमि विकास, कौशल विकास और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हर आदिवासी गांव में सड़क होनी चाहिए, हर घर तक सुरक्षित पीने का पानी पहुँचना चाहिए, हर छात्र को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए, हर युवा को कोई न कोई कौशल सीखना चाहिए, हर महिला की अपनी आय होनी चाहिए और हर किसान अपनी ज़मीन पर अच्छी तरह खेती करने में सक्षम होना चाहिए। तभी बजट का असली मतलब सार्थक होता है।

अनजान महिला की जली हुई लाश मिली

मेडक, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को डुब्बाक मंडल में रमाक्कापेट के पास एक अनजान महिला की जली हुई लाश मिली। लाश मिलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को बुलाया। लाश पूरी तरह जल चुकी थी, इसलिए उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी।

शादीशुदा व्यक्ति ने आत्महत्या की

खम्मम, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के कोनिजेरला मंडल के तनिकेला में एक शादीशुदा व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक पेड्डागौंडला गोपाल राव (30) पारिवारिक झगड़े और पत्नी के मायके चले जाने के कारण परेशान बताया जा रहा था। शनिवार को जब घर पर कोई नहीं था, तो उसने घर में ही छत के पंखे से साड़ी बांधकर फांसी लगा ली। मृतक की माँ शांथम्मा की शिकायत के आधार पर, कोनिजेरला पुलिस ने मामला दर्ज किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

नेहरू ज़ू ने 'वर्ल्ड लायन डे' मनाया शेरों के संरक्षण पर ज़ोर दिया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क ने रविवार को 'वर्ल्ड लायन डे' मनाया। इस मौके पर दुनिया की सबसे शानदार बड़ी बिल्लियों में से एक के महत्व को उजागर किया गया और एशियाई व अफ्रीकी शेरों के संरक्षण पर ज़ोर दिया गया।

इस दिन के उपलक्ष्य में, जानवरों की देखभाल करने वालों ने बातचीत के सत्र (टॉक शो) आयोजित किए। उन्होंने अपनी रोज़मर्रा की गतिविधियों, जानवरों के व्यवहार, रोज़ाना के खाने और टीकाकरण के शेड्यूल तथा प्रजनन कार्यक्रमों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी।

डिप्टी क्यूरेटर जे. मुरलीधर ने कहा कि हैदराबाद का नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क हर 'इको-डे' (पर्यावरण दिवस) पर वन्यजीव शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में सबसे आगे रहता है। ज़ू में एशियाई और अफ्रीकी शेरों को उनके अलग-अलग बाड़ों में रखा गया है।

ज़ू में सफ़ारी का कॉन्सेप्ट 1974 में शुरू हुआ था, जब पहला लायन सफ़ारी पार्क बनाया गया था। इस सफ़ारी का कुल क्षेत्रफल 45 एकड़ है। हर सुबह शेरों के झुंड को सफ़ारी में छोड़ा जाता है, जो पर्यटकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होता है; यहाँ जानवर आज़ाद होते हैं और इंसान बंद होते हैं, जिसे 'रिवर्स ज़ू' (उल्टा ज़ू) कहा जाता है।

पेद्दापल्ली में जुआ खेलने के आरोप में सात लोग गिरफ्तार

पेद्दापल्ली, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात अंतारगांव मंडल के पेद्दापेट गांव में जुआ खेलने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनसे 14,730 रुपये नकद, छह मोबाइल फोन और 52 ताश के पत्ते ज़ब्त किए।

पुलिस ने बताया कि धर्माजी लक्ष्मण, लायिशेट्टी महेश, बंगारी नारायण, आदिचारला शिवा साई, मेरुगु वेंकटस्वामी, माचारला आकाश और असरला मल्लेश को तब पकड़ा गया जब एक टास्क फोर्स ने गुप्त सूचना के आधार पर एक घर पर छापा मारा। आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए अंतारगांव पुलिस को सौंप दिया गया।

यूनियन लीडर्स ने कोल एवं माइन मिनिस्टर किशन रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोल माइंस वर्कर्स यूनियन के लीडर्स ने रविवार को यूनियन कोल और माइंस मिनिस्टर जी. किशन रेड्डी का सिंगरेनी के लिए मनुगुरु पीके ओसी -II डिप साइड एक्सटेंशन प्रोजेक्ट को पक्का करने की उनकी पहल के लिए शुक्रिया अदा किया, जिससे ऑर्गनाइज़ेशन की ऑपरेशनल लाइफ़ 50 साल और बढ़ गई। इस मौके पर, उन्होंने यूनियन मिनिस्टर को भरोसा दिलाया कि सिंगरेनी का पूरा वर्कफ़ोर्स उनके साथ मज़बूती से खड़ा है और उनकी कोशिशों को सपोर्ट करता है। उन्होंने इस मौके पर मिनिस्टर को एक मेमोरेंडम भी दिया और रिक्वेस्ट की कि सालों से रुके हुए कोयागुडेम कोल ब्लॉक भी सिंगरेनी को अलॉट किए जाएं। उन्होंने मंत्री को बताया कि पिछली बीआरएस सरकार के समय में, सिंगरेनी कंपनी को नीलामी में हिस्सा लेने से रोका गया था और कहा कि कोई नई खदानें नहीं ली गईं, जिससे ऐसी स्थिति बन गई है कि इस साल कोयले का प्रोडक्शन लगभग 12 मिलियन टन कम होने वाला है। उन्होंने साफ़ किया कि ज़मीन खरीदने में आने वाली रुकावटें, कानूनी झगड़ों और ट्राइबल एजेंसी के नियमों जैसे मुद्दों की वजह से प्राइवेटाइज़ किए गए ब्लॉक में अभी तक कोयले का प्रोडक्शन शुरू नहीं हुआ है।

उन्होंने चिंता जताई कि नई खदानों की कमी की वजह से येलंडु इलाके से मज़दूरों का ट्रांसफ़र हो रहा है, जिससे लोकल रोज़गार और इकॉनमी को नुकसान हो रहा है। मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और ट्रांसपोर्ट सिस्टम का इस्तेमाल कोयले का प्रोडक्शन बढ़ाने और दक्षिण भारत में पावर प्लांट्स को बिना रुकावट सप्लाई को मज़बूत करने के लिए अच्छे से किया जा सकता है। मज़दूरों के लिए जॉब सिक्योरिटी और लोकल लोगों के लिए रोज़गार के मौके पक्का करने के लिए कदम उठाए जाएं।

नेताओं ने केंद्र सरकार से मौजूदा एलोकेशन का पूरा रिव्यू करने और अगर ज़रूरी हो तो सिंगरेनी को दी ब्लॉक री-एलोकेशन या डी-एलोकेशन के बाद री-ऑक्शन के ज़रिए अलॉट करने के लिए तुरंत एक्शन लेने की रिक्वेस्ट की।

2.5 लाख रुपये कीमत का 200 एमएल हशीश ऑयल लेकर ड्रग तस्कर पकड़ा गया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को विजयवाड़ा-हैदराबाद हाईवे पर आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर ईगल फोर्स और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा और लगभग 2.5 लाख रुपये कीमत का 200 ml हशीश ऑयल ज़ब्त किया।

पुलिस के अनुसार, संदिग्ध बुसे नरेंद्र शीनिवास (30), जो ड्राइवर है और रंगा रेड्डी ज़िले के बालापुर का रहता है, मूल रूप से आंध्र प्रदेश के प्रकाशम ज़िले का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, शीनिवास स्नैपचैट के ज़रिए ओडिशा के कोरापुट ज़िले के पडुवा के रहने वाले सप्लायर हरि के संपर्क में आया और हैदराबाद और आस-पास के इलाकों में ग्राहकों को बेचने के लिए उससे हशीश ऑयल मंगवाने लगा।

बताया जाता है कि संदिग्ध 2 अगस्त को ओडिशा गया था और 9,000 रुपये में 200 एमएल हशीश ऑयल वाली दो बोतलें खरीदी थीं। ईगल फोर्स के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य ने बताया कि बस से हैदराबाद लौटते समय, ओआरआर पर उतरने के बाद उसे ईगल फोर्स और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस ने बताया कि शीनिवास सप्लायर और ग्राहकों से बातचीत करने के लिए स्नैपचैट का इस्तेमाल करता था और पकड़े जाने से बचने के लिए बस की एडवांस बुकिंग नहीं करता था।

अब तक एलबीनगर और आस-पास के इलाकों में 10 ग्राहकों की पहचान की जा चुकी है। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। फरार सप्लायर हरि को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

तेलंगाना में थोटी आदिवासी समुदाय के खत्म होने का खतरा

आदिलाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक मान्यता प्राप्त अनुसूचित जनजाति, थोटी समुदाय, तेज़ी से घटती आबादी, मौखिक भाषाओं के लुप्त होने, आनुवंशिक बीमारियों और गंभीर आर्थिक अस्थिरता के कारण खत्म होने के कगार पर है।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी के आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य की कुल आदिवासी आबादी 3,177,940 है, जो कुल 3.50 करोड़ निवासियों का 9.1 प्रतिशत है। जहाँ महबूबाबाद और भद्राद्री कोठागुडेम ज़िलों में आदिवासी आबादी का घनत्व सबसे ज़्यादा (क्रमशः 37.8 प्रतिशत और 36.7 प्रतिशत) है, वहीं थोटी जैसे छोटे समुदाय अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

तेलंगाना 32 अनुसूचित जनजातियों को मान्यता देता है, जिनमें राज गोंड, कोया, लाम्बाडा या बंजारा, कोलम, चेंचु, येरुकाला और सवारा शामिल हैं। इनमें से, केंद्र सरकार कुछ समूहों को उनकी अत्यधिक सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ी स्थिति के कारण 'खास तौर पर कमज़ोर आदिवासी समूहों' के रूप में वर्गीकृत करती है। थोटी, चेंचु और कोलम को राज्य के भीतर अस्तित्व के सबसे बड़े खतरों का सामना कर रहे तीन समुदायों के रूप में पहचाना गया है।

आबादी के आंकड़े बताते हैं कि थोटी समुदाय में केवल 4,811 सदस्य हैं, जो मुख्य रूप से पुराने आदिलाबाद ज़िले में रहते हैं। यह उन्हें राज्य में सबसे छोटा समूह बनाता है। तुलनात्मक रूप से, चेंचु आबादी 16,912 दर्ज की गई है, जो मुख्य रूप से नागरकुर्नूल ज़िले में है, जबकि कोलम आबादी 44,805 है।

ऐतिहासिक रूप से थोटी लोग गाँव के संदेशवाहक, गाथा गायक और लोक कलाकार रहे हैं, जिन्होंने कहानी कहने और पारंपरिक सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों की समृद्ध विरासत को बनाए रखा है। आज, इनमें से कई लोग खेती-बाड़ी में मज़दूरी का काम करते हैं। सांस्कृतिक योगदान के बावजूद, यह समुदाय खत्म होने की कगार पर है, क्योंकि इन्हें औपचारिक शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ और टिकाऊ आर्थिक अवसर नहीं मिल पाते हैं। भौगोलिक दृष्टि से, कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िला राज्य में सबसे आगे है, जहाँ पीवीटीजी आबादी 23,182 है। इसके बाद आदिलाबाद ज़िला आता है, जहाँ इन कमज़ोर समूहों के 16,373 सदस्य हैं। इन ख़तरे में पड़ी जनजातियों के नेताओं ने सरकार से औपचारिक अनुरोध किया है कि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने और उनके लंबे समय तक संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए खास योजनाएँ लागू की जाएँ।

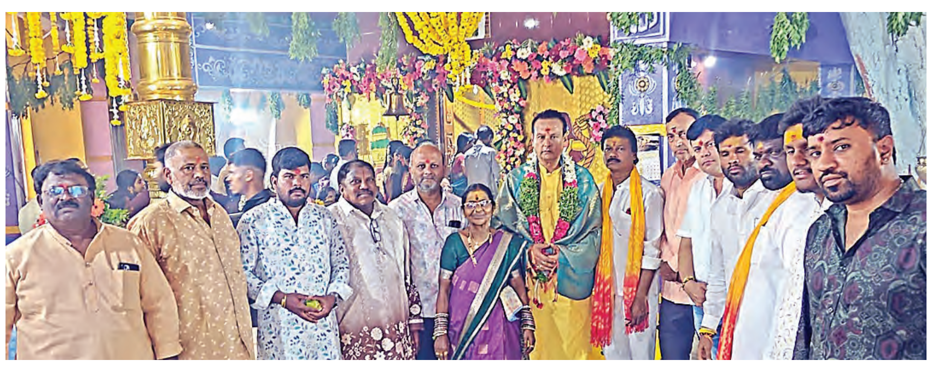

तेलंगाना फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य और जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने वरिष्ठ बीजेपी नेताओं के साथ मिलकर बोनालू त्योहार के मौके पर माता रानी के मंदिरों में जाकर आशीर्वाद लिया। इस कार्यक्रम में महेश अन्ना, गोपाल , शंकर कुबेर, राजू, संदीप जैन, श्रीकांत और साई आदि शामिल हुए।

श्री येदुगुल्ला पोचम्मा टेम्पल में बोनल के अवसर पर कलश लेकर माता की परिक्रमा देते हुआ बीजेपी लीडर व डिप्टी चेयरमैन महेश बैंक के गोविंद नारायण राठी ,मनोज जयसवाल एवं दुर्गा प्रसाद गौड़ व अन्य।

ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री के गेस्ट हाउस की बाउंड्री वॉल गिराई

मेडक, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीणों ने नरसिंगी मंडल के जाप्टी शिवनूर में नेशनल हाईवे के किनारे स्थित पूर्व मंत्री और सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली के गेस्ट हाउस की बाउंड्री वॉल गिरा दी। ग्रामीणों का आरोप है कि बाउंड्री वॉल इस तरह बनाई जा रही थी जिससे उनके खेतों तक जाने वाला रास्ता बंद हो रहा था। वे परेशान हैं और उनका कहना है कि वे कई सदियों से इन खेतों पर खेती कर रहे हैं और बाउंड्री वॉल बनने से उनका रास्ता बंद हो जाएगा। ग्रामीण इस बात से नाराज़ हैं कि संबंधित लोगों द्वारा उनकी पहले की आपत्तियों को नज़रअंदाज़ करने के बावजूद बाउंड्री वॉल बनाई जा रही थी।

छात्रों ने पुलिस मारपीट के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया

संगारेड्डी, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिन्नाराम स्थित तेलंगाना रेजिडेंशियल जूनियर कॉलेज के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया और जिन्नाराम पुलिस स्टेशन के दो कॉन्स्टेबलों पर बुरी तरह पीटने का आरोप लगाया।

शनिवार रात 10 बजे हॉस्टल में इंटरमीडिएट के दूसरे वर्ष के छात्रों और 10वीं कक्षा के छात्रों के बीच लड़ाई हुई थी, जिसके बाद स्टाफ़ ने पुलिस की मदद के लिए 112 पर कॉल किया। कॉलेज पहुँचे दो कॉन्स्टेबलों ने कथित तौर पर इंटरमीडिएट के छात्रों की पिटाई की। छात्र हॉस्टल से बाहर आए और रविवार को विरोध प्रदर्शन किया।

कांवड़ यात्रा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया

मेडचल, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कांवड़ यात्रा प्रातः 10 बजे कुशाईगुडा वेंकटेश्वर स्वामी मन्दिर से शंकर भगवान के उद्घोष के साथ किशनगुट्टा शिवालयम के लिए प्रस्थान किया। जहां किशनगुट्टा कल्याण मण्डपम में भगवान भोले को भजनों से रिझाने शिवभक्त राजेश शर्मा, मदन सिंह, मुरारी शर्मा, संपत पारीक अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जक्का रोसी रेड्डी , नेहा रेड्डी,विजय रेड्डी, दामोदर शर्मा, दुलीचन्द शर्मा ,जयप्रकाश शर्मा, नरेश खंडेलवाल,पुरुषोत्तम , विकास शर्मा,आनंद शर्मा, कैलाश शर्मा, किशोर शर्मा, ओमप्रकाश जाट , महेश बागड़ी, इंद्रपाल सैनी, नरेश माली, केके बन्ना,चंदन भाई,वीरू भाई,अर्जुन दान,बृजपाल, देवी दान सखेर दान, शुभम शर्मा, महिला मंडल कमला देवी शर्मा, रेखा शर्मा, ममता शर्मा, मुनि शर्मा, प्रेमलता शर्मा, किरण शर्मा, मुनि बाई, विजयलक्ष्मी शर्मा, कमला शर्मा, सुशील शर्मा, कमला ललिता शर्मा व समस्त शिव भक्त उपस्थित रहे।

डीजीपी आनंद ने पुलिस शहीदों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए 'टीजी-वीर' पोर्टल लॉन्च किया

हनमकोंडा, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने तेलंगाना में पुलिस शहीदों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष शिकायत पोर्टल, 'टीजी-वीर' लॉन्च किया।

डीजीपी ने रविवार को यहां यह पोर्टल लॉन्च किया। वे पुराने वारंगल ज़िले के तीन दिवसीय दौरे पर थे और उन्होंने उन 28 पुलिस शहीदों के परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने नक्सलवाद से लड़ते हुए ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी थी।

यह पोर्टल परिवारों को वित्तीय सहायता, अनुग्रह राशि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, आवास भूखंड आवंटन, भूमि पंजीकरण या मालिकाना हक के मुद्दों, पेंशन, अन्य कल्याणकारी योजनाओं और अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें दर्ज करने के लिए एक एकल मंच (सिंगल प्लेटफॉर्म) के रूप में काम करेगा।

डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वारंगल पुलिस कमिश्नरेट के कामकाज की समीक्षा की और बाद में मीडिया को संबोधित किया। समीक्षा के दौरान, उन्होंने सुझाव दिया कि हालांकि पुलिसिंग में तकनीक महत्वपूर्ण है, लेकिन बुनियादी पुलिसिंग सिद्धांतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भले ही तकनीक जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करती है, लेकिन यह बुनियादी पुलिसिंग का विकल्प नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि अतीत में नक्सलवाद से निपटने से लेकर वर्तमान में साइबर अपराधों, ड्रग्स, वित्तीय अपराधों और सड़क सुरक्षा को संभालने तक, पुलिसिंग में भारी बदलाव आया है।

डीजीपी ने चॉकलेट के रूप में नशीले पदार्थों की लत बच्चों को लगाने की कोशिशों पर चिंता जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कहा कि शिक्षण संस्थानों को नशीले पदार्थों की रोकथाम में अहम भूमिका निभानी चाहिए।

कमिश्नरेट के तहत 50 पुलिस स्टेशनों में मंजूर 3,758 पदों में से केवल 2,976 कर्मचारी ही ड्यूटी पर थे, जिससे 782 पद खाली रह गए। उन्होंने कहा कि वारंगल और काज़ीपेट इलाकों में चोरी करने के लिए ट्रेन से आने वाले बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के गिरोहों पर नज़र रखी जा रही है।

'विश्व आदिवासी दिवस' धूमधाम से मनाया गया

आदिलाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आदिलाबाद ज़िले में 'विश्व आदिवासी दिवस' बहुत उत्साह और रंग-बिरंगे अंदाज़ में मनाया गया।

आदिलाबाद में, कलेक्टर राजर्षि शाह और एसपी अखिल महाजन ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी नायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों का जीवन बदलने के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। उत्नूर में,आईटीडीए प्रोजेक्ट ऑफिसर मंडा मकरंद ने भी समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक उत्नूर किले का जीर्णोद्धार किया जा रहा है और अलग-अलग आदिवासी संस्कृतियों को संरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने आदिवासियों से अपनी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आग्रह किया। इस मौके पर उत्नूर मंडल केंद्र, आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िला मुख्यालय में विशेष कार्यक्रम, पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति और एक बड़ी रैली आयोजित की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पीएम मोदी से...

मुलाकात से पहले भारतीय पैरा शॉट पुट खिलाड़ी और स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा, "मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला है। इस तरह का समर्थन मिलने से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है। दूसरे देशों के एथलीट जब हमारे देश और प्रधानमंत्री की ओर से मिलने वाले समर्थन के बारे में सुनते हैं तो वे भी हैरान रह जाते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है और इससे हमें प्रेरणा मिलती है। यह हमें देश के लिए और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित करता है।"

39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा भारत

बता दें कि ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने कुल 39 पदक अपने नाम किए। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में खेलों की संख्या पहले के मुकाबले काफी कम थी। कई ऐसे खेल प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं थे, जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के खाते में 39 पदक जोड़े।

कई खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

ग्लासगो में भारतीय दल के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी देखने को मिलीं। जूडो में भारत ने पहली बार दो स्वर्ण पदक जीते। वहीं, पैरा एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, जबकि तेजस्विन शंकर ने पुरुषों के डेकाथलॉन में कांस्य पदक हासिल कर इतिहास रचा। बॉक्सिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम किए। भारोत्तोलन और पैरा खेलों में भी भारत को महत्वपूर्ण सफलताएं मिलीं।

वामपंथ उग्रवाद से...

अब 'विरासत एवं प्रबल' श्रेणी में शामिल 'सिंहभूम'

इसी सप्ताह जारी समीक्षा रिपोर्ट में झारखंड के सिंहभूम ज़िले को 'चिंताजनक ज़िला', इस श्रेणी से बाहर निकाल दिया गया है। अब इस जिले को अपग्रेड कर 'विरासत एवं प्रबल' श्रेणी में शामिल कर दिया है। इसके बाद देश में एलडब्ल्यूई प्रभावित ज़िलों की संख्या शून्य है। 'चिंताजनक ज़िला' इस श्रेणी में भी अब कोई क्षेत्र शामिल नहीं है। 'विरासत एवं प्रबल' ज़िलों की संख्या अब 38 हो गई है।

चार हाईकोर्ट में...

कॉलेजियम ने एक अन्य फैसले में हाईकोर्ट के दो न्यायाधीशों के तबादले की भी सिफारिश की है। वर्तमान में उड़ीसा उच्च न्यायालय में कार्यरत न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक का तबादला गुजरात उच्च न्यायालय करने की सिफारिश की गई है। उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्ण राम महापात्र का तबादला छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय करने की सिफारिश की गई है। उधर, मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर रविवार को आठ अधिवक्ताओं और सात न्यायिक अधिकारियों ने शपथ ली। उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में, मुख्य न्यायाधीश एस.ए. धर्माधिकारी ने नए न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। मद्रास उच्च न्यायालय में इन 15 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ ही कुल न्यायाधीशों की संख्या 66 हो गई है जबकि स्वीकृत पद 75 है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता: बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब

52 मिनट पहले, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। उन्होंने 53 मिनट चले फाइनल मुकाबले में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

भारत ने लगातार दूसरा बिडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार यानी 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

अश्मिता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वह शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अश्मिता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा।

हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अश्मिता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय

खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अश्मिता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं।

अश्मिता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अश्मिता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया।

हान का रिटर्न बाहर जाने पर अश्मिता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

अश्मिता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं।

उन्होंने बिडब्ल्यूएफ टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

वर्ल्ड नंबर-50 अश्मिता गुवाहाटी स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पार्क ताए-सांग से ट्रेनिंग लेती हैं।

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता

अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक, तीसरे राउंड में 7.84 मीटर छलांग लगाई

ओरेगन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया।

18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन।

फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया।

इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी। उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भारत ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

सिराज ने खेली तूफानी पारी; यशस्वी ने लगाया अर्धशतक

कोलंबो, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका इलेवन को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में खेल के तीसरे दिन दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज की तूफानी पारी व यशस्वी जायसवाल की अर्धशतकीय पारी के दम पर 6 विकेट से हरा दिया। भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य मिला था जिसे टीम इंडिया ने खेल के आखिरी दिन आखिरी ओवर में एक गेंद शेष रहते हुए 4 विकेट पर 214 रन बनाकर हासिल कर लिया। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में गजब का खेल दिखाया और आखिरी ओवर में हैट्रिक छक्का व एक चौका लगाकर मैच को पूरी तरह से पटल दिया और भारत को जीत दिला दी। एक वक्त पर ऐसा लग रहा था कि ये मैच ड्रॉ हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और भारत के दौरे की शुरुआत जीत के साथ हुई। ये मैच कोलंबो के नोंडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेला गया था। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था और पहली पारी में 8 विकेट पर 363 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी। इसके बाद भारत ने पहली पारी में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी थी और श्रीलंका के पहली पारी में 6 रन की लीड मिली थी। इसके बाद श्रीलंका ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 200 रन बनाए और पारी की घोषणा कर दी साथ ही मेजबान की कुल बढ़त 206 रन की हो गई थी। भारत को इसके बाद जीत के लिए 207 रन का टारगेट मिला था।

भारत के लिए दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल ने 61 रन जबकि कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। यशस्वी दूसरी पारी में रिटायर हर्ट हुए तो वहीं ध्रुव जुरेल 17 रन की पारी खेलकर आउट हुए। ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में 68 गेंदों पर 28 रन की पारी खेली। रविंद्र जडेजा

22 रन तो वहीं मानव सुतार रिटायर हर्ट हुए। गुरनूर बरार दूसरी पारी में 2 रन बनाकर आउट हुए। सिराज ने तूफानी पारी खेलते हुए 15 गेंदों पर 4 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 32 रन बनाकर भारत को जीत दिला दी। श्रीलंका 11 के लिए दूसरी पारी में निशान मदुश्का 63 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। रविंदु रसंता 8,पसिंदु सोरियाबंदरा 4 और पवन रत्नायके 16 रन बनाकर आउट हुए। अंजेला बंडारा 35, निपुण धनंजय 46 और सोनल दिनुशा 9 रन बनाकर आउट हुए। रमेश मेंडिस 16 और केशारा नुवंथा 1 रन बनाकर नाबाद रहे। रविंद्र जडेजा-गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा 1-1 विकेट झटके। भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो पहली पारी में यशस्वी जायसवाल बगैर खाता खोले आउट हुए। केएल राहुल ने 40, देवदत्त पडिक्कल ने 142, रविंद्र जडेजा ने 63 रन बनाए और वह रिटायर्ड हर्ट हुए। ऋषभ पंत ने 2, ध्रुव जुरेल ने 1 और मानव सुतार ने 41 रन बनाए। कुलदीप यादव 1 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। मोहम्मद सिराज ने 1 रन बनाए। सारांश जैन 22 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। गुरनूर बरार 36 रन बनाकर क्रीज पर। श्रीलंका के लिए रमेश मेंडिस- असंका मनोज ने 2-2 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो और केशरा नुवंथा ने 1-1 विकेट लिए।

24 में से 21 गेंदों पर नहीं दिया कोई रन और 3 विकेट झटके, सुनील नरेन ने फेंका जादुई स्पेल

बारबाडोस, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के दूसरे मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के दिग्गज स्पिनर सुनील नरेन ने अपनी गेंदबाजी से गदर मचा दिया. सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ खेले गए इस मैच में नरेन ने साबित कर दिया कि उनका पुराना जादू आज भी कायम है. मेजर लीग क्रिकेट में जिस तरह का कातिलाना फॉर्म नरेन ने दिखाया था, ठीक उसी लय को बरकरार रखते हुए उन्होंने CPL 2026 की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की है.

इस मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और मैच के दूसरे ही ओवर में सुनील नरेन के कप्तान के फैसले को सही साबित करके दिखाया. नरेन ने सेंट किट्स के खिलाफ अपने पहले ही ओवर 2 विकेट झटक दिए. इस दौरान उन्होंने आंद्रे फ्लेचर और कायल मायर्स को अपना शिकार बनाया. पावरप्ले के दौरान जहां बल्लेबाज बड़े शॉट्स

लगाने की फिराक में थे, वहीं नरेन ने अपनी उंगलियों के जादू से बल्लेबाजों को बेबस कर दिया.

सुनील नरेन ने पावरप्ले में कुल 3 ओवर फेंके और सिर्फ 6 रन ही खर्च किए. पावरप्ले का आखिरी ओवर नरेन ने विकट-मेडन फेंका, जिसमें उन्होंने एलिक एथानाजे का शिकार किया. वो यहीं नहीं रुके, अपने कोटे के 4 ओवरों में नरेन ने सिर्फ 7 रन दिए और 3 विकेट हासिल किए. इस दौरान सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि अपने 24 गेंदों के स्पेल में उन्होंने 21 डॉट गेंदें फेंकी. यानी सेंट किट्स के बल्लेबाज उनकी 24 में से 21 गेंदों पर एक भी रन नहीं बना सके. जिसके चलते ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को छोटे स्कोर पर रोकने में कामयाब रही.

सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 109 रन ही बना सकी. इस दौरान नरेन के अलावा टेरेंस हिंड्स ने भी 3 सफलता अपने नाम कीं. वहीं, डोमिनिक ड्रेक्स ने 2 विकेट चटकाए. दूसरी ओर, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए केविन विकहम ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए, वो इस पारी में 30 रन का आंकड़ा छूने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे. वहीं,4 खिलाड़ी तो बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए.

काव्या मारन का ऑफर ठुकराने वाले कोच का बड़ा फैसला

इंग्लैंड लॉयंस टीम के हेड कोच पद से भी दिया इस्तीफा

लंदन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका देते हुए इंग्लैंड लॉयंस के हेड कोच पद से पूरी तरह हटने का फैसला कर लिया है. फ्लिंटॉफ का यह फैसला तब आया है जब कुछ ही दिन पहले इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने मीडिया में उनकी आलोचनाओं का बचाव करते हुए कहा था कि ईसीबी किस्मत वाला है जो उसे फ्लिंटॉफ जैसे कोच का साथ मिला. टीवी शो टॉप गियर की शूटिंग के दौरान हुए एक गंभीर हादसे के बाद फ्लिंटॉफ ने सितंबर 2024 में इंग्लैंड लॉयंस के हेड कोच की कमान संभाली थी. हालांकि, ईसीबी ने उन्हें ब्रेंडन मैकुलम के उत्तराधिकारी के रूप में टेस्ट टीम का कोच बनाने पर विचार नहीं किया. वहीं, जून में फ्लिंटॉफ को बिग बैश लीग की टीम सिडनी थंडर का कोच नियुक्त किया गया था. ईसीबी ने उन्हें इस विंटर में साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान होने वाले दो चार-दिवसीय मैचों को छोड़ने की इजाजत भी दे दी थी, ताकि वो बीबीएल पर ध्यान दे सकें. लेकिन अब उन्होंने दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ निभाने के बजाए इंग्लैंड लॉयंस का पद पूरी तरह छोड़ने का फैसला लिया है.

ईसीबी की ओर से जारी आधिकारिक बयान में फ्लिंटॉफ ने कहा, 'मैंने इंग्लैंड लायंस के अपने पद से हटने का फैसला किया है. देश के बेहतरीन युवा क्रिकेटरों के साथ काम करना और उन्हें निखरते हुए देखना मेरे लिए गर्व की बात रही. मैं सभी कोचों, स्टाफ, ईसीबी के परफॉर्मेंस डायरेक्टर एड बार्नी और मुझ पर भरोसा जताने के लिए रॉब की का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं.' वहीं, ईसीबी ने पुष्टि की है कि माइक यार्डी 12 अगस्त से बेकेनहैम में पाकिस्तान पुरुष टीम और प्रोफेशनल काउंटी क्लब सेलेक्ट 11 के खिलाफ होने वाले चार-दिवसीय मैच के लिए इंग्लैंड लॉयंस के कोच की कमान संभालेंगे.

जूनियर एशिया कप के लिए भारत की 18 सदस्यीय हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का कप्तान

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय मुख्य टीम चुनी गई है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे।

भारतीय टीम फिलहाल बंगलूरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज की निगरानी में प्रशिक्षण कर रही है। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में बेल्जियम का एक्सपोजर दौरा भी किया था, जहां खिलाड़ियों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

इस दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच खेलने का अनुभव मिला। साथ ही टीम को अपनी प्रगति का आकलन करने, संयोजन बेहतर करने और टूर्नामेंट से पहले तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिला। भारतीय टीम फिलहाल साइ केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैचों के जरिए भी अपनी तैयारियों को धार दे रही है। टीम चयन पर कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि जूनियर एशिया कप के लिए चुनी गई टीम में अच्छा संतुलन और गहराई है। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और प्रतिबद्धता, अनुशासन तथा सुधार की मजबूत इच्छा दिखाई है। उन्होंने कहा कि टीम का चयन लगातार अच्छे प्रदर्शन, रवैये और दबाव में टीम की रणनीति को लागू करने की क्षमता के आधार पर किया गया है। सोयेज ने कहा, 'यह काफी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा और हम हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं। हमारा ध्यान अनुशासित और आक्रामक हॉकी खेलने के साथ अपनी रणनीति पर कायम रहने पर होगा।' एएचएफ जूनियर एशिया कप एशिया की प्रमुख जूनियर हॉकी प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसमें महाद्वीप की उभरती हुई शीर्ष टीमें हिस्सा लेती हैं। भारतीय युवा खिलाड़ियों के लिए यह टूर्नामेंट खुद को क्षेत्र की मजबूत टीमों के खिलाफ परखने का अहम मौका होगा। कोच सोयेज ने कहा कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है और उन्हें भरोसा है कि यह टीम मजबूत प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित कर सकती है। टूर्नामेंट का मैच कार्यक्रम और टीमों के पूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

पहले किया शानदार गोल, फिर उतारी जर्सी!

डी पॉल ने मेसी को दिया ट्रिब्यूट; भावुक कर देने वाला पल

मियामी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंटर मियामी के लिए गोल करने के बाद रोड्रिगो डी पॉल ने लियोनेल मेसी को खास अंदाज में श्रद्धांजलि दी। गोल के बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतारी, जिसके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। यह भावुक इशारा मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके परिवार के प्रति समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने ऐसा गोल किया, जिसने मुकाबले से ज्यादा अपने खास जश्न के कारण सुर्खियां बटोरीं। डी पॉल ने मॉन्टेरी के खिलाफ शानदार लंबी दूरी का गोल दागने के बाद अपनी जर्सी उतारी। इसके नीचे लियोनल मेसी की मशहूर नंबर-10 वाली जर्सी नजर आई। उनका यह अंदाज मेसी और उनके परिवार के प्रति भावुक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है।

मुकाबले के 31वें मिनट में डी पॉल को पेनल्टी एरिया के बाहर गेंद मिली। उन्होंने बिना ज्यादा समय गंवाए जोरदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। मॉन्टेरी के गोलकीपर लुइस कार्डेनास ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उसे गोल में जाने से नहीं रोक सके।

गोल करने के तुरंत बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतार दी। उनके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। डी पॉल का यह सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और इसे मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके दोस्त को समर्थन देने के संदेश के रूप में देखा गया। डी पॉल लंबे समय से लियोनल मेसी के बेहद करीबी साथियों में गिने जाते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम में दोनों की दोस्ती काफी मजबूत रही है और मैदान के बाहर भी डी पॉल ने कई मौकों पर मेसी का साथ दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के दौरान भी मेसी निजी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण भावनात्मक रूप से परेशान नजर आए थे। उस समय डी पॉल उनके साथ खड़े रहे थे। अब क्लब स्तर पर भी उन्होंने अपने दोस्त को यह खास संदेश दिया। लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हुआ है। रिपोर्ट्स के

मुताबिक, उन्हें अर्जेंटीना के रोसारियो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जॉर्ज अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों, लियोनल, रोड्रिगो, मातियास और मारिया सोल को छोड़ गए हैं। जॉर्ज मेसी ने लियोनल के करियर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह उनके एजेंट रहे और उनके व्यावसायिक मामलों को संभालते थे। युवा मेसी के साथ वह 2000 के दशक की शुरुआत में बार्सिलोना गए थे, जहां मेसी ने क्लब की मशहूर युवा अकादमी ला मासिया में ट्रायल दिया था। जॉर्ज खुद भी फुटबॉल खेल चुके थे। वह मिडफील्डर के तौर पर न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की युवा टीम तक पहुंचे थे, लेकिन अनिवार्य सैन्य सेवा पूरी करने के लिए उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लियोनल मेसी ने 2005 में सीनियर फुटबॉल में डेब्यू किया और आगे चलकर आठ बैलन डी'ओर पुरस्कार जीते। उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब भी दिलाया। ऐसे में डी पॉल का गोल के बाद मेसी की नंबर-10 जर्सी दिखाना सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि अपने दोस्त और उसके परिवार के प्रति समर्थन का भावुक संदेश भी माना जा रहा है।

रोहित शर्मा को चुना ओपनर और कप्तान

पाकिस्तान के किसी खिलाड़ी की तरफ देखा तक नहीं, शादाब खान अपने ही देश में विलेन बने

इस्लामाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान अपने एक इंटरव्यू को लेकर सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी फैंस के निशाने पर आ गए हैं। एक रैपिड-फायर चैलेंज के दौरान जब शादाब से अपनी परफेक्ट टी20 खिलाड़ी बनाने के लिए अलग-अलग भूमिकाओं के दिग्गजों को चुनने को कहा गया तो उन्होंने एक भी पाकिस्तानी क्रिकेटर को इस सूची में जगह नहीं दी। उनके इस फैसले ने देश के क्रिकेट फैंस को हैरान कर दिया है। शादाब खान का यह इंटरव्यू वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है जहां फैंस उनके इस चयन पर निराशा जता रहे हैं। इस खास चैलेंज में शादाब ने भारत, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने टीम के ओपनिंग बल्लेबाज और कप्तान के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज रोहित शर्मा को चुना।

जब पावर हिटर चुनने की बारी आई तो शादाब ने वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन पर भरोसा जताया। वहीं बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उन्होंने कैरेबियाई दिग्गज कीरोन पोलार्ड का नाम लिया। स्पिनर की भूमिका के लिए भी वेस्टइंडीज के ही जादुई गेंदबाज सुनील नरेन उनकी पहली पसंद बने, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक को चुना। तेज गेंदबाजी विभाग में शादाब का फैसला सबसे चौंकाने वाला रहा, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज पेसर शेन बॉन्ड का चयन किया। शादाब ने बताया कि भले ही बॉन्ड को ज्यादा टी20 क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन वह हमेशा से उनके बॉलिंग एक्शन के बड़े फैन रहे हैं। पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी चाहे वह बाबर आजम हों या शाहीन शाह अफरीदी को जगह न देने के कारण शादाब को फैंस की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

विवादों में घिरा कोरिया फुटबॉल संघ: विदेशी मैच अधिकारियों को अनुचित फेवर के देने के लगे आरोप पर मांगी माफी

सियोल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ ने 2011-12 में विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित अनुचित सुविधाएं देने के आरोपों पर माफी मांगी है। केएफए ने मौजूदा समय में ऐसी किसी गलत प्रथा से इनकार करते हुए पारदर्शिता और नैतिक मानकों में सुधार का भरोसा दिलाया है। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ (केएफए) ने 2011 और 2012 में देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के दौरान विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित तौर पर अनुचित तरह का मनोरंजन उपलब्ध कराने के आरोपों को लेकर माफी मांगी है। संघ ने कहा कि वह एक दशक से भी पहले की कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद शर्मिंदा है और इस मामले से लोगों में पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए खेद व्यक्त करता है। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मीडिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि केएफए ने 2011 और 2012 में विश्व कप और ओलंपिक क्वालिफायर के अलावा कुछ दोस्ताना मुकाबलों से पहले और बाद में विदेशी रेफरी तथा अन्य मैच अधिकारियों के लिए अनुचित मनोरंजन की व्यवस्था की थी।

इन आरोपों के सामने आने के बाद केएफए को संसदीय सुनवाई, अपने मुख्यालय पर पुलिस की छापेमारी और मीडिया रिपोर्ट्स का सामना करना पड़ा है। संघ ने कहा कि इन घटनाओं से पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए वह 'बेहद शर्मिंदा' है। केएफए ने हालांकि स्पष्ट किया कि मौजूदा समय में ऐसी कोई गलत प्रथा नहीं चल रही है और न ही कॉर्पोरेट कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने पारदर्शिता और नैतिक मानकों को मजबूत करने तथा जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए व्यापक सुधार करने का वादा किया है। केएफए पहले से ही राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच होंग म्युंग-बो की नियुक्ति को लेकर विवादों में है। साल 2024 में हुई उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में केएफए के मुख्यालय पर छापा मारा था।

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

13 साल की उम्र में मेसी को बार्सिलोना ले गए, दो दशक तक उनके एजेंट रहे

ब्यूनस आयर्स, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था। मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया। जॉर्ज सिर्फ मेसी के पिता नहीं थे। वे दो दशक से ज्यादा समय तक उनके एजेंट और सलाहकार भी रहे।

बार्सिलोना, पीएसजी और इंटर मियामी जैसे बड़े क्लब ट्रांसफर में उनकी अहम भूमिका रही। न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने श्रद्धांजलि में क्लब का झंडा आधा झुका दिया। क्लब ने कहा, जॉर्ज और उनकी पत्नी सेलिया ने मेसी के हर सफर में साथ दिया। बचपन की ट्रेनिंग से लेकर वर्ल्ड फुटबॉल के टॉप तक पहुंचने में जॉर्ज का योगदान रहा। जून में मेसी परिवार ने बताया था कि जॉर्ज स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं। वे डॉक्टरों की निगरानी में थे। परिवार ने मीडिया से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील भी की थी।

जोश और श्रद्धा के साथ मनाया गया बोनालू उत्सव

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को ग्रेटर हैदराबाद में बोनालू उत्सव बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

हजारों महिलाओं ने मंदिरों में जाकर मुख्य देवी-देवताओं को बोनम, ओडी बिय्यम, साड़ियाँ और अन्य पारंपरिक चीज़ें अर्पित कीं। शहर में उत्सव का माहौल था; ढोल की थाप, पोथाराजू के प्रदर्शन और शिवसत्तुलु की भक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों से पूरा शहर गूंज उठा।

उत्सव के हिस्से के तौर पर, बंदोबस्त मंत्री कोंडा सुरेखा ने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सांसद अनिल कुमार यादव और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ शहर के कई ऐतिहासिक मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने लाल दरवाजा श्री सिंहावाहिनी महांकाली मंदिर, चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर, शालीबांदा अक्कना मडन्ना महांकाली मंदिर, गौलीपुरा महांकाली मातेश्वरी मंदिर और मीर आलम मंडी स्थित महाकालेश्वर देवी मंदिर के दर्शन किए।

मंदिर के अधिकारियों और पुजारियों ने गणमान्य व्यक्तियों का पारंपरिक 'पूर्ण कुंभम' के साथ स्वागत किया। नेताओं ने मुख्य देवी-देवताओं को रेशमी वस्त्र और बोनम अर्पित किए और विशेष पूजा में भाग लिया। बाद में पुजारियों ने वैदिक आशीर्वाद दिया और तीर्थ-प्रसाद वितरित किया।

इस बीच, कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने भी शहर के विभिन्न मंदिरों का दौरा किया और राज्य सरकार की ओर से मुख्य देवी-देवताओं को रेशमी वस्त्र और बोनम अर्पित किए।

बंदोबस्त, पुलिस, जीएचएमसी और बिजली विभागों के अधिकारियों ने सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल के साथ काम किया, ताकि भक्त बिना किसी परेशानी के उत्सव में शामिल हो सकें।

सज्जनार ने लाल दरवाजा मंदिर में सुरक्षा इंतज़ामों का जायज़ा लिया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने रविवार को बोनालू त्योहार के सिलसिले में लाल दरवाजा श्री सिंहावाहिनी महाकाली मंदिर में सुरक्षा इंतज़ामों का निरीक्षण किया।

इंतज़ामों का जायज़ा लेने के बाद, सज्जनार ने देवी की पूजा-अर्चना की और विशेष अनुष्ठान किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर के अंदर और आसपास 48 घंटों के लिए व्यापक सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चोरों और चेन-स्नैचर्स की पहचान करने और पुलिस की त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एआई-सक्षम कैमरों की लगातार निगरानी की जा रही है।

सज्जनार ने कहा कि सुरक्षा ड्यूटी के लिए दो शिफ्ट में लगभग 2,400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि शी टीमें और क्राइम टीमें भी तैनात की गई हैं, साथ ही भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिरों के आसपास अहम जगहों पर पिकेटिंग पॉइंट बनाए गए हैं।

सज्जनार ने कहा कि मंदिर परिसर के अंदर और जुलूस के रास्तों पर ड्रोन और अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा कार्यों की निगरानी के लिए लाल दरवाजा यूनियन बैंक के पास एक विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त सीपी (क्राइम) श्रीनिवास (आईपीएस), अतिरिक्त सीपी(कानून-व्यवस्था) तफ़सीर इक़बाल, संयुक्त सीपी (ट्रैफ़िक) जोएल डेविस चारमीनार ज़ोन डीसीपी खरे किरण प्रभाकर, ट्रैफ़िक डीसीपी राहुल हेगड़े, डीसीपी(सीएआर मुख्यालय) आर. वेंकटेश्वरलू और डीसीपी श्रीनिवास व लावण्या आदि शामिल हुए।

सांसद एटेला राजेंद्र ने बोनालू की विशेष पूजा की

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक बोनालू त्योहार के अवसर पर, मलकजगिरी के सांसद एटेला राजेंद्र ने रविवार को संजयपुरी कॉलोनी और अंजैया नगर (मलकजगिरी संसदीय क्षेत्र के कुतबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत) में आयोजित भव्य और भक्तिपूर्ण समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने पूजा-अर्चना की और देवी का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बोनालू त्योहार तेलंगाना की पहचान और आत्म-सम्मान का प्रतीक है।

रामचंद्र राव ने बोनालू समारोह में हिस्सा लिया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार सुबह तरनाका, लालागुडा (लालापेट) और मलकजगिरी इलाकों के विभिन्न मंदिरों में आयोजित बोनालू त्योहार समारोह में हिस्सा लिया और देवी की विशेष पूजा-अर्चना की। बोनालू उत्सव के हिस्से के तौर पर, राव ने तरनाका में श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर, लालपेट में श्री पोचम्मा मंदिर, मलकजगिरी में श्री उज्जैनी महांकाली मंदिर और सफिलगुडा में श्री कट्टा मैसम्मा मंदिर के दर्शन किए, जहाँ उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना की और देवी का आशीर्वाद लिया। बोनालू के शुभ अवसर पर, राव ने देवी से तेलंगाना के सभी लोगों की समृद्धि, स्वास्थ्य, शांति और खुशी के लिए प्रार्थना की।

इस मौके पर सभी को बोनालू की हार्दिक बधाई देते हुए, उन्होंने कामना की कि देवी के दिव्य आशीर्वाद से हर परिवार खुशी, शांति और समृद्धि से फले-फूले।

जी. किशन रेड्डी ने अंबरपेट महांकाली मंदिर में दर्शन किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ मास बोनालू त्योहार के मौके पर, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और उनकी पत्नी ने रविवार को अंबरपेट के मशहूर श्री महांकाली मंदिर के दर्शन किए। किशन रेड्डी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ विशेष पूजा की और देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए। उन्होंने राज्य के लोगों की भलाई, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

इस मौके पर किशन रेड्डी ने कहा कि बोनालू त्योहार हैदराबाद की संस्कृति में एक खास जगह रखता है। उन्होंने तेलंगाना की परंपराओं और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए इस त्योहार को धूमधाम से मनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। अंबरपेट मंदिर के प्रतिनिधियों जिनमें दुर्गा प्रसाद रेड्डी, श्रीधर गौड़, रंगमपल्ली राजू, चेंगली सुधाकर और अचिनी महेश शामिल थे - ने केंद्रीय मंत्री और उनकी पत्नी का स्वागत किया।

आंध्र के गवर्नर ने आदिवासियों की सांस्कृतिक पहचान को बचाने का आह्वान किया

अमरावती, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के गवर्नर एस. अब्दुल नज़ीर ने आदिवासियों की परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को बचाने का आह्वान किया है। 'विश्व आदिवासी दिवस' पर उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय हमारे समाज, संस्कृति और विरासत में अमूल्य योगदान देते हैं।

उन्होंने कहा, उनकी समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित किया जाना चाहिए, साथ ही उनके अधिकारों, सम्मान, समान अवसरों और समावेशी विकास को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर सभी आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति, परंपराएं और जंगलों व प्रकृति से जुड़ी उनकी अनूठी जीवनशैली समाज के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने आदिवासी लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा है और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, सरकार

आदिवासियों के आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और प्रगति को बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास कर रही है।

डिप्टी मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने 'विश्व आदिवासी दिवस' पर अपने संदेश में कहा कि आदिवासी समुदाय जंगलों के शाश्वत संरक्षक, प्राचीन ज्ञान के रक्षक और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जीवत आत्मा हैं।

जन सेना नेता ने कहा, जंगलों ने पीढ़ियों से हमारे आदिवासी समुदायों की रक्षा की है, और बदले में, उन्होंने प्रकृति, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान के संरक्षक के रूप में जंगलों की रक्षा की है। 'विश्व आदिवासी दिवस' पर, मैं अपने सभी आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा, इस साल का विषय, 'आदिवासी दाइयों का सम्मान: जीवन और भलाई की सुरक्षा,' हमें पीढ़ियों से चली आ रही अमूल्य पारंपरिक जानकारी और जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति और विरासत की रक्षा में आदिवासी महिलाओं और समुदायों की अहम भूमिका की याद दिलाता है। आदिवासी समुदायों के साथ मेरा रिश्ता बहुत निजी है। उनके प्यार और भरोसे ने हमेशा उनके सम्मान और भलाई के लिए काम करने के मेरे संकल्प को मज़बूत किया है।

उप-मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'अदावी थल्ली बाटा' जैसी पहलों, दूर-दराज़ के इलाकों में बेहतर कनेक्टिविटी, रोज़गार के मौकों और जंगलों व वन्यजीवों की बेहतर सुरक्षा के ज़रिए हम यह पक्का करने के लिए काम कर रहे हैं कि विकास हर आदिवासी परिवार तक पहुँचे और साथ ही उनकी पहचान और परंपराएँ भी सुरक्षित रहें। उनका भरोसा एक ज़िम्मेदारी है। उनकी विरासत हमारा गर्व है। उनकी तरक्की हमारा संकल्प है। आइए, हम सब मिलकर ऐसे भविष्य की ओर बढ़ें जहाँ हर आदिवासी परिवार सम्मान, मौकों, सुरक्षा और उम्मीद के साथ जी सके।

महाराष्ट्र से भटककर आए बाघ की मौजूदगी से दहशत

कुमरम भीम आसिफाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को पेन्चिकलपेट मंडल में एक बाघ के घूमने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि शनिवार रात लोदपल्ली और पेन्चिकलपेट गांवों के बीच एक नाले के पास बाघ देखा गया, जिससे हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि बाघ ने दोनों गांवों के बीच नाले के पास सड़क पर कुछ दूर तक एक कार का पीछा किया। ड्राइवर ने गाड़ी की गति बढ़ाई और सुरक्षित बच निकला। इस घटना के बाद वाहन चालक उस सड़क पर जाने से घबरा रहे थे।

रोजाना इस सड़क का इस्तेमाल करने वाले लोगों, खासकर छात्रों ने बाघ की मौजूदगी पर चिंता जताई। उन्होंने वन अधिकारियों से बाघ को वापस जंगल की ओर भेजने और इंसानी नुकसान को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हाल ही में बाघ द्वारा दो लोगों की जान लेने की घटनाओं के कारण वे डर के साये में जी रहे हैं।

वन अधिकारियों ने पेन्चिकलपेट रेंज के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बाघ महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से भटककर बेज्जर और पेन्चिकलपेट मंडल के जंगलों की ओर आ गया होगा। बाघ इस इलाके के जंगलों में घूम रहा था। उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए एनिमल ट्रैकर तैनात किए गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। उन्होंने ग्रामीणों को बाघ से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से सुबह 9 बजे के बाद खेतों में जाने और शाम 5 बजे से पहले खेत से लौटने का आग्रह किया। खेती-बाड़ी के काम के दौरान समूहों में चलने की सलाह दी गई। चरवाहों से कहा गया कि वे मवेशियों को जंगल के अंदर दूर तक न ले जाएं।

गौरतलब है कि एक साल बाद इन जंगलों में बाघ के आने से अधिकारी खुश हैं। हालांकि, मार्च 2025 में येल्लूर में एक स्थानीय बाघ के शिकार की घटना के बाद, पर्यावरणविदों ने वहां से गुजरने वाले बाघ की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उनका मानना था कि अधिकारियों को जागरूकता फैलाकर और बाघों के संरक्षण में स्थानीय लोगों को शामिल करके शिकार रोकने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए।

बीजेपी ने राहुल गांधी को 'छात्रों की गूंज' सुनने के लिए तेलंगाना आने की चुनौती दी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को पूछा कि राहुल गांधी अपनी 'छात्रों की गूंज' के साथ हैदराबाद कब आ रहे हैं, ताकि वे उन छात्रों की समस्याएं सुन सकें जिन्हें उनकी ही पार्टी की सरकार ने धोखा दिया है। राव ने यहां एक बयान में कहा कि राहुल गांधी देश भर में, खासकर एनडीए-शासित राज्यों में घूम रहे हैं और अपने तथाकथित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के ज़रिए खुद को छात्रों और युवाओं की आवाज़ बता रहे हैं। लेकिन उन्होंने पूछा कि युवाओं के खुद-घोषित संरक्षक माने जाने वाले ये 56 साल के नेता तेलंगाना कब आएंगे और अपनी ही कांग्रेस सरकार के तहत परेशान हो रहे छात्रों की पुकार कब सुनेंगे?

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में लगभग 20 लाख छात्रों का भविष्य खतरे में है क्योंकि कांग्रेस सरकार लंबे समय से बकाया फीस रिइम्बर्समेंट (फीस वापसी) का भुगतान करने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हज़ारों

छात्र उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पा रहे हैं या नौकरी नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि फीस रिइम्बर्समेंट का बकाया न मिलने के कारण शिक्षण संस्थानों ने उनके ओरिजिनल सर्टिफिकेट रोक रखे हैं।

राव ने सवाल किया, क्या राहुल गांधी को इस बारे में पता नहीं है या छात्रों के लिए उनकी चिंता वहीं खत्म हो जाती है जहां कांग्रेस सत्ता में है? उन्होंने बताया कि तेलंगाना हाई कोर्ट ने फीस रिइम्बर्समेंट का बकाया न चुकाने को लेकर राज्य सरकार से कई बार सवाल किए हैं। शिक्षण संस्थानों ने कोर्ट के सामने कहा है कि शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जबकि अलग-अलग कार्यवाही में अनुमान लगाया गया है कि बकाया राशि लगभग 10,000 करोड़ रुपये से 12,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि उनके करियर में देरी हो रही है, मौके हाथ से निकल रहे हैं और परिवार गंभीर आर्थिक संकट में फंस रहे हैं क्योंकि कांग्रेस सरकार बकाया फीस रिइम्बर्समेंट का भुगतान करने में नाकाम रही है।

राहुल गांधी को प्रोपेगैंडा का नेता बताते हुए राज्य प्रमुख ने पूछा कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तेलंगाना के छात्रों की असली 'गूंज' सुनेंगे? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 2023 के चुनाव के दौरान अशोक नगर आए थे और उन्होंने नौकरी कैलेंडर, पक्की नौकरी और कांग्रेस के सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर बेरोजगार युवाओं के लिए भत्ते के बारे में सरासर झूठ बोला था। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि कांग्रेस के ढाई साल से ज़्यादा के शासन के बाद भी सभी वादे अधूरे हैं।

ज्वेलरी स्टोर से 8 लाख रुपये के सोने के गहने चोरी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात कागज नगर शहर में एक ज्वेलरी स्टोर से अज्ञात लोगों ने लगभग चार तोला सोने के गहने चुरा लिए। चोरी हुए सामान की कीमत लगभग 8 लाख रुपये है।

पुलिस ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने आधी रात को स्टोर के शटर तोड़कर सोने के गहने चुरा लिए। सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड फुटेज के अनुसार, नकाबपोश बदमाशों ने गहने चुराए। बताया जा रहा है कि वे बड़ी मात्रा में गहने नहीं चुरा पाए क्योंकि गहने एक कमरे में सुरक्षित रूप से बंद थे।

सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सुराग जुटाए।

खराब सड़कों को लेकर लोगों का अनोखा विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खराब सड़कों की मरम्मत न होने और आने-जाने वालों को हो रही दिक्कतों को लेकर अधिकारियों की उदासीनता से नाराज लोगों और बीआरएस नेताओं ने राज्य में अलग-अलग जगहों पर अनोखे विरोध-प्रदर्शन किए।

कामारेड्डी में, 46वें डिवीजन के बीआरएस पार्षद जी. लक्ष्मीनारायण ने खराब सड़क की मरम्मत न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनोखा विरोध-प्रदर्शन किया। शनिवार को वे शहर में पानी से भरी सड़क के बीच बैठ गए और अधिकारियों से लंबे समय से लंबित मरम्मत का काम शुरू करने का आग्रह किया।

पार्षद ने कहा कि हर साल बारिश के मौसम में कामारेड्डी-राजन्ना सिरसिल्ला सड़क पर पानी जमा हो जाता है। उन्होंने कहा कि पानी से भरी सड़क पर गाड़ी चलाने में वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जबकि पैदल चलने वालों को इसे पार करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब इलाके में रेलवे पुल बनाया गया था, तब एक पुलिया भी बनाई

जानी थी, लेकिन ठेकेदार ने वह काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि नतीजतन, जब भी बारिश होती है, सिरसिल्ला सड़क पर पानी और सीवेज जमा हो जाता है क्योंकि यह इलाका निचले स्तर पर है।

लक्ष्मीनारायण ने कहा कि बार-बार शिकायत और अपील करने के बावजूद, आरएंडबी और नगर पालिका के अधिकारी इस समस्या को हल करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। वे सिर्फ आश्वासन देते हैं, लेकिन काम शुरू नहीं किया जाता है।

इस बीच, सूर्यपेट में भी खराब सड़कों की हालत को लेकर लोगों और बीआरएस कार्यकर्ताओं ने एक और अनोखा विरोध-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सड़क की हालत को उजागर करने के लिए मुख्य सड़क पर धान के पौधे लगाए।

तुंगातुर्थी से सूर्यपेट तक के मुख्य मार्ग पर सड़क का काम शुरू करने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गड्ढों से भरी सड़क पर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़क पर जमा पानी को उजागर करने के लिए धान के पौधे लगाए और मछली पकड़ने वाली छड़ी लेकर मछली पकड़ने का नाटक भी किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.